

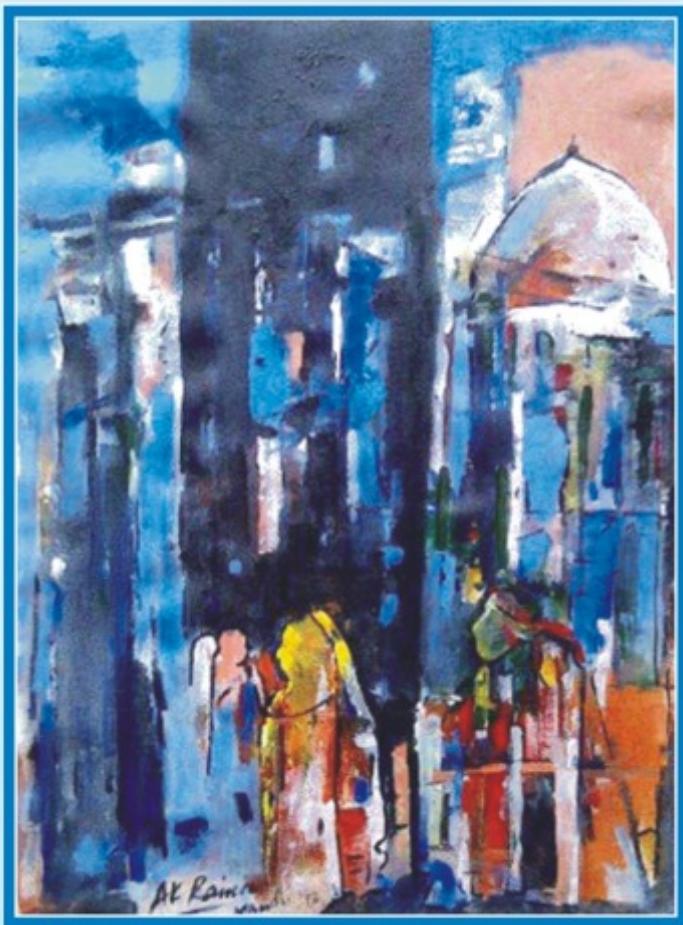


(त्रुटेवार अदवी मैग्जीन)

अक्टूबर-दिसम्बर 2016



(For Private Circulation Only)



AIKS TRUST GENERAL BODY MEETING

(28 AUGUST 2016)



अक्टूबर-दिसम्बर 2016

चारों कानों

(त्रुरेतुवार अद्बी मैग्जीन)

एडिटर
ओमकार कौल

सलाहकार मंडल
शम्भु नाथ भट्ट हलीम
रतन लाल शान्त
रूपकृष्ण भट
सुनीता रैना

व्यवस्था
महाराज के पजन (प्रबन्ध)

आल इंडिया कश्मीरी समाज

डी-90, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली 110023

वाख - 44

(त्रुरेत्वार अदबी मैग्जीन)

अक्टूबर-दिसम्बर 2016

पब्लिशर

आल इंडिया कश्मीरी समाज, डी-90, सरोजनी नगर, नई दिल्ली 110023
फोन 24677114, email: aiksnd@live.com

एडिटर

डॉ० ओमकार कौल, सी -13, ग्रीनविव अपार्टमेंट्स, 33 सैक्टर 9, रोहिणी,
दिल्ली 110085 फोन : 9811885545, 27556197
email: onkoul@yahoo.com vaakh.aiks@gmail.com

पत्रवाहक जम्मू: रिकू कौल, फोन 9419136369

हकूक महफूज़

यथ मैग्जीनस मंज़ लेख वगौर, इस्तिमाल करनु ब्रोहं गछि लिखाँर्य, तरजमुकार तु ए आई के
एसुक इजाज्ञथ ज़ोरुर ह्यानु युन।

कुनि ति (छाप सपृद्यामुतिस)लेखनस मंज़.जाँहिर करनु आमुच्चि रायि सूत्य एआई कै एस या एडिटर
सुंद इतिफाक आसुन छु नु ज़ोरुरी।

कवर पेंटिंग: ए के रैना

च्वल : (देश) अख अंक: 50 रु, सालानु: 200 रु, त्रै वैरी: 500 रु, आजीवन : 2000 रु
(विदेश) अख अंक: 4 डालर, सालानु : 15 डालर, आजीवन: 150 डालर

इशतिहार: अँदर्यम कवर : 8,000 रु, पूर सफु: 4,000 रु, औड सफु: 2,000 रु

च्वबाग सफु: 1,000 रु

चंदु सोज्जनुक तु इशतिहार खाँतरु पताह

ए आई कै एस नाद

डी-90, सरोजनी नगर, नई दिल्ली-110023

दिलि न्य॑बरिम्यन चेकन गठन 40 रु अलावु आसनि

डी टी पी: रोशन लाल भट RRR Enterprises

Plot No: 469, Sector- 4, Vaishali Gzb. U.P 201010
9540497333

यथ अंकस मंज....

पनुन्य कथ	ओमकार कौल	05
लेख		
शिव सूत्र (अख ज्ञान)	चमन लाल रैना	07
प्रतिभिज्ञानहृदयम ले० आचार्य खेमराज	मीम है जफर	11
थ्यकुन	मोती लाल 'नाज'	16
शफी शौकुन्य नज़ुमः सिंधमत	मोती लाल क्यमू	18
नगुरक्य शाम सुबुह		
दीनानाथ नॉदिमुन्य रॉवमुच्च नज़ुम	मोती लाल क्यमू	20
प्रो० ब्रज बी काचरूः लिसॉनियाँता मॉहिर	ओमकार कौल	22
गाशिर्य मीनार		
दीना नाथ 'नॉदिम'	रूप कृष्ण भट	25
अफसानु		
ब्रम	मखन लाल पंडिता	30
बुछस नु लल	रूप कृष्ण भट	32
नोव रिशतु	ओमकार कौल	36
लॅर	रिंकू कौल	38
यूज एण्ड थ्रो	विजय सागर	40
स्व पोंसु दूछ	पृथ्वीनाथ कौल 'सायिल'	41
तुरफु यकु	अवतार हुगामी	44
नदहर	रोशन लाल भट 'रोशन'	47
मॉलु	रहीम रहबर	48
शॉयरी		
जु नज़मु	मोती लाल 'नाज'	50
असवुनि ह्वंजि	बाल कृष्ण संयासी	51
जु गजलु	सुनीता रैना	53
गजुल	हामिदी काशमीरी	54

गजुल	रही जान	54
गजल	अशोक 'गवहर'	55
जु गजल	रविंदर रवी	56
गजलु	अशोक सराफ घायल	57
जु गजल	मोती लाल मसरूफ	57
सिरियि	अवतार कृष्ण नाज़	58
तुरु पचि	त्रिलोकीनाथ धर कुंदन	59
अख गजुल तु नजुम	रोशन सराफ 'रोशि रोशि'	60
लुकु बॉथ	रोशन लाल रोशन	60
लड़ीशाह	प्रेमनाथ शाद	62
तखलीकी तर्जम	संतोष नादान	63
रबिन्द्र नाथ टैगोरनि जु नजुम	मोती लाल नाज़	66
सोन म्बलुल सरमायि		
वचुन	समद मीर	67
येम्य द्युत अँशकु सोदरस दम	अहमद बटुवार्य	68
शंकर-अस्तुति	कृष्ण जू राजदान	68
स्वखन डुस		
अज्ज छुस न बु हंगु तु मंगु परेशान-१	रतनलाल शांत	69
शुर्य अदब		
खबरदार गुर	शम्भु नाथ भट्ट 'हलीम'	71
टोपि सोदागर तु पँज्य	शम्भु नाथ भट्ट 'हलीम'	72
तबसुर		
ऑनु खानु (ले० अज्जीज़ हाजनि)	रूप कृष्ण भट	72
साज़ बोन्यन हुंद (ले० मखनलाल पंडिता)	रूप कृष्ण भट	73
सोंच		
बु छुस कैह लेखुन यछान	रिकू कौल	72
अदबी खबरु		76
तुहुंद बनुन (मोती लाल नाज़, रतनलाल जवहर)		77
लेखन वॉल्य		80



પનુંન્ય કથ



યિ છુ પજર જિ અદબસ મંજ ઇસ્તિમાલ યિનુ વાજેન્ય જબાન છે લોઝમી તૌર જબ્બાંન્ય હુંદ્યવ બાકી ઇસ્તિમાલવ નિશિ અલગ। ચાહે અદબ નસરસ મંજ આસિ લેખનુ આમુટ યા શ્યાંયરી મંજ અદબસ મંજ છિ બાવથ તુ તમ્યુક ઇજહાર દ્વશવય ચીજ અંહમ। લિખ્યાર્થ સુંજ બાવથ યા ખયાલ છિ ઇજહાર લબાન જ્રબ્બાંન્ય હુંદિ ઇસ્તિમાલુ સૃત્ય। યિ જબાન ગછિ તિછુ આસુન્ય યેમિ સૃત્ય લિખ્યાર્થ સુંજ બાવથ પરન વૉલિસ નિશ સાફ પૉર્ચ તુ દિલચસ્પી સાન વાતિ। પરનવૉલિસ મંજ ગછિ મોજૂહસ સૃત્ય દિલચસ્પી બડુન્ય। સુ ગછિ તમ્યુક હજ તુલુન। અદુચિ જબ્બાંન્ય મંજ છુ આમ ફહમ લફજન હુંદ સહી ઇસ્તિમાલ કરુન જરૂરી। અદબસ મંજ ઇસ્તિમાલ કરન વાલ્યન વારયાહન લફજન છુ ખાસ કંટેક્સ્ટ-અસ મંજ મતલબ બદલાન યા અથ મંજ માનેસ મંજ ઇજાફ ગઢાન। મોકૂલ લફજુ-ચોર, અલાવ છુ લફજુ-જોડ, લફજુ તરતીબ તુ જુમલન હુંજ બનાવઠ તુ પરાગ્રાફન હુંજ સાખ્ત તિ અંહમ।

અદબસ મંજ વરતાવનુ યિનુ વાજિનિ જ્રબ્બાંન્ય છુ પોછર મેલાન મહાવરવ, કહાવચવ તુ દેંપિતેવ સૃત્ય। યેહંદિ ઇસ્તિમાલુ સૃત્ય છુ જ્રબ્બાંન્ય હુંદિસ બયાનસ મંજ છોચર મેલાન; જબાન ખોશનુમા તુ મેંદુર બનાન। મગર મહાવરન તુ દેંપિતેન હુંદ ગછિ ત્યૂતુય ઇસ્તિમાલ સાપદુન ચોમિ સૃત્ય જબાન માને-સાંવ બનિ, જબાન ગછિ નુ હરગિજ યિમાન હુંદિસ કસીર ઇસ્તિમાલસ તલ દબુન્ય। યિ ગછિ નુ કુનિ તિ જાયિ બાસુન જિ મહાવર તુ દેંપિત્ય છિ જબરદેસ્તી આમુત્ય વરતાવનુ। યેતિ કરવ અંસ્ય કૉશરેન દેંપિતેન હુંજન ખાસ ખસૂસિયચન હુંદ જિકિર છોટ્ય પૉર્ચ।

કૉશરેન દેંપિતેન છે અસલૂબી તોર કેહ તિછુ ખાસ ખસૂસિયચુ યિમુ નુ બાકી હિંદુસ્તાંન્ય જ્વાનન મંજ છે। મસલન વારયાહ દેંપિત્ય છિ સવાલ-જવાબસ મંજ:

- ‘માંજી વોહવાન નુ કાંહ’
- ‘પોતર વતિ પેઠ બેહ !’
- ‘વાંગજેવ નાર હા’
- ‘વગુવ છુસ વટાન !’
- ‘વોથિ નોશ કુઠ ખસ’

‘आमुच व्या करने छुस !’

कॅह छि जवाबस मंज़ ‘दोपनस’ ति वरतावान, मसलन

- ‘वांगजेव नार हा’

दोपनस वगुव छुस वटान !’

केंचन दॅपितेन मंज़ छे दोयुम लॉन गवडनिचि लॉनि हुंदिस इज्जहारस तशरीह करान या अथ फुट कडानः

- ‘सरुफ पकान होल होल’

‘पनुनि वाजि निश छु स्योद गछान !’

- ‘शाल-शाल ब्योन ब्योन’

‘टुंगि विजि कुनिय !’

- ‘बेकल नु कांह’

‘गरु पतु काह’

केंचन दॅपितेन मंज़ छे दोयिम लॉन कंट्रास्ट यिथुकुन्य पेश करानः

- ‘माजि नु लचकु’

‘सेतारस गिलाफ’

- ‘मॉजे माम हय’

‘मे हा गव बोय !’

दॅपितेन हुंद अख गहरु तोलुख छु आसान तजरुबस सुत्य। वारयाहन पतु छे डखि आसान कांह कथ। योस ज्ञाननुसृत्य माने ज्यादु ठीख पॉर्च्य नोन छु नेरान।

केंचन दॅपितेन मंज़ छि अलग-अलग अलाकन मंज़ कोदरती तौर फेरु हाव लबनु यिवान। पतु डखु कथन मंज़ ति छु बोन्यर आसान।

कुनि ति अदब पारस मंज़, चाहे नसर आसि या शॉयरी, छु दॅपितेन हुंद इस्तिमाल तेली माने सोव बनान तु मुताँसिर करान येलि अम्युक इस्तिमाल आसि मोकूल जायि पेठ तु ज़रूरथ समजिथ करनु आमुत। यिहुंद इस्तिमाल करुन छे ह्वनर योस वोस्ताद अँदीबसुय हॉसिल छे आसान। यि ह्वनर छे सिरिफ तजरुब सुत्य हॉसिल गछान।

अदब पारु खाँतरु यीच बावुच या खयालस अँहमियथ छे आसान, तीचुय अँहमियथ छे तमि किस इज्जहारस ति हॉसिल आसान। यिथुकुन्य जान खयाल जान ज़बॉन्य रोस जायि छु गछान, तिथयकुन्य छनु जान ज़बॉन्य हुंदिस इस्तिमालस कांह वुकथ अगर अथ मंज़ जान खयाल आसि नु बावनु आमुत।

ओमकार कौल

एडिटर



शिव सूत्र (अख ज्ञान)

- चमन लाल रैना

कश्मीर शैवदर्शन छु पनुनि हँसियतु सु म्बलुल सरमायि, युस यूताह खरचनु यियि, त्यूत छु तम्युक म्बल हुरान। यि क्याह सना वजह छु, जि शिव स्तोत्रावली सुत्य सुत्य छु शिव सूत्र परुन तु समझुन ज्ञोरुरी। शिव स्तोत्रावली छि फलसफु अलावु भक्ति स्तोत्रन हुन्द थदि पायुक शैवी ग्रंथ। मगर शिव सूत्र छु सॉनिस वोजूदस सुत्य तिथु पॉर्च्य वाबस्तु, यिथु पॉर्च्य मॉलिके-कुलि-कायिनात (आब्रह्म कोटि)चैतन्य स्वरूप, याने कि यि केछा चैथ व्यमर्श स्वरूप छु, ति छु शिव। आकार छुस कायिनात। प्रकृति हुन्दिस जरस जरस मंज लबनु यिवान, न्यराकार छु कुव्वते तखलीक। शिव छु प्रकाशमानन प्रकृति मंज, शिवःकेवलोऽहम-छु अख तसव्वुर जि शिव छु प्रत्यभिज्ञा स्वरूप।

सतुसतथ सूत्रन प्यठ मबनी शिवसूत्र छि शाम्भव उपाय, शाकत उपाय तु आणव उपायन हुन्द म्युल। अथ क्याजि प्यव नाव शिव सूत्र ? यि ज्ञाननु बापथ छु सूत्र शब्दुक स्त्रोत, मूल या आगुर छु जानुन ज्ञोरुरी।

स्वात्य-अक्षर-असन्दिग्धं-सारवत-विश्वतो-मुखम।

अस्तो-भमन-अवद्यन्य-सूत्रं-सूत्रविदो विदुः ॥ सूत्र ग्रंथ।

अमि सुत्य छु सूत्रुक सही सही वर्खनय मोलूम सपदान। सूत्र गढि खालुय अक्षरन (कमुय अक्षरन मंज लेखन युन) मतलब नेरनस मंज गढि नु कुनि ति शकुच गुंजॉइश रोजुन्य। सारवत-मतलबे-खसूसी सुत्य मुरवज, याने कि सारवत गढि सही वति कुन पकुन। बोयि गढि सारी ज़गतुक लुबिलुबाब वनुन। अवद्य-याने कि कुनि तरीकुच काट छांट गछ्यस नु सपदुन्य। अस्तस गढि नु याने कि प्रथ विजि आसि सूत्रुक गाह/प्रकाश टाकार। यिमय खसूसियतु छि सूत्रस मंज आसान। खोज करन वाल्यन हुन्द छु वनुन कि १०० ई० मंज सपदेयि यिम सतसतथ सूत्र प्रकट। शिव सूत्रस मुतलिक छु यि रेवायती तोर वननु यिवान जि वसु गुप्तस छु परम शिव सुंजि कृपायि सुत्य शिव सूत्र प्राप्त सपुद्यमुत्य। यि छु यिवान वननु जि वसु गुप्तस सपदेयि यिम सतसतथ सूत्र महादेव चि पहाडी (शंकर पलस) प्यठ दँस्तियाब। यि ति छे परंपरा जि भगवान शिवन दिच वसु गुप्तस शिव सूत्रन हुंज दीक्षा। दीक्षा गॅयि भगवत स्वरूपुक या मंत्रुक शक्ति पात। अख

ગુરુ છુ પનુનિસ શોશેસ મંત્ર દીક્ષા સ્વપનસ મંજ દિવાન | હોકવ યિ વૅનિથ જિ કારે-
કવદરથ છુ જાતે ખ્વદ અખ બે નિયાજ રાજ | અંથ્ય પ્વવ નાવ રહસ્યવાદ | શ્રી અરવિન્દ છિ
અથ ભાગવત મુહૂર્તયા રૂત સાથ વનાન | લલ દૈદિ છુ વોનમુત અંથ્ય કુનુય વાખ તુ વચુન |
દીક્ષા હોકવ વૅનિથ આદ્યાત્મ માર્ગ દર્શન |

સૂત્ર સાહિત્યસ મંજ છુ લૌગાક્ષિ ગ્રહ સૂત્ર, યોગ સૂત્ર, બ્રહ્મ સૂત્ર મુતાલે કરનુ પતુ છિ
હોકાન વૅનિથ જિ શિવ સૂત્ર છુ બામકસદ પુર જોર શાસ્ત્ર, યથ અંદર શૈવ, શાક્તિ તુ અણુ
(જીવ, આત્મા, યથ મંજ પ્રથવી, જલ આકાશ, અગ્નિ તેજ તુ વાયુ તત્વન હુન્દ સમાવેશ |
અથ અંદર છુ શિવ અદ્વૈતુક પૂરિ પૂર વ્યછુનય તુ વખનય | મરકઝી ન્વખતુ કેંદ્ર બિંદૂ છુ
ચૈતન્ય પૂર્ણ બ હયસ ઓ હવાસસાન સ્વઆત્મ સ્વરૂપ જીવ, યુસ અજ્ઞાનવશ પનુન શિવ
સ્વરૂપ મેંશરાવાન છુ | તવય છુ સ્વખુક તુ દ્વખુક એહસાસ કરાન | શિવમ-અદ્વૈતમ-
શાન્તમ ભાવસ નિશ દૂર સપદાન |

બુ છુસ મનોશ, વખર કાંહ આદમ જાથ, પરમ શોદ અવસ્થાયિ નિશ દૂર ગવ પ્રથ
પરેશ્ઠોની હુન્દ મૂલ | માગર સારિકુય મૂલ તત્વ છુ શિવ, શક્તિ સાન, ૩૬ તત્વન પ્યઠ
વાહરોવિથ, યિથુ પૉઠ્ય સોન સૃષ્ટિ ક્રમ છુ વલ્લસનસ આમુત | યાને કિ પ્રથ કૂશિશ છિ બા
મક્સદ, છિ પ્રકૃતિ અલાહિદ તિ માગર પાનુવોન્ય મીલિથ તિ | યિ મનોશસ યા જીવાત્મા મંજ
છુ તિય છુ શિવ તિ | યિ રહસ્ય સમજાનુ બાપથ છુ શિવ સૂત્રસ મંજ તો વ્પાય | ગવડન્યુક ગવ
શામ્ભવ વ્પાય, અથ અન્દર છુ જુતોવુહ સૂત્ર | ગવડન્યુક સૂત્ર છુસ:-ચૈતન્યમાત્મા |
ચૈતન્ય/ચીતના છુ આત્મા |

સૂત્રકાર છુ વનાન:- હતા મનુશા ! યુસ જન્મે આત્મા શબ્દ બૂજમુત છુય યા જાનનુચ
કૂશિશ છુખ કરાન | સુ તસવુર છુય ચે મંજ ચૈતન્ય | યાને પ્રપંચસાર બા કમાલે હ્યાસ,
એહસાન, વુછુન, બોજુન, પંચ જ્ઞાનિન્દ્રયતુ કર્મ ઇન્દર્ય હુન્દ ટાકારુ સોબૂથ | માજિ હુંદિ ગર્બ
પ્યઠુ તાલગાતિ ઔંખરી શહસ તાન્યથ ચૈત્ય પુરુષ યથ અંદર શક્તિ હુન્દ સમાવેશ છુ |
ચૈતન્ય સ્વરૂપ આસુન ગવ સ્વરૂપ, પનુન બાસુન છુ આસુન |

પંચ્યુમ સૂત્ર છુસ:-

મહાહદ-અનુસંધાનાત-મંત્ર-વીર્યાનુભવ: |

સારિનુય મંત્રન હુન્દિ શક્તિ હુન્દ આગુર છુ હ્લદ્ય રૂપી સૌદર્ક અનુસંધાન કરાન |
આત્માનુભાવ કરુન | જોન્ય તુ પોર્યજોન્ય મંજ તહકીક કરુન | યિ છુ યથ સંવિત શક્તિ
છિ વનાન | મહાહત ગવ સંવિત | યિહય છિ પરાશક્તિ, પરાવાક બેયિ સ્વતંત્રય શક્તિ |
માત્રકાયન મંજ છુ અથ વનાન, નફકોટિ સમાવેશ |

દોયિમ બોગ છુસ શાક્તોપાય (શક્તિ વ્પાય)

અથ અન્દર છિ દેંહ સૂત્ર | શક્તિ ગંયિ કુવ્વત, યા સમજાનુ ખોતુર વનવ શક્તિ ગંયિ

शक्तिमान शिव तु प्रकाशुक अनुग्रह। व्यक्त या गुप्त अवस्थायि प्यठु युथुय इछायि सुत्य स्पंदन यिवान छु, शक्ति हुन्द छु यु व्यपायशिवस सुत्य एकाग्र (इकाग्र च्यथ) गछनस मंज़ अहम त्वथ बनान।

अम्युक गवडन्युक सूत्र छु :- (चितंमंत्र च्यथ छु मंत्र) मंत्र गव व्यचार, व्यर्मष करुन, आसुन, परखावुन, बुलावुन, सम्बोधित करुन। कुस छु बुलावुन, कस सुत्य छु व्यचार व्यर्मष करुन, पनुनिस च्यतस युस चैतन्य स्वरूपआत्मा छु। यि छि कूशिश प्रयास। अँथ्य छि वनान शिव-अद्वैत-योग। ललेश्वरी ऑस यी करान। तु प्योस नाव शिव योगिनी ललेश्वरी।

ऑखरी सूत्र छुसः-विध्यासंहारेतदुत्सवप्रदर्शनम्। विध्या तत्त्व किस संहार गछनस प्यठ छु, स्वपन अवस्थायिमंज़ वुछमुत अर्थ अथवा भाव, विभाव किन्य वुछमुत जगत् उत्पन्/वतपन सपदान। अँथ्य छु जीवात्मा पानु तद्व बनान। स्वपनस छि तवय वनान प्रपञ्च। पांचन त्वथन हुंज छि यि क्रुडा चूंकि अति छु विद्या तत्त्वुक संहार गोमुत आसान। मनोषस छेनु पताह रोजान कि न्यैन्दरि मंज़ कुस स्वपुन वुछि। विष्णु छु तवय योग निद्रायि मंज़ आसान, तॅमिस छु तवय शैवी आबास।

त्रैयिम व्यपाय गवः- आणव उपाय। यि छु ल्वति खोतु लोत व्यपाय। आणु गव मनुष्य ति बैयि पदार्थ ति, ऐटम ति। जॉविलि खोतु जॉब्युल। अवय छि अज्ञकल micro-system शोलु मारान, दिशाकाल सीमित गछान।

गवडन्युक सूत्र छुस आत्मा चितम। आत्मा छु चित। चित गव प्रत्यक्ष ज्ञान।.....यसु शरीरस मंज़ ३६ त्वथन हुन्द आसान छु श्वास-उच्छवास मंज़ लबनु यिवान छु।

पांचतॉजीहिम सूत्र छु:-भूयः स्यात् प्रतिमीलनम्। प्रथ विजि, ऋणु बार बार छु यूगियस प्रतिमीलन सपदान। याने कि आसनुक तु बासनुक म्युल सपदान। (नर) सुन्दि प्यठु शिव बनान। अँन्द्रयुम आसुन ती बासुन गव निमीलन। न्यैबबरिम गव उन्मीलन। निमेश तु उन्मेष, न्यथर खोलनस तु वटनस मंज़, यस शक्ति छि कॉम करान, तमी शक्ति सुत्य दैतुक संहार वैरिथ शिवाद्वैतस मंज़ अचुन, तम्युक आनन्द तुलुन, प्रज्ञावान सपदुन छु शिव सूत्रन हुन्द मतलब।

मै छु शिव सूत्र स्वामी लक्ष्मण जुवस निश बोजनुक अवसर म्यूलमुत। तिंहज्जि प्रेरणायि किन्य छि मै शिव सूत्रन हुन्द कॉशुर लफज्जी माने (शब्दार्थ) ति कोरमुत। युस manuscript रूपस मंज़ मै निश छु। कूशिश रोज्जि जि यिमन ७७ सूत्रन करु कॉशिर्य पॉर्च्य व्याख्या ति।

वसु गुप्त सुंद्यव हम सफर, हम खयाल शैव साहित्यकारव ति छि शिव सूत्रस प्यठ

વ्याख्या लीछमुच्च । दैहिम सँदी मंज छि क्षेमराजन अथ प्यठ विमर्षनी लीछमुच्च । अम्युक असर वुनिकेनस तान्यथ ति छु लबनु यिवान । अमिच वखनय ऑस्य स्वामी लक्ष्मन जुव करान येमिच कलमबैन्दी जयदेव सिंहन अंग्रीज्य पॉर्च्य वॅर, तु मोती लाल बनारसी दासन छॉप । वॅहिमि सँदी मंज छि भासकरन वर्तिका नावुच व्याख्या वॅरमुच्च ।

देवनागरी तु कॉशुर

वॅशीरी नेबर हेकि कॉशरि खॉतरु देवनागरी अख अँहम लिपि बॉनिथ । देवनागरी लिपि मंज छु कॉशुर परन तु लेखुन सँहल । वॅशीरि नेबर कॉशुर परनु तु लेखनु खॉतरु छे दिलचस्पी बडावुन्य तु बरकरार थावुन्य ज़रूरी । अमि खॉतरु हेकि वाख अख अँहम वसीलु बॉनिथ । यि गोछ सारिनुय गरन मंज वातुन । वाख पॅरिव तु परनॉयूख बाकी ति । देवनागरी लिपि मंज कॉशुर लेखनु खॉतरु वॅरिव यिमन निशानन हुंद इस्तिमाल:

ु	तुर, करु, परु, गछु
८	तूर
ॉ	गॉर, नॉर, अॉर, हॉज गॉर, नॉर, दॉर, ऑर
े	बैह, चै, मै, पैठ
ौ	दौर, तोर, नोर, होल, दोल, चौल

कॉशिर ज्बान छे सॉन्य प्रजनथ । यि प्रजनथ बरकरार थवुन्य छे ज़रूरी । कॉशिरि जबॉन्य लोल बरुन गव अम्युक वरताव ज्यादु खोतु ज्यादु करुन, पननिस गरस मंज ति तु गरु नेबरु ति । खासकर गछि यि ज्बान शुर्यन सृत्य कथबाथ करनस मंज वरतावनु यिन्य ।



प्रतिभिज्ञानहृदयम ले० आचार्य खेमराज

- तर्जमु तु वखनयः मीम है ज़फर

सूत्र १

चिति: स्वतन्त्रा विश्वसिद्धिहेतुः:

(citi svatantr vivasiddhihetu ||1||

चिति: च्यत

स्वतन्त्रा म्वकुल, आज्ञाद, खद वॅफील

सिद्धि प्रावुन, बामल अनुन

हेतुः वजह मारुन, सबब

(अ) च्यत छु पनुनि म्वकजार जगथ तु अम्युक व्यवहार बारसस अनान।

(ब) च्यत छु यि कायनात वोजूदस यिनुक, अमिकि प्रथनुक तु दुबार नाबूद गछनुक बुनियाँदी वजह।

वखनय

सवाल छु इनसॉनी फितरथ। इनसॉनी अॅलिमुक इरतिका छु नु सवालव रोस बनुवुनुय। अकसर सवाल छु खास तहजीबन तु दीश कालन सुत्य वाठ थावान। मगर कैह सवाल छि तिथ्य सँही ति यिम नु कुनि तहजीबक्य या दीश कालुक्य पॉदावार छि। बॅल्कि छि यिमन महज इनसॉनी हालथ जायुन दिवान। यिमनुय सवालन मंज छु अख अहम सवाल।

यैमि कायिनातुक आगुर क्याह छु ? या यि ज़गथ कति आव ?

गवडुन्यक सूत्र छु अमी सवालुक जवाब।

कायिनातुक आगुर छु च्यत। सु च्यत युस बिलकुल म्वकुल तु आजाद छु।

यैमि न्यबर नु किंही छु। इनसॉनी जुवुक या श्रवकेमति चैतुक आगुर ति छु यहय च्यथ तु सवालन हुन्द आगुर छु श्रवक्योमुत च्यत। म्वकुल च्यथ छु महज पनुनि यछनु यि जगथ बारसस अनान तु अथ क्रॉयिम ति थावान तु अथ ना बूद ति करान। ज़गथ छु यि मॉदी कायिनात यसु अॅस्य पनुन्यव हैसव ज़ॉनिथ छि हैकान। शिव मतुक मानुन छु ज़ि यि जगथ छु पांचत्रुहन त्वथन या अनसरन हुंज ऑडरन। यिम त्वथु शिवस निश जायुन छि

लबान यिमन त्वथन छि अख तरतीब। सारिवुय ग्वडु छि शक्तित्वथु ज्ञायुन लबान तु औँखरस प्यठ छि प्रथवी या ज़मीन बारसस यिवान।

यि च्यत छु प्रकाश 'विर्मष्मय' याने यि छु गाश तु च्यतरुन। मतलब च्रयत छु सु नूर युस ख्वद आगाह छु। अमी गाशि या अमी नूर छु यि ज़गथ व्पदान यि जन ग्वडय वननु आव यि नूर छु नु ठोस या जिसमाँनी नूर बॅल्कि छु यि सु नूर येमिच खोसूसियत च्यतरुन या ख्वद आगाँही छि। च्यहय ख्वद आगाँही नूर छु येमि ज़गतुक आगुर। यि केंछा छु ति केंछा छु नु दृश्ववुन्य छु महज अकोय आगुर गाश। बैयि हैकि नु कांह आगुर औँस्यथुय। गाशी छु कांह ति वोजूद नॅनिरावनुक तु नाबूद करनुक सबब। यि छु इनसाँनी तजरुब ति।

च्यतु किस म्वकजारस छि यछा ति वनान। यि यछा छि महज दधि गथ। दय छु प्रथ गँच ख्वद आगाह। सु छु महज च्यतरुन यथ पानस न्यबर बैयि कुनि सुत्य कांह रिशतु छु नु तिक्याजि तस न्यबर छु नु किंही। अथ च्यतरनस या ख्वद आगाँही छि अकुल शक्ति वनान। येलि यि च्यतरुन पनुनि यछु नु ज़गतु किस व्पज़ावस ज्ञायुन छु दविन तु यि ज़गथ ज्ञाननुच अमल ति ज़ोवान। अथ व्पज़ावस तु ज्ञाननुचि अमलि छि कुल शक्ति ति वनान। अथ व्पज़ावस तु ज्ञाननुचि अमलि छि कुल शक्ति ति वनान। तु अथ छि महज शक्ति ति वनान येमिच प्रज्ञनथ जान या ग्यान छि। यिहय शक्ति छि ज़गथ बारसस अनान।

सवाल छु पाँदु सपदान योदवय दयस न्यबर किंही छु नु तस किथुकन्य हैकव येमि ज़गतुक वजह वैनिथ। तिक्याजि यिथुकन्य छि औँस्य ज़ु हँकीँवँच मानान। अख छु ज़गथ तु ब्याख छु अम्युक वजह। मगर शिव मतुक मानुन छु ज़ि दयस न्यबर छु नु किंही, तैलि किथुकन्य हैकि दय ज़गतुक वज मानुन यिथ अथ सवालस छु जवाब ज़ि ज़गथ छु दयि सुन्द ज़ोहर। तमाम मूजूद तु इमकॉनी दुनिया छु तमि गरि बारसस यिवान येमि गरि चेतुक नूर प्रवु छु त्रावान। येलि यि प्रकाश गाह चु छटान औँथु रोस्य दुनिया छि वोजूद लबान। यिथुकन्य कांह फनकार पनुन्यन ज़ज़बातन हुन्द वुतुश बै फ्रोक आयि पनुन्यन फन पारन मंज बावान या दरशावान छु तिथय कन्य छु चेथ पनुनि आनन्दुक प्रसार वैरिथ यि ज़गथ बारसस अनान। उतपल देव नि किताबि शिव स्तूत्रावली हुंदिस तफसीरस मंज छु खेमराज औकिस जायि वनान:-

आनन्दउछिलिता सृजितात्मानमातमनः:

तु अमि किताबि हुन्द तरजमु कार छु अथ शलोकस यिमन लफजन मंज तरजमु करानः Sakti leaping in delight, let's herself go forth into manifestation.

सूत्रस मंज छे यिहय कथ वननु आमुच। न्यामु सॉबुन अख शार छु अथ कथि कुन

यिथु कन्य इशारु करान :-

अँदरु न्यैबरय बैसिथ पानय चैसिथ आव यार बु क्या जानय

यि दुनिया युअँस्य जानान छि छु त्रेन चीजन हुन्द म्युल | ग्वडु छि जानन वॉल्य |
दोयिम छि जाननु यिनु वॉल्य चीज तु हालैच | त्रैयिम छि जान | जान घ्वसु जन असि
नव्यन चीजन तु नव्यन हालचन वॉकूफ छि करान हैकि नु आँथु रोस च्यथ जानुनुक तु
तम्युक वोजूद सॉबिथ करनुक वैसीलु बैनिथ | तिक्याजि तम्युक पनुन आगुर छु सुय
च्यत | यि कथ छु शमस पैकीर यिथु कन्य फिरान:-

जोयि मंज बैसिथ छुय आगर वोनी आगुर कमि मंजु द्राव

अछ अंदर सीरस सपदख ग्यौनी आगुर कमि मंजु द्राव

यिथु पॉर्च्य नु पनुन्य छाय रटुन्य मुमकिन छु तिथय पॉर्च्य छे नु यि कथ बनुवुनिय
जि इनसॉनी जान क्या हैकि आँथु रोस च्यत जॉनिथ |

चूंकि च्यत छु यि जगथ बारसस ति अनान, अथ कॉयिम ति थावान तु अथ दुबार
पानस अंदर ज्ञम ति करान याने जगथ छु दुबार दयगथ प्रावान | जगथ छु भूग या जुवुन ति
तु म्वकजार या मूक्ष ति | यि सोरुय छु च्यतुकि म्वकजारुक एजाज या चमतकार | आचार्य
खेमराज छु सूतरस अख माने यि ति करान:- लफुज्ज “हेतु” यथ जन असि वजह माने
कोड अथ हैकि ब्याख माने व्यापाय ति ऑसिथ तु लफुज्ज “विश्व” या जगत या कायिनात
छु बीरूनी चीजन मसलन व्यह, दरियाव, जमीन, आसमान या मकान जानवर बेतरि तु
ओंदरूनी कुफियचन मसलन द्वाख, स्वख, शरीरप्रान बेतरि चीजन तु कुफियचन हुन्द
नाव | यि कायिनात सरुन्य छे आँथु रोस्यतिस च्यतस पिलनुक अख वैसीलु | यि हैकि
अथ सूत्रस ब्याख माने कडनु यिथ | यि छु आचार्य खेम राज सुन्द वनुन | यि सफर हैकि
जॉन्य प्यठु शोरु करनु यिथ तु जानन वॉलिस पिलिस अंद वॉतिथ | शमस फकीरुन यि
शार छु अथ अमलि कुन इशारु:-

जॉन्य वालि कर दीदार हर म्वखु वुछ दीदार

परदु ज्ञाल अज्ज दरदु नार हर म्वखु वुछ दीदार

सूत्र 2

स्वेच्छाया स्वभितौ विश्वमुनीलयति

Svecchayā svabhittau viśvamunīlayati ||2||

स्व पनुन

इछा यच्छुन, चाहत

भितौ अँकिस हिसस प्यठ, अँकिस अंदस प्यठ

विश्वम जगत्, कायिनात
उनमीलयति ज्ञॉहिर करुन, हावुन, नोन कडुन
(अ) पनुनि यछनु छु च्यथ यि जगत् पनुनिसुय अँकिस हिसस प्यठ नेंनिरावान।
(ब) च्यथ छु महज पनुनि यछनु यि कायिनात पांछ परदु बैनिथ दरशावान।

वखनय

ग्वडुनिकि सूत्र तलु ज्ञोन असि जि च्यत छु जगतुक वजह। च्यतुयछु यि जगथ बारसस अनान। दोयिम सूत्र छु यि कथ बावान। च्यथ छु नु यि जगथ बनावन वोलुय योत बैल्कि छु सु मवाद ति यथ कायिनात बनान छि। “स्वभिहतव” लफुज्ज छु बडु अहम। स्वभिहतव गोव पनुनिसुय अँकिस हिसस प्यठ या पनुनिसुय परदस प्यठ या पानसुय मंज्ज याने च्यत छु पनुनिसुय अँकिस हिसस प्यठ तमाम कायिनात दरशावान। मतलब कायिनात कॉचाह ति बैड आँस्यतन यि छि महज अख हिसु तु आँथु रोस च्यत छु अमि निशि बै हिसाब बोड। यि ति हेकव वैनिथ जि च्यत छु पूरि पूर प्रथ जरस मंज्ज जलवुगर। मगर प्रथ जर हेकि नु कुलहुम च्यत आँसिथ। स्वछ क्राल छु अथ कथि कुन यिथु कन्य इशारु करान:-

जोयि मंज्ज बैसिथ छुय कुलि दैरियाव

नाव दर आब तय आब दर नाव

शिव मतुक्य आगम शाख छि यि कथ बार बार फिरान जि अबदी हकीकत छि खलक करनु आमति कायिनातु निशि बाला तर तु बिदून। मगर येमि कायिनातुक प्रथ जरु छु यिहय हकीकथ दरशावान। आँस्य हेकव वैनिथ जि अथ अबदी हैँकीवैच छु नु कांह आकार या शकुल मगर आकारन या शकलन मंज्ज ति छि यिहय हैँकीकत प्रज्जलान। अथ अबदी हैँकीवैच छु नु कांह ति बदलाव। मगर यि केंछा बदलवुन छु तम्युक आगुर ति छे यिहय हैँकीकत। यि हैँकीकथ छे अबदी तु दीशकालु न्यबर मगर यि केंछा दीश कालस मंज्ज छु तु न रोज्जवुन छु तथ मंज्ज ति छे यिहय हैँकीकथ आशकार यि अबदी हैँकीकथ हेकव नु आँस्य पनुन्यव हवासव तु अकलि हुंदि वैसीलु ज्ञॉनिथ। मगर यि कायिनात यसु आँस्य पनुन्यव हवासव तु अकलि सुत्य स्रान तु ज्ञानान छि अमि कायिनातुक प्रथ जरु ति छु स्वय अबदी हैँकीकत दरशावान यसु सान्यव ह्यसव तु अकलि न्यबर छे। मतलब यि हैँकीकत छे बयक वखुत कायिनातस मंज्ज जलवुगर तु कायिनातु निश बालातर तु बिदून ति। यि छे विश्वत्रीन याने कायिनातु निश बालातर तु विश्वमय याने कायिनातुक रूप या सार ति। यिमन ज्ञॉहिरी तोर मुतजाद बयानन दरमियान युस ब्यन छु तम्युक दारुमदार छु सॉनिस

रुहाँनी इरतिकाहस प्यठ तु यथ प्यठ जि सॉन्य नज्जर काँचाह म्वकुज छे शमस पॅकीरुन
दोपछुः

परदु जाल अज दरदु नार हर म्वखु बुछ दीदार

अँकिस आम इनसानु सुंदि बापथ छु य्वहय। रंगा रंग तु बेन्यर दरशावन वोल
दुनियाह हँकीकथ मगर योदवय रुहाँनी नज्जरि कथ करव च्यतस न छु कांह मवाद न छस
कांह शकुल। यि छु अख अपार आँथु रोस सन्यर यथ शिव मतुक्य आँलिम तु बुज्युगा महा
शून्य वनान छि। लफुज्ज शुन्य हेकि फोतूर तुलिथ मगर यि कथ करव वाजेह जि महा शून्य
छु नु नआसुन। यि छु आसुन। शून्य छु अथ अबु मूजूब वननु आमुत जि अथ हालैच मंज न
छु जानन वोल रोजान तु न छि जाननु यिनुवॉल्य चीज्ज रोजान तु न छि जान रोजान। प्रथ
शय छि च्यतु गाशस सुती कुन्य सपदान। अथ हालैच मंज न छु स्वख, न दूख तु न ग्यान,
न अग्यान। यि छि स्व हालथ येमिच कथ करुन्य बनुवुनुय छु नु। लल छे अँथ्य हालैच कुन
इशार करान वनान:

तनथुर गलि तय मनथर म्वचे मनथर गोल तौय मोतुय च्यथ

च्यथ गोल तौय केह ना कुने शुन्यस शुन्याह मीलिथ गोब

वाख मानस कोल अकोल ना अते अते छ्वपि मॅदरि अति ना प्रवेश

रोजान शिव शक्ति ना अते मोतिये केह तु सुय उपदेश

४०३

ललु वाख

क्या करु पांचन दँहन तु काहन,
बक्खुन यथ लेजि यिम कॅरिथ गॅय।
साँरिय समुहान यथ रजि लमुहान,
अदैं क्याजि राविहे काहन गाव ॥



थ्यकुन

- मोती लाल 'नाज'

प्रथ दुहचि ज़िंदगी मंज छु प्रथ कांह यथ संसारस मंज पनुनि बजरुक तु थजरुक येन्य वोनुन ह्यथ पनुनि तौर तरीकु नवि नवि रंगु नॅव्य रंग वरतावान तु प्रथ विजि पनुन कद हदु रोस्तुय थेंजरावनुक संज करान। अथ मंज छु थ्यकनुक अन्सर या अंश अख अहम पार्ट अदा करान। थ्यकुन छु नफसियॉती फितरत, कॉसि कम पहान तु कॉसि ज्यादु पहान। अथ फितरती अन्सरस छु प्रथ कांह मोकु महल बराह यिवान। रोजरमरहचि ज़िन्दगी यथ मंज व्यथुन-बिहुन, पलव दलव, बोड द्वह, लूक द्वह, खाँदर व्यतसब, सफर बेतरि शॉमिल छु, थ्यकनस छि प्रथ कांह विजि मोजून तु मोकूल।

थ्यकनुक्यन साधनन मन्ज छु बोड थ्यकुन कथव देस्य। कथव देस्य छि थ्यकनुच प्रासैस ज्यूद रफतदार तु असरदार आसनुक्य रंग छावान तु बोजन वॉलिस वॅल्य वॅल्य मुतॉसिर करान। थ्यकनस मंज छु बरतरी हुन्द असरदार आसुन, ज़ेवि हुंजि तुलु त्रावि, लफजु चारि, तु वरतावनुचि नॅहजि प्यठ दारोमदार आसान। थ्यकन वॉलिस छु अँक्यसुय शाहस मंज पनुनि थ्यकनुक मवाद अदा करनुच सख तॉजिलि तु जलदी सान, शायद अवु किन्य ज़ि बोजन वॉलिस मा गष्ठि बोजनुच दिलचस्पी कम।

सृत्य छु छ्वकुक अन्सर ति शॉमिल आसान। यथ मंज अथन हुंज तुल त्राव, कल जीर, अँछन हुंद्य असवुन्य तु विसिवुन्य टॉर्य फिर्य ति छि शॉमिल। अगर ज़ेवरन हुन्द हाव बाव आसि, तेलि छु थ्यकनस अवब्यर, गवब्यर चोरुय पहान आसान। थ्यकनस न छु थ्यकुन तु न छ्वकुन। अभिच तेह छि ब्योन ब्यारन शूसन ब्योन ब्योन। अथ न छु कांह साथ न न्यथाथर। बस कुनि ति जायि, कुनि ति आयि तु कुनि ति रंगु पनुन जोदथ तु ज़ोर हावनुक्य रंग मंज मारकस ब्रोंह कुन त्रावान तु थ्यकन वोल पनुन बोस लोचरावान। थ्यकन गॅरिस छु पनुनि थ्यकनु सृत्य पनुन अँहरु आसान बोहनावुन तु बोजन वॅल्य हदु रोस्तुय मुतॉसिर करुन्य।

थ्यकुन तु छ्वख हावुन द्वनवुन्य छु पानुवुन्य सोन रिश्तु। थ्यकन वोल छु ज़ेवि कश वॅरिथ थ्यकनावान तु छ्वख हावन वोल ग्रायन तु नॅखरल त्रायन सृत्य नुमाइश वॅरिथ बुछन वाल्यन तु बोजन वाल्यन मुतॉसिर वॅरिथ हय बुंग वॅरिथ पनुनि बरतरी हुंज वथ

ਪਖਤੁ ਕਰਾਨ। ਥਕਨ ਵਾਲਿਨ ਛੁੱਜ ਹੋਕਿ ਦਰਜਿ ਬੈਂਦੀ ਤਿ ਸਪਦਿਥ। ਕਾਂਹ ਥਕੁਨ ਛੁ ਹਟਿ ਵਸੁਨ ਲਾਧਖ ਤੁ ਕਾਂਹ ਛੁ ਅਸੁਨ ਤੁ ਟਸਨੁ ਚਟੁਨ ਲਾਧਖ ਨ ਬੋਹਵੁਨ ਥਕੁਨ ਯੁਸ ਜਨ ਸਰਾਸਰ ਛੁ ਟਰ ਬਾਸਾਨ ਤੁ ਕਾਂਹ ਮੁਂਹ ਫਟ ਛੁ ਧਿਥਿਸ ਟਰਸ ਫੁਟਰਾਵਨੁ ਖੋਤਰੁ ਵਾਦ ਕਰਾਨ ਯਾ ਅਸੁਨ ਤ੍ਰਾਵਾਨ ਯੋਮਿ ਕਿਨ੍ਯ ਥਕਨ ਵੱਲਿਸ ਅਮਿਚ ਤੋਹ ਛਿ ਕਮ ਗਢਾਨ। ਥਕਨਸ ਮੰਜ ਛੁ ਕੁਨਿ ਥਕਨਸ ਕਮ ਕਲੀਲ ਟਰ ਵਨੁਨੁਕ ਅਨੱਸਰ ਤਿ ਹੌੱਵੀ ਆਸਾਨ। ਥਕਨ ਵੱਲ੍ਹੁ ਸੁਨਦ ਤਰਜ਼ਿ ਅਦਾ ਤਿ ਛੁ ਥਕਨਸ ਨਮ ਰਟਾਨ।

ਥਕਨੁਕ ਵਲਛੁ ਕਮ ਕਲੀਲ ਸਾਰਿਨੁਧ ਕਵਨ੍ਯ ਗਵ ਜਨਾਨਨ ਛੁ ਚੋਰੁਧ ਪਹਾਨ। ਅਦੁ ਵਿਸਨ ਸੌਦਰਨ ਨਿਸ਼, ਆੱਸ਼ਨਾਵਨ ਨਿਸ਼, ਦਫਤਰਨ ਮੰਜ, ਧਾਰਬਲਕਾਕਨ੍ਧਨ ਤੁ ਹਮਸਾਧਨ ਨਿਸ਼। ਪਨੁਨ੍ਯ ਥੱਜ ਹਾਵਨੁ ਖੋਤਰੁ ਤੁ ਪਨੁਨ ਰੋਬ ਜਮਾਵਨੁ ਖੋਤਰੁ ਛਿ ਤੈਧਾਰ ਆਸਾਨ। ਅਜਕਲੁਕ ਜਸਮਾਨੁ ਛੁ ਭੇਂਡੁਕ ਜਸਮਾਨੁ। ਅਜਕਲ ਛੁ ਭੇਂਡ ਹਾਵਨੁਕ ਤੁ ਥਕਨਾਵਨੁਕ ਫੈਸ਼ਨ ਯਾ ਵਨਵ ਛੁੱਖ। ਅੱਛਨ ਹੁਨਦ ਸ਼ੇਡ ਆਸਿ, ਖਵਰਨ ਹੁਨਦ ਖਵਰਬਾਨੁ ਆਸਿ, ਕਨਨ ਹੁਨਦ ਯਾ ਹਟਚਕ ਵਸ, ਲਾਗਨ ਵੋਲ ਛੁ ਪਾਨਸ ਕੁਨ ਦਾਨ ਫਿਰਨੁ ਬਾਪਥ ਸੱਗੀ ਹੱਥਧਾਰ ਯਾ ਹਰਬੁ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਾਨ। ਅਗਰ ਚੰਦਸ ਮੰਜ ਪੈਨ ਆਸੋਸ ਅਥਸ ਲੱਗਿਥ ਵੱਜ ਯਾ ਮਛਿ ਲੱਗਿਥ ਗੌਰ ਆਸੋਸ, ਸੱਗੀ ਛਿ ਸ਼ਾਊਰੀ ਯਾ ਗੌਰ ਸ਼ਾਊਰੀ ਤੌਰਅਮਿਚ ਨੁਮਾਇਸ਼ ਕਰਨੁ ਖੋਤਰੁ ਸ਼ਧਠਾ ਬੇ ਸਭੁਰ ਤੁ ਉਤਾਵੁਲ ਆਸਾਨ।

ਖਵਦ ਨੁਮੱਈ ਤੁ ਖਵਦ ਸ਼ਿਨਾੱਸੀ ਮੰਜ ਛੁ ਥਕਨੁਕਿਸ ਅਨਸਰਸ ਸੂਤਧ ਸੂਤਧ ਅਹੰਕਾਰੁਕ ਤੁ ਗੋਰੂਰੁਕ ਅਨਸਰ ਤਿ ਪਨੁਨ੍ਯ ਕਾਂਮ ਕਰਾਨ। ਥਯੁਕ, ਬਜੁਕ ਤੁ ਵਨਚਾਰੁਕ ਮਿਸ਼੍ਰਨ ਛੁ ਅਥ ਪੇਸ਼ ਪੇਸ਼ਰੋਜਾਨ। ਥਕਨ ਤ੍ਰਾਧਿ ਮੰਜ ਹਾਰਿ ਹੋਸ ਬਨਾਵੁਨ, ਮੱਹਿਸ ਕਵਹ ਬਨਾਵੁਨਤੁ ਅਲੁ ਕੁਲਿਸ ਤੁਲੁ ਕੁਲ ਬਨਾਵੁਨ ਆਮ ਕਥ। ਕੁਨਿ ਕੁਨਿ ਛੁ ਥਕਨ ਗੌਰ ਰਜ਼ਿ ਰੋਸ਼ੁਧ ਨੀਰਿਥ ਗੱਛਾਨ ਤੁ ਤਸ ਛੁ ਨੁ ਅਸ੍ਥੁਕ ਵਾਹਸ ਤਿ ਰੋਜਾਨ ਜਿ ਬੋਜਨ ਵੱਲ੍ਹੁ ਮਾ ਛਿ ਤੱਧੁ ਸੁਂਦਿਸ ਥਕਨਸ ਟਸਨੁ ਚਟਾਨ। ਕਵਨ੍ਯ ਗਵ ਧੋਮਿਸ ਯੁਸ ਆਦਥ ਆਸਿ ਤੱਮਿਸ ਛਿ ਮਜਬੂਰੀ ਕਿਨ੍ਯ ਥਕਨੁਕਧ ਨੱਵਧ-ਨੱਵਧ ਸੱਜ ਕੱਗਰਿਥ ਨੱਵਧ ਵਸੀਲੁ ਤਲਾਸ਼ ਕੱਗਰਿਥ ਪਨੁਨ ਕਚੁਲ ਬਾਹ ਤ੍ਰੋਕ ਕਰਨੁਚ ਫਿਕਿਰ ਤੁ ਤੱਜਿਲੀ ਆਸਾਨ। ਕਵਨ੍ਯ ਅਗਰ ਥਕਨ ਵੱਲਿਸ ਬਾਸਿ ਜਿ ਬੋਜਨ ਵਾਲਿਨ ਛੁ ਨੁ ਮਧੋਨ ਥਕੁਨ ਹਟਿ ਵਸਾਨ ਯਾ ਅਥ ਛਿ ਨੁ ਜ਼ਧਾਦ ਬੋਜਨ ਤੁ ਮਾਜਨ ਵੱਲ੍ਹੁ, ਤੋਲਿ ਛੁ ਸੁ ਕਥ ਚਟਾਨ ਤੁ ਕਲਾਮੁਕਧ ਦੱਲ੍ਹੁ ਵਟਾਨ। ਅਗਰਧ ਜ਼ਧਾਦ ਟਸਨੁ ਚਟਨ ਵਾਲਿਨ ਛੁੰਜਿ ਗ੍ਰਾਧਿਸਿਦਤ ਆਸਿ ਤੋਲਿ ਛੁ ਹੌੱਧਮੁਤਿਸ ਜਾਂਧ ਸੁਵਾ ਪੱਕਧ ਕਹੁਥ ਤਾਮ ਛੁਵ ਗੱਛਿਥ ਦੁਵਾ ਲਦ ਗਨੁਰ ਛੁਵ ਚਲਾਨ।

ੴ



शाफी शौकुन्य नज़्मः सिंधमत नगरुक्य शाम सुबुह

- व्याख्या: मोती लाल क्यमू

पसिमंज़रुच कथः बकौलि पंडित कल्हण २ या ३ सदी क्राइस्टस ब्रोहं ओस वॅशीरि मंज़ राजु जैनेन्द्र राज करान। तसुन्द अख वज़ीर ओस संधिमति यस कॉशिर्य संधमत नॉव्य वुनि याद छि करान। सु ओस परिपूर्ण शिव भक्त। अनरेश्वर तु बुतशेर नागस प्यठ पूजा करान। पारथेश्वर बनॉविथ आराधना करान। अॅम्य सुन्द गुरु ओस ईशान देव। कथ ताम अपराधस प्यठ आयि अॅमिस फॉस्य दिनु। दयि सुन्द यछुन यि गव दुबार जिंदु। यि बन्योव वॅशीरि हुन्द राजु। अॅम्य बनोव गुरु सुंदिस नावस प्यठ निशातस नज़दीक ईशोश्वर नावुक तीर्थ यथ अॅस्य इश्वर छि वनान। पनुनिस नावस प्यठ बनोवुन अख नारव नगुर युस व्वलरन पॉनिस तल कोर। अॅथ्य नॅगरस अॅस्य वनान सिंधमत नगुर। नगुर ओस शूबिदार, मंदोरि, लरि, कोचि, बाज़ार, बागात क्या ओस नु अति। म्वखसर लूख अॅस्य अॉश परस्त। दयि नाव स्वरुन, पाठ पूजा, पॉकीज़गी नदारद। अति ओस पॅज्योर क्राल अख। अॅमिस आयि वॉनी ज़ि पनुन्य अंग अॉशनाव, यार दोस ह्यथ नीरिन सिंधमत नगरु न्यबर, बैयि कुनि जायि वॅरिन बसॉई। अॅम्य वैर्य सॉरी आगाह। कॉसि मोनुस नु। कुस त्रावि आराम अशरतुच जिंदगी। अॉखुर तुलुन पनुन क्राल चॅखुर नखस, बानु बरतन, तवु रवु तु बॉट्य सुत्य तु द्राव सिंधमत नगरु। शाम समय छु कनि बालस खसान तु थोक। दोपुन थख दिमु। चॅखुर तु बानु बठु थैविन पथर, तु फ्यूर पोत पनुन्यन पद्यन ताम वुछुन सॉर्यसुय सिंधमत नगरस आलमि आब गोमुत। यथ संगरि प्यठ कदम ठँहरोवुन तथ वनान क्रालु संगर।

नॉट्य नज़मि हुन्द मंज़:- सॅहलाब, व्युप, नॉट्य नज़मि हुंद्य पात्र छि:- रावी, र्योश, आरचर, लल देव, (गॉर हॉजिर) तु शॉपिर (साइलंट पात्र)।

क्रालु संगरुक्यन कन्यन मंज़ बिहिथ केकर..... व्वलरु क्यन आबु मलरन हुन्द खसुन-वसुन वुषिथ होटल शंगरुक ब्रोठु कनि खबरदार करान, “होश तु ह्यस वॅरिव आब छुव पादन तल। पूर समंदर! योदवय मलर थैद्य व्वथनस तुहुंद्य शबिसतान तु तुल लॅकरि हुंद्य पलंग गछन आबु बुज्य तु अदु चीनिव यि लल देवि वन्योव ज़ि तमि वुछ सति

लटि हरम्बख-कौंसर नागस ताम आबुच सतह। रयोश छु औंश परस्त लुकन वनान इहलूक तु परिलूक मँशरिथ छिव नु तोर क्युथ कैह ति सादान। वह्य! बदऐमाल! रावी वनान तिम रुद्य अपजिस लॉर्य। तापु टैक्यनवनन मंज़ छायि हुन्द आकार वरटान मगर अथु खॉली रोजान। आदमस वोत आदि काल प्यठु छायि सुत्य छेपु छपरि गिन्दुन करान, छायि नालुमैंत्य करान।

रयोश चेनुवन दिवान। म्यूठ बुछिथ फिरिव जेवपोप रसदार फल बुछिथ ब्रमरिव येति स्वनुसुंदिस पैथरिस र्वपु फल डीशिव। रावी वनान। बहार बुछिथ द्रायि गंड तु बेड़ि मुचरिथ तु यपॉर्य शुहल, डल तु सज्जार बुछुख तु डोलस प्यठ नोचुख। दमॉल्यू वैरुख! गव्यन लंजन हुन्द मेवु ख्योख द्यल ताम चुहिख। लालच तु ब्रम! तु ब्रादान रुद्य तिहिर्य लंजन ताम। रयोश वनान: पनुनि कायायि मंज़ छिव लॉगिथ ज्ञाल तु छल युथ नफीस अमारुक्य चीज़ नालु रैटिव। मगर यिनु लालच बुनु वाल्यव तु ह्यस होश डाल्यव। विजि वावस मंज़ जाग्यव तु मलरन मंज़ पैटिव, लालच छु ना। कल कडान।

ग्वडन्युक छ्यन :- नचान औंस्य तालि, लयि प्यठ तु पुछुख आश्चर्य! क्या गछ्यव ति यि नु छुई। पतु द्रायि गरु गरु करान फीर्य कशकोलु ह्याथ मगर सु आख नु जांह ति बैरिथ। रयोश ह्यस दिवान: स्यज्ञु तु पज्जरुचि वतु मतु त्रॉव्यतव। समय छु ब्रैमरावान, स्वख रावुरावान, यूत गछ्यव त्यूताह छॉरिव नतु रोजुनव पथ कुन दॉद्य तु द्वुख हंगतु मंगुक रावन त्योल रोज्यव। रावी वनान; लूख औंस्य अपजिस पथ देवानु गछान। हॉज्य बावन पथ मतान। बेनाम नबु दंद्यन प्यठ बुछिख अबारथ प्रेन्य तु सॉरी रुद्य आसमान पनुन वनान। ज़िस्यन मंज़ पैटिथ रुद्य नबस डेंशान। अंती औंसुख न्यसर प्यवान, अंती बेदार गछान, अंती बेमॉल आरु वैरुत्य हलम दॉरिथ।

दोयिम छ्यन:- आबस न बुथ न थर, यि छु संसारस मंज़ सारिनयु जुव ज्ञॉवन ब्रोहं ति ओसमुत। व्युप आव चुरन्यव, सौंदरि, कमोड नार्यव तु आव मैंज्य दवि तु चाव मकानन, मंदोर्यन तु तालव तान्य वोत तु व्यु किन्य छृथ दिथ पोक। सोम्बरॉवमुच गरुवेठ गैयि ह्यनरन मंज़ सेम्बिस तल। सरकॉर्यशोर, शराब पशिक्य बाम तु कुठ्यन मंज़ ताम शॉग्य आबस तल। माल जादाद सोरुय आबस तल।

त्रैयिम छेन:- यैलि युथ सॉहलाब यिधि न रोजि हॉकिम न हकूमथ, पीर पैकीर, चूर चॉल्य, थ्वकु पीर, मुफती, गुंडु लफंग। चॉर्य तु त्रुक्य, तु यैलि हेनरव ब्रय दिच पंदाहन द्वहन आबस तल रुजिथ होचमुच राब बैनिथ रलि आबस ज़हरुय ज़हर-यथ ज़हरीलु बुबर व्यथ व्यु एपु ह्योर ताम। बदबूदार दैमाग्न ताम लॅग्य ज़हरीलु बुबरव्वथनि तु दोपुख कौमस मंज़ छु गवनाहगार कॉफिर युस अमि हालुच हुन्द ज़िमुवार छु। गव ऐलान सु बदि कडुन। यस कबीलस मंज़ यकराय आसि नु सु करि मिलवन ना बूद। तु पथ कनि

रोजि मुकदस ज़मीन । तु बैयि लगि संज़ । छवन्या टवन्या ।

आँखरी छ्यनज-क्राल संगरि तेंतॉलिस प्यठ बिहिथ अथन तल काँगुर, जंदु वॅलिथ पनुन्य चिलिम ह्यथ बैयि चरचान—येमि सिंधमत नगरुक्य शाम तु सुबुह

(वनान छि सुबुह शाम, मगर क्राल छु रातस वुदय वॅरिथ ति सोरुय चरचान यि अँस्य द्वहलि छि डेंशान ।)

दीनानाथ नॉदिमुन्य रॉवमुच नजुम

- व्याख्या: मोती लाल क्यमू

पं० दीना नाथ नॉदिम आँस्य पॅतिमि सॅंदी हुंद्या बहलि पायिक्य शॉयिर, ओपेरा लिखॉर्य तु तिमव अनि कॉशिरि शॉयिरी मंज़ इनकलाब तु नव्यर । फ्री वॅर्स, सानेट, हायकू, हॉर्यसात, नॅव गजल बेतरि वॅरुख रॉइज । तिहुंज अख नाट्य नजुम छि ५३ । मै वोत चतजी वैरी यि नजुम छारान वुनि आयम नु बदस । वख ओस ओकतूबर या अचुवुन नवम्बर १९५२, मुकाम चाढूरा बडगाम तहसील । स्टेज ओस राहत मीरन बनोवमुत । सारिनुय ब्रौंह सपुद अति म्योन नचुन पेश । नॉदिम सॉब आँस्य पानु माइक रॅटिथ ग्रज्ञान । बु छुस नावि मुत । डलव, संगरव, मानसबलव, पैठ्य, कवहसारन, सबज्ञारन, तु शालमारव पैठ्य बेतरि । बु ओसुस अख डुपटु ह्यथ अथ बॉतस प्यठ नचुन करान । लुख समेयि सास जोराह । अमि पतु गव मुशॉयिर शोरू । अकि अकि आयि तु पनुन कलाम पोरुख । आँखरस प्यठ आव कदावार नॉदिम तु वोनुन:-म्यानि अँजिचि नजमि छु अनवान ५३ । अथ मंज़ छि मॉज, तसुन्द लॅङ्डकु सवाल जवाब करान । नॉदिम वनान लॅङ्डकु पोक मिशीनु आंगनु मंज्य तु वुछुनः-

लॅङ्डकुः मॉजी तोमुल हय ।

मॉजः सु कत्यू गव तोमुल पोत्रु म्यान्या ?

लॅङ्डकु; हुके हुथ मिशीनि आंगनस मंज़, तोमुल हय, फिरिन्य हय ।

मॉजः सु कत्यू गव तोमुल, बेकला बेशऊरा, पोत्रु म्यान्यता !

लॅङ्डकु छु मिशीनि आंगनुक सोरुय हाल बावान तु जन तु माजि थफ वॅरिथ निवान । अति छु बासतूरन मंज़ तोमुल ।

लॅङ्डकुः यि किहै मॉजी !

मॉजः यि छु यड वॅगडिथ मशीरि माल (अफज्जल बेग)

अमि पतु छु तोमुल तोलन वॉल्य सुन्द हाल ।

तोमुल तोलानः बरकति ख्वदाय, बरवैंज ज्ञाया ज्ञु, त्रैयो त्रै, चोर्यो चोर, तु पतु
पन्द्यो पंद ।

लॅङ्डकुः मॉजी यि क्वसु ग्रंद ?

मॉजः यि गॅयि यैङ्ड हुंज ग्रंद । कुस्मतुच ग्रंद ।

पंद्यो पंद तु पंद्यो पंद ।

तोमलु मिशीनि वोल बे रहम । कॉसि नु पचान । गिरवी र्वपु बासबंद, वैर्य बेतरि
रटान तु तोमलु मनुट खंड दिवान ।

आँखरस प्यठ नॉदिम सॉब ग्रजानः-

पंचाह, मे मा ख्यव, त्रिवंजाह-बु ख्यमुहा तु खेमु क्या ? पाठक बायो । मे वुछ ज़िंदगी
मंज़ घडुनिकि लटि लुख अँछव किन्य ओश त्रावान । काश यि नजुम बनिहे मे कॉसि
निश । यि ल्यूख मे पनुनि यादु वोतरि मंज़ ।

यि ओस सु समय येलि शेख अबदुला कॅशीरि हुन्द प्रझ्म मिनिस्टर ओस । तॅम्य रोट
नु भारत सरकारुक इमदाद । वनान ओस ख्यद कॅफील बैनिव । तोमुल कोर द्वागु फरोशव
ग़ॉब । लुकव ख्यव मकायि वाठ, गारिवून वुगरु । मकायि च्वचि बेतरि । शेख सॉबन वोन
ओलुव ग़छन खेन्य । अवय आँस्य तस ओलुव बब वनान । यि दशा रुज़ १९५० ता
१९५३ योताम सु जेल बोरुख तु बखशी गुलाम महमद आव बारसस ।

४७

ललु वाख

दिलु किस बागस दूर कर ग़ॉसिल,
अदु द्यवु फवलिय यँबज्जर्वल बाग़ ।
मॅरिथ मंगनय वुम्हि हँज़ हॉसिल,
मोत छुय पतु-पतु तहसीलदार ॥



प्रोफेसर ब्रज बी काचरूः लिसॉनियाँता मॉहिर

- ओमकार कौल

काँसि तिछि शखसियेंचः हुंदिस गुजरनस पेठ, यिम तुहुंद्य आदर्श वोस्ताद तु रहबर आसन रुदिमुत्य तु यिमन सूत्य वारयाहन वॅरियन हुंद साथ आसि रुदमुत कैह लेखुन छुनु आसान। यिम ऑस्य असली मानेहस मंजः गुरु। मै छु शिव सूत्र गुरुर्लपायः याद पैवान यैमुक मतलब चु गुरु छु व्वपाय। गुरु रूपस मंजः ऑस्य यिम पनुनेन सारिनुय शागिर्दन हमेशा अथुरोट करान, तिहुंद्य मसलु अँज़रावान तु नेक सलाह दिवान।

बु समखुस यिमन ग्वडुनिचि लटि अगरा युनिवर्सिटी मंजः १९६५ ई० मंजः येलि यिम और लिसानियातस सूत्य वाबस अख खास लेक्वर दिनि आयि। सॉरी गॅंयि बडु मुतॉसिर। मे ह्योछ यिमन निशि वारयाह कैह लिसानियातस मुतलख येलि मे यिमन सूत्य कॉशुर ग्रामर प्रोजेक्टस मंजः कॉम करनुक मोकु म्यूल (१९६७-६८)। बु बन्योस यिहुंद रसमी तौर लिसानियातुक शागिर्द येलि बु युनिवर्सिटी आफ इलिनाय, अर्बाना (१९६९-१९७१) ओसुस परान। यिम ऑस्य मेन्य अकादमिक सलाहकार।

युनिवर्सिटी आफ इलिनायस मंजः रोज़नु किस दौरानस मंजः म्यूल मे यिहुंद तु यमुना जी हुंद स्यठा प्यार। बु बन्योस यिहुंदि परिवारक अख बॉचः ह्युव, योत बु बिना हिचकिचाहट कुनि विजि ति ओसुस गळान। तिमन दोहन ऑस्य ऑस्य चोर कॉशिर्य - प्रो० काचरू, प्रो० गिरधारी तिक्कू, ओंकार पंडित तु बु। पार्टी आसु वारि वारि प्रथ गरस मंजः आसान, येति बाकी मोज्जूव अलावु कॉशरि ज़बाँन्य, अदबस तु सकाफतस पेठ ऑस खुलु डुलु कथबाथ आसान तु बहस लगान।

ब्रज काचरू ज्ञायि श्रीनगर १५ मई १९३२। पिताजियस ओसूख नाव पं० दामोदर काचरू, यिम टीचर ऑस्य। यिमव कोर एम०ए० अंग्रेज़ी इलाहाबाद युनिवर्सिटी पैठ तु पी एच डी० कोरुख अडिनबरा युनिवर्सिटी (यूके)। तमि पतु वॅरुख नौकरी युनिवर्सिटी आफ इलिनाय, अर्बाना। यिमव कोर नेथुर यमुना जी सूत्य यिम ऑथ्य युनिवर्सिटी मंजः ऑस्य नौकरी करान। प्रो० काचरू छि वारयाहन ओहदन पैठ रुदिमुत्य। यिम रुद्य अति लिसानियात शोबूक्य सरबराह १० वॅरी (१९६८-१९७१), अंग्रेज़ी एज़ इंटरनेशनल

लैंगवेज शोबुक्य डाइरेक्टर (१९८५-१९९१), डाइरेक्टर, सेंटर आफ अडवांस सत्टेडीज़ (१९९६-२०००), तु युनिवर्सिटी हुंद्य जुबली प्रोफेसर फार ह्यूमे निटीज़ तु लिबरल आर्ट्स तसिरटाइर गॅछिथ एमेरिटस प्रोफेसर। यिम गॅयि स्वर्गवास २९ जुलई २०१६. यिहंज आशेन्य प्रो० यमुना काचरू गुजरेयि १९९३ हस मंज़।

यिमव छे कॉशरि ज़बॉन्य हुअदब, समाज लिसानियात, ज़बान तदरीस, तु अंग्रीज़ी ज़बॉन्य पेठ वारयाह कॉम वॅरमुच। कॉशरि ज़बॉन्य तु अदबस पेठ म्का मि मंज़ छि शॉ मिल: ए रेफरंस ग्रामर आफ कशमीरी (१९६९), एन इंटरोडक्शन टु स्पोकन कशमीरी (१९७३), कशमीरी लिटरेचर (१९८०) तु वारयाह पेपर। यिमव छे अँ जि किस कॉश रिस अदबु किस पसमंज़रस पेठ दीनानाथ नॉ दिमस पेठ ति किताब लीछिमुच योस वुनि हेच नु छॅपिथ। व्यमेद छे ज़ि यि छ पि जलुद।

लिसानियातकेन यिमन पहलुवन पेठ छे यिमव वारयाह कॉम वॅरमुचः multilingualism, discourse analysis, stylistics वगॉर। मगर यिहंज सारिव्यु खोतु अँहम कॉम छे माननु यिवान अंग्रीज़ी ज़बॉन्य हुदैन अलग अलग रूपन पेठ, यिमन तिमव World Englishes नाव द्युत। यिमव वोन अथ ज़बॉन्य छि त्रै रूप: Inner circle (native speaker varieties), Outer circle (non-native varieties) and Extended circle (foreign language varieties). *The Indianization of English: The English Language in India* (1983), *The Alchemy of English: The Spread, Functions and Models of Non-native Englishes* (1990), *The Other Tongue: English Across Cultures* (1992), *Asian Englishes: Beyond the Canon* (2005). He co-authored, edited or co-edited other books as *The Other Tongue*, *The Handbook of World Englishes*, *World Englishes: Critical Concepts in Linguistics* (2006), *Asian Englishes, Language in South Asia* (2008), *Dimensions of Sociolinguistics in South Asia* (1992), *Issues in Linguistics, Cultures, Ideologies, and the Dictionary* (1995). He was associate editor of *The Oxford Companion to the English Language* (1993), and contributor to the *Cambridge History of the English Language*, and other volumes. The *Collected Works of Braj B. Kachru* have been published by Bloomsbury, London, in three volumes. बवॉव World Englishes सुत्य वाबस अख आलमी एसोसियेशन ये मिक्य यिम ग्वड निक्य सदर रुद्य। यिमव कोड अमि नावु अख रिसालु येमिक्य यिम एडिटर ति रुद्य। लिसा नियातस मंज़ बन्योव World Englishes मोजू अँहम रिसर्च करनु खॉतर। यिहंज खास खास

કિતાબ છે યિથુકુન્ય: *The Indianization of English: The English Language in India* (1983), *The Alchemy of English: The Spread, Functions and Models of Non-native Englishes* (1990), *The Other Tongue: English Across Cultures* (1992), *Asian Englishes: Beyond the Canon* (2005). *The Indianization of English: The English Language in India* (1983), *The Alchemy of English: The Spread, Functions and Models of Non-native Englishes* (1990), *The Other Tongue: English Across Cultures* (1992), *Asian Englishes: Beyond the Canon* (2005). યિમવ લેછિ તુ કરોખ યિમ કિતાબ બાકી સ્કાલરન હુંદિ અથવાસુ સૃત્ય એડિટ: *The Other Tongue, The Handbook of World Englishes, World Englishes: Critical Concepts in Linguistics* (2006), *Asian Englishes, Language in South Asia* (2008), *Dimensions of Sociolinguistics in South Asia* (1992), *Issues in Linguistics, Cultures, Ideologies, and the Dictionary* (1995). યિમ છે સહ-સંપાદક યેમિ કિતા બિ હુંદ્ય- *The Oxford Companion to the English Language* (1993), તુ લીખિક મજસૂન *Cambridge History of the English Language*, તિ બાકી વોલ્યુમન મંજ | *The Collected Works of Braj B. Kachru* છે ટ્રેન વોલ્યુમન મંજ બ્લૂમજ઼બરી, લંદનુ પેઠ છેપેમુત્ય |

બ્રજ કાચર્લ આંસ્ય ખોશ મિજાજ તુ સારિનુય સૃત્ય આંસ્ય બડુ પ્યારુ, સલ્કુ તુ મોહબતુ સૃત્ય પેશ યિવાન | તબીયત ઓસુખ મજાકિયા | સારિનુય સમ્ઝોંઝી મહફિલન મંજ આંસ્ય પનનિ ખોશ અખલાકુ સૃત્ય હમેશા તવજહુક મરકજ બનાન | યિમન છે કૂર અ મિતા, યોસ ડાક્ટર છર, તુ અક નૈચુવ શ મિત યુસ ફિ જિક્સ પ્રોફેસર છુ |

લલુ વાખ

આયસ કમિ દીશિ તુ કમિ વતે,
ગછુ કમિ દીશિ કવુ જાનુ વથ |
અન્તિ દાય લગિમય તતે,
છંનિસ ફ્વકસ કાંછ તિ નો સથ



दीना नाथ ‘नॉदिम’

- रूप कृष्ण भट

दीना नाथ नॉदिम ज्ञाव 18 मार्च 1916ई मंज़ शैशयार सिरीनगर। मॉलिस ओसुस नाव पंडित शंकर कौल तु माजि स्वंदर देद। मातामाल ऑसिस मुरन पुलवामि। तसुन्द मोल शंकर कौल गुजर्योव 1923 ई० मंज़ तु गरुक सोरुय बार प्यव तसुंजि माजि स्वंदर देदि प्यठ। स्व ऑस यॅदुर वॅतिथ पनुन गुजारु करान तु नैचिविस क्वछि मंज़ रॅटिथ लल वाख, लीलायि क्यो बजन बोज्जनावान। नॉदिमन कोर बाबापोरु मिडल स्कूलस मंज़ मिडल पास तु बागि दिलावर खान किस हाई स्कूलस मंज़ कोरुन मैट्रिक पास। अतिक्यव चाटु बाजव मंज़ु ओसुस अख गुलाम हसन बेग युस पतु शॉयिर बन्योव तु ऑरिफ थोवुन तखलुस।

1929 हस मंज़ न्युव नॉदिमन एस-पी- कालिजस मंज़ दॉखलु मगर द्वयि वुहरी प्योस गरेलू मुशकिलातव किन्य कालेज त्रावुन। यि ओस टिवशन करान तु ज्यादु वख कालेज लाइब्रेरी मंज़ गुजारान। अॅम्य वॅन्नर न्यूव ऐरास्कूलस मंज़ माशटरी तु 1940 हस मंज़ कोरुन प्राइवेट तोर बी-ए-पास। अमि पतु कोरुन 1943 हस मंज़ बी-टी (अॅज्युक बी-एड) 1944 हस मंज़ गॅयि असुंज मॉज स्वर्गवास। अॅथ्य दौरान लोग नॉदिम ग्वडु अंग्रीज्य तु पतु उर्दू जबाँन्य मंज़ शॉयिरी करनि। 1963ई मंज़ बन्योव नॉदिम लल देद मैमोरियल स्कूलुक प्रुनसिपल येति सु रिटायर गछनस ताम रुद। अलबतु बन्योव 1965 प्यठु 1969ताम ऑसिस्टंट डाइरेक्टर सोशल ऐजुकेशन।

1938 ई मंज़ बन्योव नॉदिम नेशनल कानफ्रेनस पारटी हुन्द मैम्बर। मगर अमि पतय कोर सु कोमिनिस्ट खयालातव मुतॉसिर तु 1950ई मंज़ बन्योव कोमिनिस्ट पारटी हुन्द मैम्बर। यि बन्योव प्राग्रेसिव राइटॉरुस एसोसेशनुक जनरल सेकरिट्री अधिमन मुखतलिफ अदारन तु तनजीमन सुत्य सु वाबस्तु रुद तिमन मंज़ छि खास खास नेशनल कलचरल कांग्रेस, कश्मीर पीस कॅमीटी, कश्मीर नेशनल थेटर, कश्मीर टीचर्स एसोसिएशन, जे एण्ड के एकादमी आफ आर्ट कलचर ऐण्ड लंगवेजिज़, साहित्य एकादमी, एडवाइजरी बोर्ड रेडियो कश्मीर, वगाँरु। नॉदिम ओस “क्वंग पोश” मैगजीन किस एडिटोरियलस सुत्य ति वाबस्तु तु “उस्ताद” तु गाश मैगजीन कॅरिन एडिट।

नॉदिमस छु सुवीतलैंड नेहरू एवार्ड ति म्यूलमुत। सु ओस लगबग ॲकिस रेतस रुसस मंज़। साहित्य एकादमी हुन्द एवार्ड म्यूल तस 'शिहित्य कुल' किताबि 1986 हस मंज़। नॉदिम गव 1988 ई मंज़ जेमि स्वर्गवास तु तसुन्द क्रिया कर्म आव सिरीनगरु करनु। नॉदिमुन कलाम छु वारयाहन ज़बानन मंज़ फिरनु आमुत तु तस छु मुलकस तु मुलकु न्यबर थोद मुकाम हॉसिल। बॅड्य बॅड्य तु ॲझीम लिखार्यव यिमन मंज़ कमलेश्वर, हरि वंश राय बचन, काज़ी नसरुलइसलाम, सुकांत बटाचार्य, जोश मली आबादी, फैज़ अहमद फैज़, तु निराला हिव्य ग्वनमाथ शॉमिल छि, छु तस खराजि ॲकीदत पेश कोरमुत। नॉदिमुन्य ढाठ क्यो कङ्दुरदान छि सॉरिसुय मुलकस मंज़ फूलिथ। नॉदिम छु कॉशरयन हुंदिस दिलस मंज़ बॅसिथ सु रोज़ि पनुनि कलामु किन्य हमेशि अमर ॥

नॉदिमुन्य शॉयिरो:यि जन मे हेरु कनि जिकिर कोर नॉदिमन कोर शार लेखनुक शोरआउ अंग्रेज्य तु उर्दू ज़बानन मंज़। उर्दू शॉयिरव मंज़ ओस तस प्यठ इक्बाल, चकबस्त, जोश मली आबादी, तु बिस्मिल सुन्द वारयाह असर। तस प्यठ ओस मारकसवादुक यूताह असर जि तॅम्य द्युत लैनिनस भगवान सुन्द रवतबु तु पॅरुन अख नज़ुम भगवान लैनिन नावु ॲकिस मुशॉयिरस मंज़। हिन्दी पॉर्ट्य ति वॅरुन लेखनुच कूशिश मगर आँखरस फ्यूर पनुनि कॉशिरि माजि ज़ोवि कुन तु 1942ई मंज़ सपुज्ज तसुंज गवडुनिच कॉशिर नज़ुम मॉज वॅशीर प्रताप मैगजीनस मंज़ छाप। अमि पतु फ्यूर नु पोत तु 1946 हस मंज़ यैलि तॅम्य ॲकिस मुशॉयिरस मंज़ निशात बागस मंज़ “नोव सोंथ” नावु नज़ुम पॅर येम्युक मुखडु यिथु पॉर्ट्य ओस:

मुच्चरावि दारि तय बर वैसिये, सोंथ हय सालु आव।

सु आव लूकन क्यो अँदीबन हुंजन नजरन मंज़। नॉदिम बन्योव ग्वडु द्वहु प्यठय
गरीबन, काशकारन तु बॅनिमि तबकुक्यन लूकन हुन्द मसीहा तु चुक्यदर। महजूरन्य तु
आज्ञादन्य पॉर्ध्य वॅन्य तेम्य ति आज्ञादी हन्द्य नग्रम यिमव लूकन जोश बोर। मसलन:-

१. व्यथि बागच कुकिली गुगु वँर्य वँर्य बाग पनुन वुजनावने

- ## २. वतन बालयार, वतन बाल यार

यि सोन पोशि माल्युन यि असि शेरि ताज. ।

તસુંજ યાદગાર શાર્યિરી ઘ્યસુ લૂકન દિલસ ખેનિથ વેંધ તુ વુનિસ તામ તિ મકબૂલ છે
આયિ આજ્ઞાદી હૃન્દિસ દૌરસ મંજ બારસસ મસલન:-

੩. ਬੁਝਵੁਨੁ ਅੜ, ਬੁਝਵੁਨੁ ਅੜ।

- ## ४. मे छम आश पगहुच पगाह शोलि दुनियाह

५. डल हॉजनि हुन्द वचुनः:- हय व्वलय हय, व्वलय हय।

पनुनि शाँयिरी हुंदिस गवडुनिकिस या शोरू किस दोरस मंज गव नॉदिम त्यूताह मकबूल ज़ि तसुन्द तऱज़ क्यो तरीकु वरतोव तमि दौरु क्यव सारिवय बड़यव क्यो ल्वकट्चव शाँयिरव चाहे सु रहमान रॉही,ओस या चमन लाल चमन । अँमीन कॉमिल ओस तमी दोरुक शाँयिर, तसुंदि मशहूर गजलुक अख शार छु अथ कथि तसदीक करान ज़ि नॉदिम कूताह पायि बोड़ शाँयिर, ओस सु छु लेखानः-

पनुनुय कांछा नॉदिम सॉब

तोह्वा देव ज़ॉन्यहून मे छु नु व्योद ।

शेठु किस दैहिलिस मंज लेछि नॉदिमन वारयाह गजलु यिमन मंज “लखि छु लखचुन”, “बुमि हुंजि सुमि तल” स्यठा मशहूर सपज़ु । अमि पतु लेछि नॉदिमन “नाबद तु टेठवेन”, “ज़लुर्य ज़ाल” पाँचादर तु “शिहिल्य कुल” हिशि शाहकार नज़मु यिमव सु कदावार शाँयिर बनोव ।

सिटेज तु नॉदिम: कॅशीरि मंज झ्रामा तहरीक बारसस अँनिथ मकबूल बनावनस मंज छु बाँडु पॉथरुक स्यठाह अहम द्युत । अकिनगोम, वाहथोर तु बुमय गामन मंज बसन वाल्यव बाँडव पॉरोव तु सजोव झ्रामा कॅशीरि मंज तु वुहिमि सॉदी हुंदिस गवडुकालस मंज यिम अहम झ्रामा निगार नज़रन मंज आयि तिम छि नंद लाल कौल, ताराचंद बिसमिल, गुलाम नबी दिलसोज, तु महीदीन हाजिनी । नंद लाल कौलुन झ्रामा सतुच वॅहवैट ओस गवडन्युक स्टेज झ्रामा । युस वारयाहन वॅरियन गिंदनु आव । अँथ्य दोरस मंज आयि वारयाह झ्रामा कुलब बारसस । अख अहम नाव ओस इपटा यथ कोमनिस्ट पार्टी सुत्य स्येदि स्योद वाठ ओस । बलराज साहनी ह्युव नफर ओस अथ सुत्य वाबस्तु । कॉशिर्यव झ्रामा निगारव मंजु ऑस्य प्रेम नाथ परदेसी, अली महमद लोन, नूर महमद रोशन, तु अमीन कॉमिल अथ तहरीकि ब्रोहं ब्रोहं ।

नॉदिमन द्युत झ्रामाहस अख नोव रूप तु मूसीकी त्रॉवनस रल तु कॉशिरिस मंज आयि ओपेरा बारसस । “यि ज़मीन तॉम्य सुंज येम्य कमाँव खेती” तु “वावन वोननम” ऑस्य असुंद्य गवडुनिक्य ओपेरा । यिम तहरीक पसंदी सुत्य मुतॉसिर ऑस्य । मगर नॉदिम यिमव ओपेराहव किन्य मशहूर गव तिम छि “बोम्बुर तु यॅम्बुरज़ल”, “हीमाल तु नॉग्यराय” “नेकी तु बैदी” तु वेतस्ता । अमि सुत्य लोग बाकुय अदीबन ति ओपेरा लेखनस कुन ज्यन यिमन मंज मुजफर ऑजिम, अमीन कॉमिल तु गुलाम रसूल संतोश खास छि ।

नॉदिम तु अफसानु: कॉशिरिस मंज लोग नसुर लेखनस बाज़ॉबितु पॉठ्य गवडु

1940ई मंज़ “गाश“ मैगज़ीन युस महमद अमीनन (इबनि महजूर) कोड तु पतु 1948ई मंज़ “ क्वंग पोश“ मैगज़ीन युस कश्मीर कलचरल कांग्रेसस तहत छापनु आव। हालांकि नॉदिमुन छु नु कॉशिरिस नसरस ज्यादु द्युत कैह, सिवयि केंच्व लेखव अलावु, अलबतु छु यि माननु यिवान ज़ि सु छु ग्वडुन्युक अफसानु निगार। मार्च1950ई किस क्वंग पोश शुमारस मंज़ छपेयि ग्वडुनिचि लटि लेखनु आमुत्य ज़ु कॉशिर्य अफसानु। यिम ऑस्य नॉदयमुन जवाँबी कार्ड, तु सूमनाथ जुतशी सुन्द येलि फोल गाश। बकोलि मोती लाल साकी तु चमन लाल चमन छु नॉदिमन वोनमुत ज़ि तॅम्य ओस यि अफसानु 1948 ई मंज़ ल्यूखमुत मगर यि छप्पोव 1950ई मंज़। अमि पतु ल्यूख नॉदिमन ब्याख अफसानु “शीनु पेतो-पेतो“ तु बस।यिथु कन्य हेकव वॅनिथ ज़ि कॉशिरिस अफसानस ति ह्योत नॉदिमन घड तु वॅरिन बाकुय अँदीब ओर कुन मॉयिल।

नॉदिमुनि कलामुक्य कैह नमून:-

1. वतन बालुयार, वतन बालुयार
यि सोन पोशि माल्युन यि असि शेरि ताज
वॅलिव अज्ज यि शेरोन तु पॉरोन ज़बर
गंडिथ दोर कमर बॅनिथ रॉछदर
वतन सोन सान्यन दिलन हुन्द करार.....
2. मुच्चरावि बर तय दारि वेस्य सोंथ हय साल, आव
गुलि लालु सौंबलन सृत्य सृत्य, कॉल्य हय कालु आव
फोज टेक बटन्य स्वैदि बट्चन माय बरॉनी
तस न्यैदरि हत्यन छायि गित्यन आयि जवाँनी.....
3. बिजली बति अँद्य अँद्य मँह्य जोराह
वीगिस प्यठ माहरेन्य माहराज्ञा
हुथ कुल्य शिहलिस तल टेकु बटन्य
वुन्य द्रामुच वोब्य किन्य चोकु लिविथ
4. कोर लठस पैयि मीलि छिखा अख
द्वहालि शौंगिथ लॅज वोरुनि राथ
प्योम च्रेतस फेरनस दॅज लॉगिथ
वुछनि लजोव मे ति लूक अरसाथा.....

५. छोत तु कुहुन गेयि रंग रंग दवलु दवलु
 पोऱ्ज अँथ्य प्यठ छे दैरिथ वुनि ज्ञाथ
 गोमुत गुलालन अँछन छु पचि फ्युर
 तु सॉबलन पॉर्य ज्ञान डेंजमुच
 छेना गनीमथ छनी यॅम्बरजल
 येमिस अँछन वुनि आब बाकुय
६. मै छम आश पगहुच पगाह शोलि दुनिया
 द्वहस गाश हुरि गुल तु गुलज्ञार प्रज्ञलन
 ज्ञमीनस सुसर लगि सब्जार प्रज्ञलन
 वछस मंज्ज होमिस लोलु फमवार प्रज्ञलन
७. बु ग्यवु नु अज्ज बु ग्यवु नु अज्ज
 हु दुय खुमारु होत तु मारु मोत
 मोदुर मोदुर तु न्यैदरि होत, सु नग्मु कांह
 मै थव खॅट्च खॅट्च चु जाम साकुय
 चै सुत्य छु वाराह हिसाब बाकुय
 अँछव प्रछ्योमय मै हाल सोरुय

अपील

वाख परन वॉल्य सूजिन वाखस मुतलख पनुन्य राय तु सुजाव, येमि
 सुत्य वाख ज्याद लूकन निश वाति तु वाख परिवारस लगि वुसजार। वाखुक
 चंदु कैरिव गिफ्ट पनुन्यन रिशतुदारन तु यारन-दोस्तन।

ललु वाख

सहज व्यचारुन छुय उपदेश ॥
 मिथ्या कपट असथ त्रोवुम
 मनस कोरुम सुय उपदेश
 ज्ञनस अंदर कीवल ज्ञोनुम



ब्रम

- मखन लाल पंडिता

अरज्जन नाथस ऑस्य कोरि हुंज टेकिन्य फिरनावान पाद पॅल्युमुत्य। पज्जर ओस कूर ऑसुस बंकस मंज नोकरी करान तु तसुंदिस खांदरस गँछ न, फतरथ यिन्य मगर खांदर ऑस्य व्वन्य पीचीदु बनेमुत्य तु नेचिव्य वॉल्य ऑस्य अमि विजि पनुन्य सॉरय ह्वनर आज्जमावान, तिम ति यिम कुनि जिरगस मंज ऑस्य नु। मॅजिमयॉर्ध ऑस्य बुथिस प्यठ वनान खीसा खोलो हरीसा खाव। पॉंठक छेसा दॅर, गंडनस क्या दियि, यिथ्य सवाल ऑस्य इशारन मंज वननु यिवान। अँड्य ऑस्य सनान, बोय छुसा पगाह गोछ नु ह्वोहव्युर्कबार लँडकस अटस कसुन, तिक्याजि लँडकु छि नु खांदर पतु अकसर काड्यन कॉम हेवान बॅल्यकि छि शांदु गँड्य तोतु सुन्दुय ज्यादु बोज्जान। बहरहाल खांदर छु अज्ज अख खेल, यथ मंज द्वनवय दर्य छि पनुन्य पनुन्य तगनगॉरी आज्जमावान।

टेकिन्य ऑस मसा मसा रलेमुच। व्वन्य ऑस अरज्जन नाथुन्य वॉर्यातिहुन्द ओल वांगुन अनुन कॅण्डिथ। सु ति ओस नु कॉज्ज चेथ। लँडकु छा खानदॉन्य तु शारीफ, शराब, सिग्रेट मा छु चवान, मॉज वॅहुंज छेस, हिव्य सवाल ऑसिन परखॉव्यमुत्य। व्वन्य ऑस खॉलिस वॉस तु तनखाह सरु करुन्य तु तमि खॉतरु ओस लँडकु सुंदि दफतरु सॅरविस बुक वुछुन। सु ओस मोतबर रिकार्ड यथ प्यठ सु बर्लसु हेकिहे कॅण्ठिथ। मगर तथ दफतरस मंज ऑसुस नु कॉसि सूत्य ज्ञान।

वति पकान ओस सौंचान ज़ि दफतर वॉल्य हावुना ऑकिस अजनॅबियस सॅरविस बुक। कांह गोछ ज़ान्यकार नेरुन अदु गँयेयि कथ। सु ओस दयि सुन्द नाव ह्यथ खरामा खरामा दिवानज़ि ऑनि तमी विजि गैयि अख कार तस अकि तरफु खडा तु तॅम्य वुछ पनुन दोस अथ मंज अथु सूत्य क्या थान्य हावान। सु गव ड्राइवर सीटि हुंजि दारि तरफु।

‘व्वलु खस, कोत छ्यु गछुन।’ तॅम्य प्रुछनस।

‘कोत खसु ? बु छुस लोगमुत शाठस तु अथ वथ छम नु यिवान क्याह करु।’ तॅम्य वोनुस, ‘कथ शाठस ? बुति बोजुहा ?’

दोस्तु सुंजि कथि सूत्य आव मुचरनु तु सु खोत गाडि। दोस बोजुनोवुन पनुन मसलु। दोपनस बु छुस दरअसुल तूर्य द्रामुत। मगर तति ज्ञानन नु कांह तु अमि किन्य छुस सौंचान कॉम अंद्या किनु न, गछनुय मा गष्ठि फोजूल।

अरज्जन नाथुन दोस ओस इनशोरनसस मंज़ कॉम करान तु तमि किन्य ऑसुस वारयाह ज्ञान पहचान। मुशकिली आसिहे कांह दफतर येति नु तस कांह ज्ञान्यकार नेरिहे। ज्ञान गॅंगि जहान, प्यठु यथ ज़मानस मंज़ येलि पॉसव बगाँर छु नु कांह बुथिस कुन वुछान।

दोस्तन वोनुस बस अमी खाँतर छुखा चु परेशान, यि छु नु कांह बोड मसलु, पुरिष्यतव दयस यि गव म्यानि जिम औंजरावुन। तँम्य फिर गॉड्य तु द्वनवय द्रायि तँथ्य दफतरस कुन। वति वति वँछ खांदरन हुंज कथ तु अरज्जन नाथन वोनुस ज़मानु बदल्योव अज़ छि लोरि प्येठ्य सरुफ तारान। अँक्य लॅडकन ओस नोकरी जायि ल्यूखमुत सेलुज्ज एग्जिक्यूटिव। दितस गाम, ति क्यासॉ गव। गानि रोव रुन कमि शहरुक।

‘सेलुज्जमैन हस्सॉ। वँ गव न्यॅबर छि यिम जान कॉम करान। येति नु येति गव य्वहय कालुक बताह तु सुबहहुक सौताह।’ दोस्तन वोनुस।

बेय्य ओस ल्यूखमुत सिकिस फिगर पेय।

आसेस मा, दोस्तन वोनुस।

शिकसि ना शॉद्य, मे हा बूज आँद्य। सिकिस फिगर यस तनखाह आसि सुहय आसि दुह त्रावान, बुथि प्यठु आसनस त्येबरि व्यथान तु तथ प्यठ आसि नु नजर ठँहरान।

यीतिस कालस वाँत्य तिम मुतलकु दफतर। अफसर द्राव दोस्तस यार। कॉम द्रायि कुनि दरंगी वराँय। अरज्जन नाथ गव मुतमईन ज़ि लॅडकु छु वॉसि बराबर, तनखाह छुस जान, ल्याहज्जा ऑस कथ ब्रॉह पकुनावुन्य। तँम्य सूज़ मॉजिमयॉरिस अथि शेछ लॅडकु वाल्यन अँस्य क्याजि यिमव नु बोयि नज़दीख तु रोबरो करव कथ। सु गव प्रारान अज़ नतु पगाह यियि जवाब योतान्य रेथ गव नीरिथ। ऑखुर प्रुछुन मॉजिमयॉरिस व्यन्य क्या तीलु ज़ालय छे, न छि तिम आंकार करान न नकारु। ऑखुर क्या छु तिहुन्द मनशि? म्योन मकर्स्ड ओस कथ थवव बंद कॅरिथ, तिम रोज्जन पनुनि जायि मुतमईन तु बु ति रोज्जु पनुनि जायि पुतमईन।

ति छु पोज्ज, तँम्य वोनुस। बु छुस तिमन पतु तु अगर चु यकीन करख तमी बापथ गोस द्वयि त्रेयि लटि तिमन गरु मगर तिमन छे यिथय वलेकिन रछा यिवान। मॉजिमयॉर्य वोनुस,

‘क्या सॉ वलेकिन! बु ति बोजुहा।’ अरज्जन नाथन वोनुस.

‘तिमन ओसुय कुस तान्य कारिखोल दफतर गोमुत लॅडकु सुन्द तनखाह बेतरि वुछनि। तिम छि दरअसुल तँस्य प्रारान। अगर नु सु आव तैलि छि चॉन्य कथ पकु।’

दपुख रुत गव तँस्य प्रारून। अरज्जन नाथन वोनुस।



बु छस नु लल

- रूप कृष्ण भट

मै तुल बैयि अकि फिरि यि स्यल फोन अथस क्यथ तु पौरुम बैयि अकि फिरि यि एस-एम-एस। शायद देहिम किनु बैहिम लठ आसिहे मै यि परनुच। जानू चै ओसुथ वोनमुत ज़ि चु यिख द्वयि हफतु पतय वापस शिकागो। वन्य गॅयि बराबर शो हफतु, चु छुख नु वन्य म्योन फोन ति तुलान। न छुख ओरय फोन करान। मेलस ति छुख नु जवाब दिवान। सिरिफ छुथ दिलि वॉतिथ अकि फिरि फोन कोरमुत। शायद ओसुख तमी द्वह वोतमुत। बु छस सख परेशान। चु छुखा ठीख? अति छा सॉरी ठीख? चै छुय नु नोकरी हुन्द ति खयाल। हरगाह नु चु द्वन त्रेन द्वहन ताम वातख, शायद मा पैयि पतु बदल नोकरी छांडुन्य। मै छि व्यमेद यथ एस- एम-एसस दिख चु ज़ोर्लर जवाब तु म्याँन्य परेशॉनी करख दूर। चॉन्य टॉठ.....रक्षा।

मै डोल बुथिस रंग, दिलुच दुबराय गॅयम तेज़। मगर बु रुज़ुस पानस तोति दिलासु दिवान। न, न, ति हैकि नु बैनिथ। समीरस छे नु बैयि कांह मै वर्गैय। सु क्याज़ि करिहे तेलि मै सुत्य खांदर। सु क्या पागल छा। अख कॉबिल तु आज्ञाद खयाल लैङ्डकु हैकि नु तिछु शरुमनाक हरकथ वैरिथ। बु रुज़ुस तशवीश ति करान तु पानस दिलासु ति दिवान। मै गनेयि अँजीब अँजीब खयाल देमाग़स मंज़। अमा अख ल्वकुट म्वकुट शेष हैक्या देमाग़स मंज़ यिछु खलल पॉद वैरिथ ज़ि यि ज़ॉहिर छु ति मैशराविथ करि तथ थफ यि महज़ अख तसवुर या खयाल छु। ज़ॉहिर छु पज़र, तु पज़र छु यि ज़ि समीरस सुत्य आव मै अज़ ब्रोंह देह द्वह खांदर करनु तु पॅत्यम्यव पांचव द्वहव प्यठु छि अँस्य गवाहस मंज़ समंदर बैठिस प्यठ ज़ून राँचन मंज़ पनुनि यिनु वाजिनि ज़िंदगी हुंद्य खाब सजावान। अख अँकिस यथ ज़िंदगॉनी तु तमि पतुक्यन यिनु वाल्यन अनगिनत जनमन मंज़ अख अँक्य सुन्द साथ दिथ तु हमसफर बैनिथ ज़िंदगी हुंद्य ख्वश आमेज तु तलख चिह्न्य अख अँकिस सुत्य गुज़ारनुक्य क़सम हावान, तु अख अँकिस बै पनाह लोल बरनुक तु व्यफादार रौज़नुक वादु करान तु बरोसु दिवान। गाटल्यव छु वोनमुत ज़ि व्यमेद छे पछि प्यठ देहिथ। अथ कथि ओस नु कांह शख ज़ि मै ऑस समीरस प्यठ पछ। मगर सुती ऑस मै पनुन्यन अँछन प्यठ ति पछ। यि शेष ओस नु महज़ खयाल बैल्कि टाकारु सबूथ ज़ि सोरुय छु नु ठीख कैह तु मामलु छु सँगीन।

दੱਹਨ ਦੁਹਨ ਹੁਨਦ ਹਮਸਫਰ ਕੋਤਾਹ ਪਾਧਿਦਾਰ ਤੁ ਬਰੋਸੁ ਵੀਲ ਹੈਕਿ ਆੱਸਿਥ, ਅੱਸਥ
ਖਧਾਲਨ ਕੱਚੁਸ ਬੁ ਮਜਬੂਰ ਵਾਰਧਾਹ ਕੇਹ ਸੌਚਨਸ ਪਿਠ | ਮੈ ਪੈਧਿ ਖਾਂਦਰੁ ਬ੍ਰੂਥਿਮ ਕੇਹ ਅੱਹਮ
ਵਾਕੁ ਚੈਤਸ |

ਯੋਲਿ ਕੱਸ਼ਿਰਿਸ ਸਮਾਚਾਰਸ ਮੰਜ ਸਮੀਰਨਿ ਖਾਂਦਰੁਕ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ ਪੱਖਿਥ ਪਿਤਾ ਜੀਧਨ
ਅਮਿਚ ਛਾਨ ਬੀਨ ਕੱਚਰ, ਸ਼੍ਵੋਨ੍ਨਿ ਮਾਮਾ ਜੀਧਨ ਕੋਰੁਸ ਸਾਫ ਇਨਕਾਰ ਦੋਪਨਸ ਧਿ ਰਿਸ਼ਤੁ ਛੁ ਨੁ
ਕੱਬਲਿ ਗੋਰ | ਸਮੀਰੁਨ ਖਾਨਦਾਨ ਛੁ ਨੁ ਹਾਵੁਨ ਬਾਵੁਨ ਲਾਧਖ | ਮਾਮਾ ਜੀ ਜਾਨਿਹੇ ਤਿਮਨ ਠੀਖ
ਪਾਂਕਧ | ਤਸੁੰਜਿ ਨਜਰਿ ਮੰਜ ਆੱਸਥ ਨੁ ਤਿਮ ਅਸਿ ਲਾਧਖ | ਬਕੋਲਿ ਮਾਮਾਜੀ, ਸਮੀਰੁਨ ਮੋਲ
ਜਾਨਿਹੇ ਨੁ ਜਾਂਹ ਹਭੁ ਕੱਦਲੁ ਪਿਠੁ ਅਸੀਰਾ ਕੱਦਲ ਖਚੁਨ ਅਦੁ ਆੱਸ ਨੁ ਜਵੋਹਿਰ ਟਨਲਿ ਧਧੋਰ
ਧਿਨੁਚ ਜਿਕਿਰੁਧ | ਧਿ ਨਧ ਬਟਨ ਬੱਨਿਥ ਧਿਧਿਹੇ ਸੁ ਕਤਿ ਵਾਤਿਹੇ ਜੋਮ ਤੁ ਪਤੁ ਨਗਰੋਟਾ ਕਾਸ਼ |
ਮਗਰ ਪਿਤਾ ਜਿਧੁਨ ਮਾਨੁਨ ਆਸ ਜਿ ਤਸੁਨਦ ਖਾਨਦਾਨ ਕਧਾਹ ਕਰਿ | ਅਸਲੀ ਵਾਸਤੁ ਛੁ ਲੱਡਕਸ
ਸੁਤ੍ਯ ਤੁ ਲੱਡਕੁ ਛੁ ਥੇਕੁਨ ਲਾਧਖ ਇੰਜੀਨਿਯਰ ਸੁ ਤਿ ਪੱਤਿਸ਼ਵ ਦ੍ਰਵਾਵ ਵੱਖਿਧ ਪਿਠੁ
ਅਮਰੀਕਹਸ ਮੰਜ ਜਾਨ ਕਮਧਨੀ ਮੰਜ ਨੋਕਰੀ ਕਰਾਨ | ਖਾਨਦਾਨਸ ਛਾ ਫੇਸਾ ਦ੍ਰਵੁਨ, ਸੁ ਆਸ
ਵਨਾਨ | ਤਮੀ ਆਸ ਤੱਸਥ ਧਕਦਮ ਆਂਕਾਰ ਕੋਰਸੁਤ ਤੁ ਦ੍ਰਵਨ ਹਫਤਨ ਮੰਜ ਆਸ ਖਾਂਦਰੁ ਖਾਂਤਰੁ
ਤਧਾਰ ਗੋਮੁਤ | ਨੈਚਿਵ ਵਾਲਧਨ ਹੁੰਜ ਆੱਸ ਅਕਾਂਧ ਫਰਮੋਧਿਸਾ, ਚੂਂਕਿ ਲੱਡਕਸ ਛੇ ਨੁ ਜ਼ਧਾਦੁ
ਫੁਰਸਥ, ਲਵਾਹਜਾ ਗਾਛਿ ਖਾਂਦਰ ਫਟਾ ਫਟ ਸਪਦੁਨ ਤੁ ਲੱਡਕੁ ਸੁਨਦ ਮਨਸਾ ਤਿ ਛੁ ਧੀ | ਤਿਮਨ
ਆਸ ਨੁ ਬੋਧਿ ਕੇਹ ਜ਼ੋਝਰਥ, ਨ ਲੇਨ ਦੇਨ ਤੁ ਨ ਬਾਕੁਧ ਲਵੋਝਯਮਾਤ | ਫਕਤ ਗਾਛਿ ਕੋਰਿਹਨ
ਛੱਲਿਥ ਤੁ ਛੁਕਿਥ | ਮਗਰ ਤਿ ਸੋਰੁਧ ਆਸ ਵਨੁਨਸ ਮੰਜ ਸੱਝੀ, ਅਸਾਲਿਧ ਆੱਸ ਜਿ ਧਿ
ਕੇਂਢਾ ਮੈ ਪੱਤਿਸ਼ਨ ਦ੍ਰਵਨ ਵੱਖਿਧ ਮੰਜ ਕਮੋਵਮੁਤ ਆਸ ਤਿ ਤੁ ਤਮਿ ਅਲਾਵੁ ਪਿਤਾ ਜਿਧਿਨ੍ਯ ਵੁਮਰਿ
ਹੁੰਜ ਕਮਾਂਧ ਆੱਸ ਸਿਖਿਫ ਦ੍ਰਵਨ ਹਫਤਨ ਮੰਜ ਖਰੁਚ ਕਰਨੁ ਆਮੁਚ ਧਿ ਦੱਧਿ ਜਿ ਤਿ ਆੱਸ ਕਹਿ
ਆਨਿ ਨਗਰਦਾਂਲਧ ਪਾਵ ਪੇਮੁਚੜ |

ਸੁ ਕੁਸ ਸਨਾ ਚੀਜ਼ ਯੁਸ ਨੁ ਸ਼੍ਵੋਨ੍ਨਿ ਮੱਲਧ ਦ੍ਰਵਤ | ਸੁ ਕੁਸ ਰਸੁਮ ਯੁਸ ਨੁ ਤੱਸਥ ਨਿਬੋਵ |
ਸਤਰੋਚੜ ਪਿਠੁ ਮੱਥਮੁਰਿਸ ਤਾਮ ਸੋਰੁਧ ਤੁ ਕੇਸਰੀ ਕੱਛਵੁ ਪਿਠੁ ਪੱਜਾਂਬ੍ਯ ਸਟਾਲਨ ਤਾਮ ਸੋਰੁਧ |
ਗਰੁ ਅਚੁਨਸ ਮੋਟਰ ਕਾਰ ਸਵ ਤਿ ਸੈਨਟ੍ਰੋ |

ਸ਼ਾਨਧਨ ਧਿਮਨ ਬੇਕਲ ਤੁ ਫਰਸੂਦ ਖਧਾਲਨ ਲੋਗ ਤਮਿ ਵਿਜ਼ਿ ਛੇਨ ਯੋਲਿ ਦਰਵਾਜ਼ੁਚ
ਗਨਟੀ ਬਜੇਧਿ, ਮੈ ਤੁਲ ਜਲ ਜਲ ਧਿ ਸੇਲ ਫੋਨ ਥੋਦ ਤੁ ਥੋਤੁਮ ਪਲਂਗੁ ਕਿਸ ਦਰਾਜ਼ਸ ਮੰਜ਼ |
ਪੁਟਚਮੁਤਧ ਕਵਠਧ ਵੱਛੁਸ ਥੋਦ ਤੁ ਖੂਲੁਮ ਦਰਵਾਜ਼ੁ | ਸਮੀਰ ਚਾਵ ਕਮਰਸ ਮੰਜ਼, ਮੈ ਕੋਰ
ਬੋਧਿ ਦਰਵਾਜ਼ੁ ਬੰਦ ਤੁ ਬੀਠੁਸ ਪਲਂਗਸ ਭੋਂਠ ਕਨਿਚਿ ਕੁਰਸੀ ਪਿਠ | ਸਮੀਰ ਗੋਥ ਮੈ ਕੁਨ ਵੁਛਿਥ, “
ਮੈ ਲੋਗ ਸਾਇਕਲਕੈਫਸ ਪਿਠ ਵਾਰਧਾਹ ਵਖ | ਦਰਅਸਲ ਆਸ ਤਤਿ ਵਾਰਧਾਹ ਰਖ | ਕਾਂਹ ਤਿ ਬੂਥ
ਆਸ ਨੁ ਖਾਂਲੀ | ਪਿਠ ਆਸ ਈ-ਮੇਲ ਵਾਰਧਾਹ | ਦਰਅਸਲ ਵੁਛ ਨਾ ਮੈ ਵਾਰਧਾਹਿ ਕਾਂਲਧ ਮੇਲ |

ਮੈ ਦ੍ਰਵਤਸ ਨੁ ਕਾਂਹ ਜਗਾਬ | ਬੁ ਕਧਾਹ ਵਨੁਹੋਂਸ | ਮੇਲ ਲਫੁੜਜ ਬੂਜਿਥ ਗੌਡੁਨ ਮੈ ਵਾਰਧ ਨਾਰ |

ਚੁ ਕਧਾਜਿ ਛਖ ਨੁ ਕੇਹ ਵਨਾਨ | ਆ ! ਚੁ ਆਸਖ ਕੁਨਿ ਜੱਨ੍ਯ ਬੋਰ ਗੱਮੁਚੜ | ਸਵਾਰੀ | ਮੈ
ਤ੍ਰਾਂਵਮਖ ਚੁ ਕੁਨਧ ਜੱਨ੍ਯ | ਅਦੁ ਚੁ ਵੁਛਿ ਜਿਹੇ ਟੀ-ਵੀ ਤਾਨ੍ਧ ਧਾਂ ਕੱਰਧ ਜਿ ਹੇ ਬਨ ਵੱਖਿਥ ਸਮਦਰ

बैटिस प्यठ चकरा वकरा ।

समंदर नाव बूजिथ जन तु गोव मे सर्य पेठ्य सँहलाब । जन तु वारयाह कालस लॅहरन तल पॅटिथ बु अचानक बैटिस लायिनु आयस । म्यॉन्य ऑस कयो नकुवॉर्य यिम पॉनिस तल जन दम पॅट्य गॉमुत्य ऑस्य गॅयि यकदम यलु तु मे दिचु ज्ञोर, ज्ञोर क्रकु आ मेल ! , वारयाहन दृहन हुन्द मेल गोछुय ना आसुन । खास मेलुक जवाब दिनस छु वख लगानुय । क्याह ओसनय ल्यूखमुत ? यी ना ज्ञि न कोरुथ जांह फोन तु न मेल, न शेष तु न खबर । दून हफतन खाँतरु ओसुख गोमुत, शे हफतु गॅयि, वन्य ओस सारिकुय स्वखुय, हरगाह नु जल जल आख नोकरी मंजु कडुनय तु नेव नोकरी पेयि छांडुन्य ।

समीरस गॅयि कन खडा, अकलि बकल गॅयस, बुथिस डोलुस रंग, युस हाल मे एस-एम-एस पॅरिथ गोमुत ओस तमि खोतु दैह गनु गोव समीरस हसबि हाल मगर तोति हाँवुन मरदु चालॉकी तु शालु सुंज हिश दगाबॉजी तु चूरु सुंज टॅगिल तु बो शरमी । “ क्याह, क्याह वनान क्याह छख चु ? मै छु नु समजी यिवान, चु वनान क्याह छख । ” तॅम्य वोन ।

चे कति यियी समुज ? देमागास छुय ना घ्वह बैरिथ । शिकस चाक्युक छुख ना । शिकसलदन हुन्द गोव शिकसलदुय । अमरीका गछनु सुत्य क्याह गोव । खसलत छा बदलान । म्योन लॅहजि गोव कॉफी तलख । सु गाबर्योव, मगर तोति त्रोवुन नु टेंठ पथर । शेशी चु क्याह बकवास छख करान ? चे छुया तॅबियथ ठीख ?

तसुन्द यि जराह बूजिथ रूद नु मे पानस ताम । मे दिचुस ज्ञोर क्रख । यि क्वसु छय रक्षा ? बैनि छ्या किन माँज ? रक्षा नाव बूजिथ प्यव समीर जन तु सॅतिमि आसमानु प्यठु पथर, ख्वरव तलु चॅजिस ज़मीन नीरिथ । जन द्युत हॅत्य लूकन पथर दॉरिथ । पलंगस प्यठ द्युतुन दराज । वारयाहि कॉल्य दम संबॉलिथ वोनुन, ” चु क्याह छख यि वनान, क्वस रक्षा ?

चु कति मानख सहल सहल । बु वै छुस हुकु सान थोद, दराज खूलुम, सेल फोन कोडुम न्यबर, अथ खूलुम शेषि संदूक । ऑदिच शेष वैडुम नेन्य तु पिलुनोवुम अॅमिस मुबाइल ।

शेष पॅरिथ गोव समीर जनतु रूजिथ । हेरिम शाह ह्योर तु बैनिम ब्वन, अकोय जुमल द्रास ऑस मंजु, गोव ना चै लोगुय पताह । दरअसल ऑस रक्षा.... । बस बस, मै छे नु चॉन्य राम कहानी बोजुन्य, न चॉन्य सफाँइ तु न रिया कॉरी वन्य यि वनुति वनुबुतुयि बोजख ति बोजख चु । मै द्युत नु तस ऑस खोलनु ।

बु छस पॅरमुच लीछमुच अख कूर या वन्य वनतम अख जनान । कमावन वाजेन्य, चानि खोतु ज्यादु गाटुज ति, क़ॉबिल ति, मेहनती ति तु चालाख ति । असि ओस पगाह वापस जोम गछुन । सुबहुच फलाइट । यि गोव जान सोन हनी मून गोव अख दृह ब्रोंठुय

खतम, बु बचेयस अकि रॉच हुंदि अजाब तु ग्वनाह निशि । मे कोर फॉसलु न गछु बु व्वन्य वॉरिव तु न माल्युन, न जोम तु न दिलि । बु नेरु अज शामन्य येति प्यठ बंगलोर, बु करु पगहय वापस कमपनी ज्वाइन । शुकुर भगवानु सुन्द मे ओस नु नोकरी मंजु इस्तेफा द्युतमुत ।

मगर शेशी चु बोज कथ तॅम्य हैचायि कथ डालनुच कूशिश करन्य । मे वैर्य जल जल पनुन्य पलव जमाह यिम बैरिम बैगस, बैल डेसकस कोरुम फोन, बैहर आव, तॅमिस पिलनोवुम बैग, पैरस तुलुम तु द्रायस बैहरस पतु पतु । नेरान नेरान वोनुम समीरस । चु बैर्य ज़ि नु गम । अँस्य मेलव बैयि जलदुय । वारुकारु अदालतस मंजु यिनु अमरीका गछनस जलदी करच्छ, खबर तति प्यठ मा पैयी पतु युन । ल्याहज्ञा प्रॉरय ज़ि अदालतु किस हुकमस ताम, खबर तोरयाह फिकरि ।

बु जन आँसुस अकि बड़ि अजाब तलु आजाद गॉमुच । मे बास्योव पनुन पान स्यठा हलकु । पतु येलि बु टेकसी मंजु बिहिथ हवॉई अड़स कुन गछान आँसुस, मे पैयि किशनी मास याद । तॅमिस बिचारि द्रायि सॉरुय ज़िंदगी पैद्य । वुमरि वैरुन रुन्य सुंज बे व्वफॉई तु सितम गरी लल दैदि हुंद्य पॉठ्य छ्वपु दम वैरिथ बरदाश । अँकिस पालतू पैशय सुंदय पॉठ्य रूज्ज टिकलिस गॉडिथ तोत ताम योत ताम हमेशु खॉतर अजाबु निशि अजाद गैयि । मे ओस हमेशु तस प्यठ तरस तु रेहम यिवान । मगर वुन्कयन खॉच्चम सख चख तसुंजि चॉरय गी प्यठ । आँखुर कुतिस कालस करि ज़नान मरदु सुन्दय सितम बरदाश । कुतिस कालस ? नॅ बिलकुल नु । बु छस नु किशनी मासि हिशन ज़नानन हिश ज़ि वुमरि चालु तुलु नार तु न छस बु लल ज़ि दुनियॉई मालायनी निशु रोज़ु दूर ।

मे कोड पैरसु मंजु मोबाइल फोन तु कोरुम मनेजर एच-आरस फोन तु वोनमस ज़ि बु करु छुटी कम तु वातु पगाह वापस बंगलोर तु करु कम्पनी ज्वाइन ।

गुज़ारिश

वाखस मंज छपनु खॉतरु सूजिव कॉशरि ज़बॉन्य, अदबस तु क्लचरस सुत्य वाबस पनुन्य लेख । वाखस मंज तबसरु करनु खॉतरु सूजिव पननि नवि किताबु या सोजनॉविव तिमन पैठ तबसरु । परनवॉल्य सूजिन पनुन्य कुमती राय ख्स छापनु यियि । वाखस दियिव वुसजार, यि छु तुहुंद पनुन रिसालु ।

वाख परन वॉल्य सूजिन वाखस मुतलख पनुन्य राय तु सुजाव, येमि सुत्य वाख ज़्यादु लूकन निश वाति तु वाख परिवारस लगि वुसजार ।

वाख छु वैशीरि नेबर छपनवोल वॉहिद अख अदबी रिसालु ।



नोव रिशत्

- ओमकार कौल

येलि विजि ग्वडुनिचि लटि योर आव तससपुद मारथायि सृत्य मुलाकाथ। मारथा ऑस तंथ्य लेबार्टी मंज़ सेक्रिट्री। तमी कोर तंम्य सुन्द तारुफ सॉर्यसुय स्टाफस सृत्य। तस कोरुन मदद एपार्टमेन्ट छांडनस मंज़ तु यि सजावनस मंज़। मारथायि करनोव यि सॉरुय शापिंग ति। कांह ति कॉम ऑसुस आसान तु मारथा ऑस असवुनि ह्वंजि ब्रोह कनि। कुन ति ओसुस गछुन आसान स्व ऑस कार ह्यथ हॉज़िर। मारथायि ओस लेबार्टी हुंद्य डाइरेक्टरनवोनमुत विजस मदद करुनुक। विजस बास्योव ग्वडु ग्वडु अंजीब ह्युव ज़ि मारथा कोताह वखुत छे अम्य सुंदि खाँतरु जायि करान। मारथायि सृत्य फेरान थोरान गोव सु येति किस माहोलस सृत्य अँज्य मँज्य। मारथा ऑस ख्वश शकील ति। ग्वडु ग्वडु ऑस स्व विजस मदद करुन पनुन्य डिवटी ज्ञानान, मगर व्यन्य नु कैह। तस ओस विजिन्य कॉम करुन्य पसंद। वारु वारु आयि यिम दृशवय स्यठा क़रीब। यिम ऑस्य व्यन्य यिकवटु फेरान थोरान ति। फिलिमु वुछान तु बाकुय जायन सॉर करनि गछान। विजस ओस मारथायि सृत्य वखुत गुजारुन पसंद। तस ऑस मारथा स्यठा पसंद। सु ओस तॅमिस सृत्य नेथर करुन यछान। मगर मॉलिस माजि ऑसुस नु वनुनस हैमथ। तस ओस पूर यकीन जि तिम मानन नु। न बॉव यि कथ तंम्य मारथायि तु न वोनुस तमी कैह। लुकन हुंजन नज्जरन मंज़ ऑस्य तिम जान दोस। तिमन ओस बासान ज़ि तिम करन अकि द्वहु नेथुर ति। विजि गोव दृष्यि वुहुर्य गरु पनुनिस मॉलिस माजि निश। सु ओस पनुनिस मॉलिस माजि प्रुछुन यछान मगर हैमथ वॅरुन नु। अँथ्य असनाहस मंज़ लॅग्य तंम्य सुन्द मोल मॉज कूर छान्डनि। कथ गॅयि सँही ति। विजन कोर बे दिली सान आंकार। खांदर सपुद जलुद। मारथायि सूजुस मुबारकुच तार ति। येलि सु खांदर वॅरिथ वापस अमरीका गौव, तंम्य बूज ज़ि मारथायि त्रॉव नोकरी तु स्व गॅयि कनेडा। तंम्य वॅर कूशिश तंम्य सुन्द पताह छांडनुच। येलि तस पताह म्यूल, स्व ऑस अति प्यथु फ्रांस गॉमुच। पतु त्रॉव तंम्य कथुय। तस ओस येमि कथि हुन्द अफसूस ति ज़ि मारथा गॅयि ज़ॉनिथ मॉनिथ तस निश दूर। शेयि रेत्य आयि ननसी ति अमरीका। ननसी गॅयि येतिचि जिंदगी मंज़ अँज्य मँज्य। तस ति मीज येति ल्वकुट म्वकुट नोकरी। मारथा गॅयि वारु वारु मॅशिथ।

वखुत गोव गुजरान। यिमन ज्ञायि ज़ु शुर्य, अख नेचुव तु अख कूर। शुर्य प्रेथेयि येथ्य माहोलस मंज़। येलि शुर्य बडेयि गौरव सुन्द येतिचन कोर्यन सृत्य फेरुन थोरुन ओस नु नाकारु बासान। बॅल्कि ऑस्य नु तिम अथ सनान। मगर युथुय नीता हैंचुन येतिक्यन लॅडकन सृत्य फेरुन्य थोरन्य, तिमन बास्योव नु यि जान। मोल मॉज आॅसिस विजि विजि वनान ज़ि तस पज़ि नु येतिक्यन लॅडकन सृत्य दोस्ती करन्य। मगर स्व ऑस अकि कनु बोज्जान तु बेयि कनु त्रावान। वुनि ऑस स्व वुह वॅरिशी, मॉल्य माजि कॅर कूशिश तस क्युत लॅडकु छांडनुच। बॅल्कि दितिख हिन्दोस्तॉन्य अखबारन मंज़ इशतिहार ति। कैह प्रपोज्जल ति आयि। मगर नीतायि नियि नु अथ मामलस मंज़ कांह दिलचस्पी। तस ऑस वन्य अख अमरीकी लॅडकु पसंद। तमि कोर पनुन फॉसलु ज़ाहिर। विजय तु ननसी गॅयि हयबुंग। तिमन ऑस वन्य फिकिर ज़ि तिहिन्द्य हिन्दोस्तॉन्य अंग-आॅशनाव क्याह वनन। यि ओस नु सिरिफ ग़ार मुलकी लॅडकस सृत्य नेथुर करुन बॅल्कि पनुनि मज़हबु न्यबर ति। तिम ऑस्य सख परेशान। येलि नु तिमव वारयाहस कालस पनुन्य रज़ामॅदी दिच्च, नीतायि तु जिमन कोर कोर्टस मंज़ नेथुर तु ह्योतुख किरायस प्यठ अलग मकानु रोजनु खॉतरु।

कैह द्वह गॅछथि दिच्च जिमन तु नीतायि पनुन्यन दोस्तन तु आॅशनावन पार्टी। विजस तु ननसी लोग नु वन्य कांह चारु। लुकु वेहवैच गॅयि तिम पार्टी मंज़ शॉमिल। पार्टी मंज़ ऑस्य नीतायि हुंद्य मोल मॉज, कैह हिन्दोस्तॉन्य परिवार, जिमुन्य मोल मॉज, कैह करीबी रिशतुदार तु यार दोस। नीतायि हुंद्य मोल मॉज ऑस्य अँदुर्य दम फॅट्च्य हिव्य तु च्यॅबुर्य च़मि सारिनुय सृत्य खुशी ज़ाहिर वॅरिथ मेलान, कथ बाथ करान। विजस पैयि मारथायि प्यठ नज़र। तॅम्य वुछ स्व लगबग वुहि ज़ुतोवुहि वुहर्य। तस ज़न चायि सॉर्यसुय पानस थर हिश। मारथा आयि ज़ोरु ज़ोरु तु रोटुन विजि नालुमति तु कौरनस बुथिस माह वरशुन तु वोनुनस, “वुछ क्वदरतुक करुन जिम छु म्योन बापेथुर। असि गोव वन्य पानवॉन्य अख रिशतु क्वायिम। रिशतु कांह ति ऑस्यतन रिशतु गोव रिशतय।”

विजस तोग नु किंही वनुन। ननसी ऑस रुजिथ हिश गॅमुच। विजस रुज़ नु हैमथ मारथायि हुन्द तारुफ करनुच।

३७



लॅर

- रिंकू कौल

वॅन्ह्य तान्य सुंजि ज़ेरि कोरुस बु हुशार। अँछ मुचरित वुछिम यि ऑस म्यॉन्य आशेन्य। तमि वोन, “क्याह सँ दॅलील छय, न्यॅदरि मंज़ ओसुख वोरान, ‘येक्याह आस.....येक्याह आस। चै कोत ओसुय गछुन ?’” हुशार गॅछिथ द्युतुम अथु डेक्स तु लोगुस सोंचनि। म्योन यि हाल वुछिथ ज़ोर नु म्यानि आशिनि तु पनुन्य कसम दिथ प्रुछनम। ब्बअरनमस, मे वुछ खाब तु तथ मंज़ वुछुम पनुन्य लॅर ज़न तु वेदाख दिवान। स्व ऑस असि बॉचु बॉचु सवाल करान तु प्रुछान, “हा बॉयगाशा मे कुन्य ज़नि त्रॉविथ क्याज़ि चारलुख ? बु कस वॅरथस हवालु ? चानि रोस छुम नु येति कांह ति पनुन। चै गोय सोरुय मॅशिथ तु पोत फीरिथ दिचुथ नु छॅर अख नज़र ति तला वुछिहा म्यॉन्य लॅर छा ठीखुय। चै रुदुय नु किंही ति याद ? याद छुयि येलि मॉज ऑसुय चोकु मंज़ु कम कम ज़ियाफँच बनॉविथ व्वटिचि दमदारि प्यठ म्यॉड-म्यॉड आपरान। सु चोकु ऑस मे पनुनिस सीनस प्यठ रोटमुत। याद छुयि तिम छांछि पूत्य यिम अकसर डबि छॅकरिथ ऑस्य आसान तु यिमन सूत्य गिंद्य चु प्रेश्योख तु बड्योख। चु युथुय तिमन पतु ओसुख लारान बु ऑसुस ख्वश ग़ान। याद छुया येलि मैट्रिक पास वॅरिथ नोकरी लोगुख तु कोरुथ ऑमिस रानी सूत्य खांदर। स्व अँन्य थन येथ्य लरि मंज़। यथ नु चै कुनि द्वु ति खबर ह्यॅचुथ।”

लॅर हय फीर पतु रानी चै कुन तु वोनुनय, “चै ति हय मॅशरॉवथस बु ? याद छुयि सु वख येलि चु डेकु बॅड येमि गरुच ब्रांदु वॅन्य बनेयख। चु हय फोजिख येथ्य लरि मंज़। मे छु अख अख च्युह चोन याद। सु श्रूचि श्रानि गाडु बतु रनुन तु ब्रॉर्य कानी पेठ थवुन। चै नाय रुदुय याद मगर मे हाय छु ज़न कालुक बतु याद।”

हतो निकु लाला....याद छुयो....मगर चै कति आसी याद ! चु हो ओसुख तमि सातु दृदु ह्यौडुर येलि तोह्य मे तॉर्य दिथ च़ॅलिवु। चुय छुख म्योन असली वॉरिस दर। मे ना ऑस कुसमतुय ज़ि बु वुछिहा चोन बहार तु छावुहा चोन शोहजार।

मगर त्वहि सारिनुय छे नु पताह ज़ि तुंहंदि नेरनु पतु क्याह क्याह सपुद मे सूत्य। तांडव हा मचोवुख। त्वहि थॅविवु बरन्यन तॉर्य दिथ मगर तिमव सूत्य रुज़ुस नु बु

महफूज | ताँर्य तु हाँकलु छि असली पनुन्यन बाँचन थवान, व्वपरन नु | तिम छि यिम चीज़ प्रॉटिथ अचान | ग्वडु आयि अख जमाथा तु न्यूख लूठा कॅरिथ | पतु आयि ब्याख जमाताह तु नियिहम दारि बर कूरिथ | बेयि कैह कॉल्य आयि ब्याखुय जमाथाह तु वॉयिख म्यान्यन कर्यन लितुर | तुंहदिस ऑलिस कोरुख नाश युस नु मै ज़ेरिथ ह्योक तु कर्यम पनुनि अँछ बंद | बु छस फकत अख क्रंज ह्युव खडा | बुनि ति छे मे आश ज़ि तोह्य यियिव तु मै वुछिव कुस हाल छुम गोमुत तु ड़खु बेतरि मा थैव्यूम | तोह्य द्रायिवु कैंचन रेतन हुंदि खॉतरु मगर तिम कैह रेथ बनेयि तुंहंदि बापथ रामुन वनवास, युस नु अज़ ताम ति खतुम गौव | मगर वन्य छम नु स्व सामरथ ज्याद कालस व्वदनि खडा रोजनस तु वॅस्य पेनु ब्रोहं छस फकत बगवानसुय योत मंगान ज़ि तोह्य यीतव जलुद वापस । ”

ललु वाख

अनस खेनस कुस छुम द्वीश ॥
 मुङ्डो क्रेय छेय नु धारुन तु पारुन
 मुङ्डो क्रेय छेय नु रछिन्य काय
 मुङ्डो क्रेय छेय नु दिह्या संधारुन

ललु वाख

क्या करु पांचन दँहन तु काहन,
 व्वक्षुन यथ लेजि यिम कॅरिथ गॉय ।
 साँरिय समुहान यथ रज्जि लमुहान,
 अदँ क्याज्जि राविहे काहन गाव ॥



यूज एण्ड थ्रो

- विजय सागर

‘हय हय चै क्या सॉ रोवुय, कलम छा कांह दॉरिथ दिवान।’

पानस ब्रोंह कनि बिहिथ काका जीयस यस पेनस रिफल ऑस म्वकलेमुच, तु युथुय सु रिफल दारि किन्य कश वॅडिथ त्रॉविथ छुनिहे वोन शम्भू नाथन।

‘यि माहरा छु यूज एण्ड थ्रो’

शम्भू नाथन आसु ल्वकचारस कलमु सुत्य लीख्य-लीख्य पशपु गाजमचु तस ओस मोल सुबहन न्यॅदरि वॅथिथ कलमस बुथ वुछिनावान तु सुय ओस गामुक ग्वडुन्युक लॅडकु यैम्य लाहोर यूनिवर्सिटी मंज़ मैट्रिक पास कोर। तॅम्य ओस फॉसलु कोरमुत - पोज़ वनुन, कॉसि हुन्द हक नु मारुन, किफायत शॉरी, वखतुच पाबॅदी, तु पनुन्य कॉम फरज़ जॉनिथ तु ख्वश असलूबी सान नख वालन्य। तु यहय वजह ओस रिटायर गॅठिथ ति दोयिम नोकरी करान। जुवु किन्य ति ओस ओर दोर।

रछखंड छ्वपु वॅरिथ बिहिथ काका जी यस बास्योव जि तॅम्य मा वॅर तिछ कांह गलती येमि किन्य शम्भू नाथ यहय ग्वतन ह्युव गोव। माहोल तु वखतुच नज्ञाकथ वुछिथ बदलोव तॅम्य कथन हुन्द मोज़ू तु वोनुनस। शिबन जी यन माहरा छु छुटी हुन्द दरखास सूजमुत।

‘तस क्या ऑस यीचाह एमरजंसी जि दरखास सूजुन?’

‘अज़ माहरा ओस ना तस अदालतस मंज़ फॉसलु।’

‘कम्युक फॉसलु?’

‘तॅमिस माहरा छु ना ज्ञानि तलाक द्युन।’

‘सुय माहरा छु वजह।’

‘त्राहि बगवानु... गव ना तोह्य छिवु अज़ यूज एनड थ्रो थ्योरी अपनावान।’

३७



स्व पोंसु दृष्ट

- पृथ्वी नाथ कौल 'सायिल'

स्व पोंसु दृष्ट ! मे वोन लालु सॉबस बिलकुल येमी लॅहंजि । चंद मंजु कडान कडान तिम फुटुवॉट्य पोंसु आनु, टकु, चोनियि, दोनियि, (अजि रवपु रंगु तु अजि स्वनु रंगु) पोंसु, (अँड्य ठीख त्रामु रंगु तु अँड्य जँद्य लद वाशलु हिव्य, तु बेयि आँठॉनियि, प्रान्यन हुंजकिं ज़ेवि खाम रवपयि तु रॅटिम सॉरी दृष्टि मंज चीर । तमि पतु रुदुस बु प्रारान जि सु क्याह वनि मे । तँम्य दिच्च घडु ओरु योरु नज़राह ज़न यि चरचुनि ज़ि कांह व्वपर मा छु वुछान । पनुन शक कॉसिथ दिच्चुन घडु म्यान्यन द्वशवुनी किठु चंदन वारु घ्यठ । तु वोथुम कमि ताम बुधि:-

'बस यिती पोंसु ऑसियि किनु.... ?'

(अँदरी द्वन तु त्रेन गॅछिथ ह्युव) 'बस माहरा बिलकुल यिती ।'

लालु सॉबः (चाखि सान) 'चु वोतखु थफ दिनस प्यठ ? मथुनावुहमु दस्तारस रब, कडुनावुहमु अँट्य अँट्य, यि ऑसुम नु व्वमेद ।' बु गोस यिंहजु कथु बूजिथ यहय हय बुंग ह्युव रुजिथ तु बु व्वशल्योस । यि वुछिथ वोनुख माता जीयि ।

माता जी वैँ 'त्वहि क्याज़ि कोरवोनु यि रोबूद ह्युव । यि कर्या तिछ गलती । अज ताम सरोस नु ज़ुंहय ति । वनु लॉजसया बलायि । वनु सॉरुय शेष, वन लगय वन ।' मे आयि नु पछुय हिश तु मे लोग वनुन,

'मे माहरा दित्य यिम डुलु सॉबन । बैयि चोवनस घडु यड बैरिथ चाय चोट ।'

लालु सॉब (हॉरान सपदिथ) 'डुलु सॉबन ! वैम्य डुलु सॉबन ?

'तोह्य मा ऑस्यवु राथ रातस येति गरि । तोह्य ऑस्यवु ना बायकाकुन गॉमुत्य । यि माहरा ऑस दरअसुल कथ यिथु पॉर्य सपुज्जमुच । येति अगर तोह्य राथ ऑसिहिवतु मे आसिहेवु ना राथुय सॉरुय शेष ऑनु ऑनु बॉवमुच । द्वहय छुसव ना दुहच सॉरुय शेष खबर बोज्जुनावान । लालु सॉब वोथ,

'अछा गव कथ छे यि । व्वलुसा थव यिम पोंसु यथ गबु लोंचि प्यठ । तु बोज्जुनाव तु असि यि सॉरुय कथ बाथ । बैह येत्यथ । बैह बैह स्योद स्योदुय बैह ।'

माता जी:- स्योद पॉर्च्य बेह | बेह लगय बलायि, दैनिरोवहख | वैजुमयि माता जी चॉनिस पानस | (बु ब्यूतुस पथर तु वैनिमख कथ यिथु पॉर्च्य)

‘अँस्य छि ना शामस बॉग्य शीतल नाथुनिस आंगनस मंज गिंदनि गछान | अदु राथ ऑस ना जनुम अश्टमी हुंज छुटी बु गॅयोस राथ ओर सुली पहन बूज्यतव द्वहली गिंदनि | अति माहरा येलि बु अथ कोचस वोथुस अति वुछिम ज्ञीठ बसा | तु अथ मंज पुलसु वॉल्य बिहिथ | मे मा खबर ज़ि अँदरु ओस ओसमुत बटन हुन्द बोड जलसु | अँदरु युस गडबडार कथ करिहे तस ओस पुलसु रॅटिथ अनान तु अथ बसि मंज केंच्स कालस थवान बंद तु ख्यावान चावान तु पतु त्रावान बेयि यलु | बु गोस हॉरान यि क्या सना | रटुन तु पतु यलु त्रावुन | अँती ख्यावुन तु चावुन | बहरहाल ओसुस बु अँथ्य आंगनस मंज पनुन्यन यारन सुत्य अंदस अँकिस कुन गिंदान | जलसु ओस वारयाह बोड | लुख ति ऑस्य कॉफी तु बॅड्य बॅड्य लीड्डर ति ऑस्य स्टेजस प्यठ कुरसियन प्यठ बिहिथ | अँथ्य मंज वोन मे सानि स्कूलुक्य वाइस प्रिसपल राजा जीयन:-

‘बेटा ! चैय छुख द्वहय प्राइरस प्यठ कैह बोजुनावान तु येत्यथ ति बोजुनाव तु तिथय पॉर्च्य केंछा | शाबाशा !’

‘यजथ मंदव जिठ्यव तु हॉज्जिर मेहमानव | बु करुहोवु त्वहि जारु पारु जि यथ धर्म भूमी प्यठ मतु बनॉव्यतव अखाडु | यि छु नु करुक्षेत्र, यि छु शीतल नाथ जीयुन मंदर | येति छि धर्म सबायि सपदान | अँथ्य मंज द्युतुख मे पॅत्य किन्य दकु तु बु गोस मंचि प्यठु ब्वन डुलु | मगर मे थोव अथु ज्ञोर बंद तु यि माइक रूद मे अथसुय क्यथ | अदु मतु बूज्यतव मे आयि नॅवुय हैमथ ज्ञन | नौवुय जोश द्युव ति आम तु त्रावतु बडि असुनाह | तु अति गॅयि नवजवान खेजाह मे अँद्य पॅख्य जमाह | कुस ताम जान बोड लीडराह आव लारान लारान | अम्य दिच्च मे कलस फशिहान | दोपनम वनसा वन गोबरा यि वनुन छुय |

‘चुय छुख असुल वनान, वैनिव गोबरा | परवाय छु नु कांह | अँ, शाबाशह |

मै होवमख तैमिस लीडरस कुन इशारु ‘हुमिस क्या माहरा गव | हुम्य माहरा होव हुमिस नवजवानस कुन तु तम्य द्युत मे दकु !’

लीडर:- | ‘कांह गम छु नु | बोजुनाव चु पनुन बॉथ | हलु पॉर्य !’

मै आव सख जोश | मै ह्योत अँती यि बॉथ बनावुन | तु वोनुम जोशि जज्बु सान यिथु कन्य:-

चु गछु बुथि तुफंगन डरुन मा चै शूबी

दिलन द्वन वनुन छेन करुन मा चै शूबी

वैरिव पानुवॉन्य तोह्य यखलास अथवास

ਪਨੁਨ ਖਵਸ਼ ਤੁ ਬੋਧ ਸੁਨਦ ਖਰੁਨ ਮਾ ਚੋ ਸ਼ੂਬੀ
 ਯੋਤਿ ਆਸਿ ਪਾਸੁਤ ਸੋਤਿਥ ਸ਼ੇਹ ਤੁ ਮਵਹਬਥ
 ਤੱਤੀ ਤਮ ਕਡੁਨ ਦਮ ਬਰੁਨ ਮਾ ਚੋ ਸ਼ੂਬੀ
 ਖਬਰ ਰੋਬੁ ਵੱਖਿ ਸੁੰਦਿ ਚੁ ਛੁਖ ਛਾਇ ਪਰਦਨ
 ਚੁ ਛੁਖ ਸ਼ੇਰ ਸ਼ਾਲ ਨੁ ਭਰੁਨ ਮਾ ਚੋ ਸ਼ੂਬੀ
 ਬੈ ਗੱਰਥ ਬੱਨਿਥ ਵਨ ਕਰੁਨਾ ਫੁਨ ਜੁਦਾਈ

ਵਗੱਰ ਵਗੱਰ ਸ਼ਾਰ। ਸਾਰੀ ਗੱਧਿ ਬ੍ਰੂਜਿਥ ਖਵਸ਼। ਮਾਤਾ ਜੀ ਗੱਧਿ ਚਾਧ ਅਨ, ਨਿ ਤੁ ਮੇ ਵੱਨਾ
 ਲਾਲੁ ਸੌਬਸ਼ ਕੁਨ ਬੋਧਿ ਹਨ।

‘ਅੜ ਮਾਹਰਾ ਔਂਸ਼ ਸੌਨਾ ਕੌਹ ਹਮਸਾਇ ਸੁਭਹਨ ਸੁਲੀ ਅਥਨ ਕਥ ਅਖਬਾਰ ਰੱਟਿਥ
 ਸੌਨਿਸ ਮਕਾਨਸ ਕੁਨ ਬੁਛਾਨ। ਤੁ ਪਾਨਵੱਨਾ ਕਧਾਹਤਾਮ ਵਨਾਨ। ਮਾਤਾਜੀ ਵੋਨ,

‘ਅਵੁ ਅਵੁ, (ਲਾਲੁ ਸੌਬਸ਼ ਕੁਨ) ਧਿ ਜਾਨਕੀ ਨਾਥ ਆਵ ਸੁਭਹਨ ਸੌਨਿਸ ਬ੍ਰਾਂਦਸ ਨਥਿ ਤੁ
 ਦੋਪਨਮ ਤੁਹੁਨਦ ਲੱਡਕੁ ਛੁ ਹੁਸ਼ਿਆਰ। ਲੱਸਧਨਵ। ਤਾਨਾ ਚਾਵ ਜਾਨਕੀ ਨਾਥ ਤਤਿ ਅੰਦਰ ਤੁ
 ਵੋਨੁਨ ਅਖਬਾਰ ਮੁਚਿਅਥ ਹਾਵਾਨ,

‘ਪਰ ਸਾਂ ਪਾਨੁ। ਦਿਲ ਫਲੀ। (ਮਾਤਾ ਜੀ ਕੁਨ) ਹਤਯ ਰਾਧਾਮੱਲੀ! ਕੁਛੀ ਹਥ ਹਥ ਸੁਬਾਰਖ
 ਛੁਧ ਲਾਲੁ ਸੌਬ (ਖਵਾਸ ਗੱਛਿਥ) ‘ਅਦੁ ਸੋਨ ਛਾ ਜ਼ਧਾਦੁ ਪਹਨ ਤੁਹੁਨਦ ਛੁ ਕਮ! ’ ਜਾਨਕੀ ਨਾਥ,

‘ਅਹਨ ਸਾਂ ਤਥ ਕੁਸ ਕਾਰਿ ਇਨਕਾਰ। ਚੋਨ ਤੁ ਸ਼੍ਯੋਨੁਧ ਧੋਤ ਨੁ ਸਾਰਿਧ ਮਹਲੁਕ। ਅਸਿ
 ਕੋਰ ਫਾਂਸਲੁ ਆਥਵਾਰਿ ਸਮਵ ਸਾਰੀ ਪਨੁਨਿਸ ਮਂਦਰਸ ਮੰਜ਼। ਤਹਸੀਲ ਪ੍ਰੇਜਿੰਡਟ ਤਿ ਆਸਿ।
 ਅੱਤੀ ਦਿਨ ਅੱਮਿਸ ਲੱਡਕਸ ਧਨਾਮ ਤੁ ਕਰੁਨਸ ਹੋਸਲੁ ਅਫਜ਼ਾਈ ਤਿ।’ ਬੁ:- ਆਂ ਤਾਨਾ
 ਔਂਸ ਰਾਤੁਚ ਕਥ। ਅੜ ਗੋਸ ਬੁ ਫੁਹਦਿਸ਼ਿਕਧ ਪੱਠਚ ਬੋਧਿ ਸ਼ੀਤਲ ਨਾਥੁਨ ਗਿੰਦਨ। ਪੁਹਰ੍ਧ
 ਖੱਡਘ ਨੁਧੂਸ ਬੁ ਚਪਰਾਂਸ਼ ਧਾਨਸ ਸਤਧ ਦਫਤਰਸ ਮੰਜ। ਅੰਦਰ ਅੱਚਿਥ ਵੁਛ ਮੇ ਅਤਿ ਭੁਲੂ ਸੌਬ
 ਬਿਹਿਥ, ਤੱਖ ਕੋਰ ਮੇ ਨਾਲੁ ਮੋਤ ਤੁ ਵੋਨੁਨ,

‘ਚੁ ਛੁਖ ਸਾਂ ਹਿਨਦੂ ਸ਼ਕੂਲ ਪਰਾਨ। ਕਥ ਜਮਾਂਚ ?’

‘ਅਹਨ ਮਾਹਰਾ ਬੁ ਛੁਸ ਹਿਨਦੂ ਸ਼ਕੂਲ ਪਰਾਨ। ਨਾਵ ਛੁਮ ਪ੍ਰਥਵੀ ਨਾਥ ਕੌਲ। ਪਿਤਾ ਜੀਧਸ
 ਛੁਮ ਪੰਡਿਤ ਤਾਰਾ ਚੰਦ ਕੌਲ ਨਾਵ। ਅੁਠਿਸਿ ਜਮਾਂਚ ਛੁਸ ਪਰਾਨ।’

‘ਅਦੁ ਸਾਂ ਲਸ, ਨਵ, ਤੁ ਫਲ।’ ਤਾਨਾ ਅੱਨਾ ਰਾਮ ਜੁਵਨ ਚਾਧ। ਮੇ ਚੋਧਿ ਚਾਧ। ਹੋਤੁਮ
 ਭੁਲੂ ਸੌਬਸ ਇਜਾਜਥ। ਅੱਸ਼ ਵੱਕਰਨਮ ਆਂਹੀ ਤੁ ਕੱਡੁਨ ਚੰਦ ਮੰਜੁ ਧਿ ਫੁਟਵੱਟਚ ਵੱਛ ਤੁ
 ਤ੍ਰਾਵਨਮ ਚੰਦਸ। ਦੋਪਨਮ ਧਿ ਗੋਧ ਚੋ ਕੇਂਢਾ ਮੇਂਢਾ। ਬੁਜਵੁ ਮਾਹਰਾ ਧਿਹਿ ਔਂਸਵੁ ਕਥ ਬਾਥ।

ਅਦੁ ਮਤੁ ਬੋਜਤੁ ਛੁਸ ਵਨਾ ਲਾਲੁ ਸੌਬ ਅਕਿ ਅੰਦੁ ਤੁ ਮਾਤਾ ਜੀ ਬੋਧਿ ਅੰਦੁ ਨਾਲੁ
 ਮਤਿ, ਸਵਨੀ ਤੁ ਮੀਠਚ ਕਰਾਨ। ਲਾਲੁ ਸੌਬਨ ਲੋਗ ਅਖਬਾਰ ਪਰੁਨ। ਪਛੁਧ ਧਾਨ ਨੁ। ਅੱਛਨ
 ਆਸ ਔਂਸ। ਲੋਲੁ ਔਂਸ।



तुरफु यकु

- अवतार हुगामी

नाथ जी ओस अज्ज सुबहॉय गेट्स प्यठ कस ताम प्रारान। ताम आव अखबारु वोल। अँम्य न्युव कुनी थपि अखबार जन न्युव गॉटि वक्कर पूत। अखबारस दिचुन पेठ्य पेठ्य नजराह तु मैकुन कोरुन आलव। बु ओसुस वरंडाहस प्यठ दंदन बुरुश करोन। सु आव सॉनिस देवारस नखु तु छुम दपान, “राथ बूजुवा खबर।”मे दोपुस स्योदुय न। दोपनम, “अज्ज बूज दयन सेदि स्योद। मे ऑस येमिस बनटुन्य सख फिकिर। युहुस द्युतुन बॅहिमि जमाँच हुन्द इमतिहान व्वन्य देवु शर नेर्यम।”बु छुस सिरिफ बोज्जान तु दंदन बुरशि सुत्य फश फश दिवान।

ताम कारर मे गर वाजिनि अँदरु प्यठु आलव। बु चास अंदर तु दोपनम अगर खान छुव करुन पतु गछि नलकस पोन्च। मे जन ओस श्रान करान करान दैमागास मंज ख्वह्य खयाल गीर्य बचि जन करान। नाथस ह्य शर नेरि तु किथु पॉर्च। खान म्वकलोवुम कॅरिथ मगर सोंचान छुस अँथ्य मुतलक। मे ह्योतुन अमि खयालु सुत्य वारयाहन खयालन कुन लगुन। तामथ आयि गरुवाजेन्य किचनु मंजु चायि कप ह्यथ तु वोनुन कमि ताम हटि, “तोह्य ति जन ऑसिहिव अँथ्य अलाकस रोज्जान येति नाथ जी ओस।”“मे दोप दपस तथ अलाकस आसा स्वनु कानु किनु तीलु क्लूर। मगर तमि दिच्च डेकस चॉड तु वोनुन करमु लीखायि नमस्कार। मे ऑस त्वहि सुत्य ऑडरन न कि तुंहुदिस अलाकस सुत्य। बु छस दपान तुंहद्यन जदन अजदादन छु नु बसुन ति तोगमुत। अगर पाथलिस मंज बसुन ओसुख तेलि रटुहान शाहरस मंज जाय। अगर साफ तु शोद हवा छारुन ओसुख तेलि पजिहेख कुनि जंगलस नखु बिहुन। तिम न छि होर ठॅहरेमुत्य न योर। बलायलिंजिस निकस, बांगि नीरिथ छु चांगि अचुन प्यवान टिवशनु खॉतरु। तमि पतु छा खबर क्या आसि दयन रुत ल्यूखमुतीय गव नाथ जी अमिस द्रायाटिकट चटनय लाट्री। “ न्यॅबर गॅयि गेट्स बोल गर वाजिनि थोव भाशन अडुल्योक। मगर म्यान्यन खयालन हुंदिस ऑविलिस तु ज्ञॉविलिसपनस लोग नु बुनि ति अबसनु वर।

बु छुस सोंचान म्यॉनिस हमसायस ह्य लाट्री द्रायि तु सि कोनु द्रेयि। ग्वडु छि म्यानि विजि पकजुवुन्य दंरियाव थामि गछान। पनुन पनु ताले। खॉर बु ह्योतनस दफतर नेउन

अमा गर वाजिनि वुछुम बुथ अलोंद, सॉरिसुय द्वहस रुदुस बु क्याहताम रोवमुत छारान मगर लोबुम नु। शामन वोतुस गरु अना नथ जी यन ओन सोन तशरीफ। बु गोस ख्वश। मै दोप ववन्य नेरि सॉर्यसुय गीन्य। हुपौर्य जोनुम यि कडि व्वन्य कॉड्य दुनियिहुक दलुवांजुल मीन्य मीन्य। सु ओस दपान तॅम्य सुंद्यव जदवओस शहर त्रॉविथ गाम अमि दम चोरमुततिक्याजि बतिम आँस्य शहरुचि चलु लारि जिशि स्वयठा तंग आमुत्य। मै आव वारयाहि फिरि जेरु दपस तला त्राव प्रान्यन हुन्द फिरुन मे ति हाव तु वथ युथ मे ति लाट्री नेरिहे। मगर सु थकु वरोय कलाम जॉरी थवनस मंज़ ताक़। म्यानि गर वाजिनि येलि चाय अँनिस तमि होव मै अँछ सुत्य अज़ प्रुछिज्जेस सोरुय। मगर नाथन थोवुस बु बराबर अँकिस गहनटस कलु दगि मंज़ आवुर। ताम आस ल्वकुट निकु नादस तु सु द्राव शी वॅरिथ सानि गेटु न्य्बर तु बु रुदुस हांगुल ह्वुव वुछान।

म्याँन्य बगरुवाजेन्य आयि तु दोपुन कोरवा ना जी यस निश मोलूम। तस फ्यूर सख येलि मै दोपुस तॅम्य कति द्युत मै तथ कोचस गछनु। स्व मतेयि ज़ॅट तु कांगुर त्रॉविथ कोठस। बु गोस शाऊरज्जद। अगर नु तसुन्द बोय अंदर अचिहे सानि लडायिवहुन्द ग्वड गॅयाव शोरू। मगर अँदुर्य अँदुर्य येंद्रोँखी पाठ पॅरिथ थोव भगवानन यज्जथ म्योन जि हरु लालु प्यव वॉतिथ। अँस्य बॉच़ जु गॅयि यकदम थोद वैथिथ वॅरिस नालुमॅत्य। नु तीत्य यीत्य मै। मै वोन पानस सुत्य भगवानन दोर अवतार नतु गॅयार्यि य आथवार गॅद्य। ओरुच योरुच कथ वॅरिथ, वाय शारेहमति बद तॅम्य प्रुछ निकस मुतलक। सु कथ कलासस छु अज़ परान। म्याँन्य बॉरिया कति प्रारिहे म्याँनिस जवबाबस कमि ताम हटि वोनुनस बैहिमि जमाँच। माम, गव बेनथुर सुन्द कलास बूजिथ शाद मगर अँम्य सुंज़ बेनि याने म्याँन्य गरुवाजेन्य आँस नाशाद तु मै कुन आँस खेशुम सान वुछान। बु ओसुस कवकर पूत ह्वुव चम्योमुत। ताम बदलोव हरु लालन कथि हुन्द मोज्जु तु मै गॅयि बशाशथ। व्वन्य लॉज मै अँमिस सुत्य ज़ॉव्यजारु सान कथ करुन्य। सँहल छा त्रैयि वुहर्य हरु लालु सुन्द सोन गरु युन। सॉन्य कत बाथ आँस जॉरी। किचनु मंजु द्राव दुह्य आटास। अति ओस हीटरस प्यठ ब्वहगनस चोक ताम दोदमुत। मगर असतोत माजि दीवी कुन गरि ओस हरु लाल नतु वनि हे ज़ोरूर वैसिथ कोयलु छुख अनान। यिमन निश छु नु मिनटस ति डलुन। बैयि कति करिहे सुह गोंछि म्यूठ तु वनिहेस यि छा कोयलन तक्सीर किनु चॉनिस मसरबस। खॉर आथवारि हु न्द द्वह द्राव हरु लालुनि यिनु सुत्य शोंठ ह्वुव। मगर बु ओसुस अँदरी गुम सॅर्य गछान। सॉचान ओसुस यि नीरिथ आसि मै नाथ जी यस निश लाट्गारी हॉसिल करनु खॉतरु खबर कथ कथ हुकमस तॅमील करुन। तवय लोग मै सिन्य जु चोर अँसिथ ति सॉर्यसुय पाँ मजु।

पगाह छु वुनि गाश फ्वलनय अमा बॉर्यया यि चायि कपा ह्वाथ बेडस निश तु वोनुन,

“ਕਨ੍ਯ ਵੱਥਿ ਤਵ ਥਾਰਦ. ਦ੍ਰਹਿ ਲੋਗਵੁ ਕਚਂਬੁ ਕਰੁਨ। ਅੰਮਿਸ ਨਬਾਥ ਜੀ ਯਸ ਸੂਤਿਆਂ ਕਰ ਤੁ ਮਸ਼ਕਰ ਯੁਥ ਸੁ ਵਚਥ ਹਾਵਿਵੁ। ਗਵਡੁ ਛੁਖ ਨੁ ਕੱਚਿ ਸੂਤਿਆਂ ਰਲਾਨ। ਖਬਰ ਤੋਹਿ ਕਿਆ ਸਿਰਿਫ ਕਿਤਾਬਨ ਪਧੁਰ ਆਸਨ ਦਿਵਾਨ। ਅਖੁਰ ਮੱਹਲਸ ਮੰਜ਼ ਰੁਜ਼ਿਥ ਗਛਿਨਾ ਮਹਲੁਦੱਰੀ ਬਨਾਵਨ੍ਯ।” ਯੋਤ ਯੋਤ ਤਾਮ ਆਮ ਦਪਸ ਮਹਲੁਦੱਰੀ ਗੱਧਿ ਪੋਜ਼ ਮਗਰ ਬੁ ਕਿਆ ਕਰੁ ਮੇਂ ਛੁ ਹਰ ਵਖਤੁ ਪਾਰਜ਼ ਚਲਾਨ ਨੀਰਿਥ। ਯੁਸ ਨੁ ਕਾਂਹ ਬੋਜਨੁ ਖੱਤਰੁ ਤਧਾਰ ਛੁ ਆਸਾਨ ਲਿਆਹਜ਼ਾ ਕਵਸੁ ਮੱਹਲੁਦੱਰੀ ਹੇਕੁ ਬਨਾਂਵ ਥਿ। ਮਗਰ ਅੱਮ੍ਯਸੁਨਵਦ ਦਿਲ ਰਛਨੁ ਖੱਤਰੁ ਦੌਪਮਸ ਬ ਸਮਖੁ ਵੁਨ੍ਯ ਨਾਥ ਜੀ ਯਸ।

ਬੁ ਗੋਸ ਨਾਥ ਜੀ ਯੁਨ ਤੁ ਓਰੁਚ ਯੋਰੁਚ ਕਥ ਕੱਚਿ ਲੱਝ ਮੇਂ ਤਸ ਪ੍ਰਛੁੜਾਂ ਸਾਂ ਕਥ ਯੋਮਿ ਖੱਤਰੁ ਬੁ ਅਜ ਜੁ ਦ੍ਰਹ ਹਿਥ ਬੱਧਿਆਧਿ ਧਿ ਦੱਧ ਜਿ ਤਿ ਟੋਭਨ ਪਿਠ ਥੋਵਮੁਤ ਓਸੁਸ। ਨਾਥ ਜੀ ਯਸ ਸੂਤਿਆਂ ਕਥ ਕਰਾਨ ਨਨਿਆਮ ਅਵਹਿੰਦ ਅਲਾਕੁ ਛੁਖ ਤੱਲੀਮਿ ਲਿਆਹਜੁ ਪਥ ਖੋਰੁ ਅਲਾਕੁ ਕਰਾਰ ਦ੍ਰਹਤਮੁਤ। ਲਿਆਹਜ਼ਾ ਛਿ ਅੱਮ੍ਯ ਸੁਂਦਿਸ ਸਵਨੁ ਗੋਬਰਿਸ ਓਪੁਨ ਮੈਰਿਟੁ ਬਜਾਧਿ ਆਰ-ਬੀ-ਏ ਕਟਾਗਰੀ ਮੰਜ਼ ਡਾਕਟ੍ਰੀ ਸੀਟ ਮੀਜਮੁਚ। ਪਾਨਸ ਸੂਤਿਆਂ ਸੂਚੁਮ ਪਜੀ ਛੁ ਨਾਥ ਜੀਧਸ ਤੁਰਫੁ ਧਕੁ ਅਥਸ ਮੰਜ਼।

ਲਲੁ ਵਾਖ

ਸ਼ਿਵ ਛੁਧ ਥਲਿ ਥਲਿ ਰੋਜ਼ਾਨ
ਮੋ ਜਾਨ ਛੁੱਦ ਤੁ ਮੁਸਲਮਾਨ
ਤੁਕ ਹਹ ਛੁਖ ਤੁ ਪਾਨ ਪ੍ਰਜੁਨਾਵ
ਸਵਧ ਛਧ ਸਾਹਿਬਸ ਜਾਂਨੀ ਜਾਨ।

ਵਾਖ ਪੱਖਿ ਤੁ ਪੜਨਾਂਵਿਵ
ਧਿ ਛੁ ਤੁਹੁੰਦ ਪਨੁਨ ਮੈਗਯੀਨ



नदहर

- रोशन लाल भट ‘रोशन’

पंडिता सॉब सेशन जज द्राव गरि। न्यबर नीरिथुय बुछुन ल्वम्बु काख सङ्किप्यठ अंद कुन बिहिथ तु द्राव कथ ताम मिटिंगि मंज़। दृष्टि त्रैये घन्टु पतु वापस यिथ बुछुन ल्वम्बु काख तॅत्यथुय बिहिथ, यि आस नु जुँखनु तु प्रुछुन तस, “तोह्य क्या करान येत्यन”। बु माहरा छुस निकस (पनुनिस जुरिस) प्रारान तॅम्य त्रोवुस येत्यन तु दोपनम बु वोतुस। ल्वम्बु काकन द्युत व्वशा त्रौविथ जवाब। पंडिता सॉबन प्रुछ ल्वम्बु काकस पताह तु अंदर अँचिथ करनोवुन फोनस प्यठ पताह मोलूम युस सॉही ओस। पंडिता सॉबन कोर ल्वम्बु काख आटूहस मंज़ पनुनिस अँकिस वॅकील दोस्तस निश रवान। वॅकील सॉबन त्रोव सु पनुनि गरि तु तसुंदिस नेचिविस दोपुन अदालथ वातुन। पंडिता सॉबन त्रोव तसुंद नेचुव अदालतस मंज़ यि दॅप्य ज़ि ति छौबिथ, चोबुय योत थॅव्य नस बकाया। वॅचिं ताम दोह्य गव पंडिता सॉब तिहुन्द गरु तु ल्वम्बु काकुनिस जुरिस प्रुछुन।

“मे माहरा वोन पापन यि त्रावुन बस अडस प्यठ पंजाब गाडि मंज़ योत वाति तु तोत मगर मे छु अँम्य सुन्द प्रेम तु मे ज्ञोन पंजाबु रावि तु त्रोवुम अमफला।” ल्वम्बु काकुन्य जुर्य द्युत अडु कजि ज्ञेवि खूच्य खूच्य जवाब।

तति प्यठु छु ल्वम्बु काख गरी बिहिथ। कुस ल्वम्बु काख यस बुछिथ तेलि नदहरन्य नठ अचान ऑस।

ललु वाख

ग्रटु छु फेरान ज़ेरे ज़ेर
अवहकुय ज्ञानि ग्रटुक छ़ल
ग्रटु येलि फेरि तु ज़ॉव्युल नेरे
गू वाति पानय ग्रटु बल ॥



मॉल

- रहीम रहबर

द्वह लूस तु तापु टेक्यवॅर सिरियस अथस थफ तु द्रायि रॉच्च हुन्द मॉलु बुछिनि। मॉलस मंज़ आसु वारयाह टालु सजाँविथ। कैंचन टालन प्यठ ऑस्य मॉर्य मैद्य खाब यीरनु यिवान। कैंचन टालन प्यठ ऑस्य खाब लूटनुक्य मन्जर दुंर्ठ्य गछान। कैह टालु ऑस्य तिम ति यिमन प्यठ ज्ञाथ दस्तरखानन बॉगरान ऑस्य। कैंचन टालन प्यठ ऑस्य बुठ रलान, रवय समान तु नजर रोटु गछान। कैंचन टालन प्यठ ऑस्य लुख सोचि सफन प्यठ मॉर्यमैद्य आकार गरान।

ऑकिस टालस प्यठ ओस बदलुय समाँ। तॉरीख ऑस वरकु वरकु गछान। अछर ऑस्य वरख चापान। ऑकिस टालस प्यठ ओस लफज्जन लफज्जुत रावान। ऑकिस टालस प्यठ ऑस्य कम ताम अछरु सरस अनि खलि मत्येमुत्य। अर्य अछर ऑस्य ज़र्य गछान तु ज़र्य अछर ऑस्य वॅल्य गछान। पतु यिम लफुज्ज पथ कुन रोजान ऑस्य तिमन ओस मानि रावान। ऑकिस टालस प्यठ ओस सुह छावजि द्वद चवान। गुरिस ओस होस नखस। सोर ओस मोरु सुन्द ताज दिथ। हापुच तु गॅब ऑस्य ऑक्यसुय बानस खैवान। ऑकिस जायि ओस आदम्य रतस सख चलेजाव। अथ टालस प्यठ ऑस स्यठा बीड तु लुख ऑस्य टोर्यव टोर्यव चवान। तिमि टालुक मनजर ओस हॉबतनाख, यथ प्यठ माजन बबु चटान ऑस्य। शीर ख्वार शुर्यन ऑस्य बडि सुचु सुत्य ज़िंदय वुठन टेब दिवान। पतु ऑसिख शंजव सुत्य राननमोसूम रानन माज तुलान। ऑकिस टालस प्यठ आसु अनहॉर्यशि कोरि दैर्य गॅड्य गॅड्य रोफ करान। तिम असु मंजु ढैहरान तु दिलस चटुवन्य बाख छटान। डेकु लगयो दरदिलो। तिमन ओस अशि वानि श्रान गछान।

ऑकिस टालस प्यठ ओस महजूर कॉशिरि शॉयिरि प्यठ मरसी लेखान यथ शारुत रोव। बैयिस ऑकिस टालस प्यठ ओस रसुल मीर ऑकिस जमॉच ग्रावु ग्राव करान। यि जमाथ ऑस नवि पुषि हुंज नकाल तिम शॉयिर यिम शारु चूर वॅरिथ सस्तु शरतस लॉर्य छि आसान। पर वातजि हुन्द मनजर ओस करबनाख। स्व बदज्जाथ ऑस कुमर्यन, कोस्तर्यन अकि अकि बोस चटान, ऑछ कडान तु तिमन तिकि तिकि माज ख्यवान।

तिमि टालुक मनजर कोताह करबु कूठ ओस यथ प्यठ ऑदीबन ब्रैड्य त्रावान

ऑँस्य । जिंदन ऑसिख ॲछ कडान । हॅच्य चटान.....पतु ऑसिख लॉय लॉय अडुमॉर्य
करान तु अवु पतु ज्यव चटान ।

रॉच्च हुंदिस अथ मॉलस मंज ओस ॲकिस टालस प्यठ गाश कुनुन । पोज़ कांह ति
खेरीदारा ओस नु अथ गाशस माज्जान । ॲकिस लीलाम गरस प्यठ ऑस्य नीम शबुक्यत
हावस ख्वटचन पॉसन लीलाम गछान । गाशि चादरन ऑस्य सियाह चादरु बदल हेवान यि
ति ओस मॉलुक अख मनज्जर ।

यि मॉलु वोत रॉच्च हुंजि त्रेयि बजि अंद । येलि तापु टेक्य सिरियि अथस थफ वॅरिथ
वापस खूल । तारख ऑस्य त्यूत काल सिरियस दैर्य गॅङ्ड्य गॅङ्ड्य वनुवान । यूत काल
सिरियि पनुनिस मुकामस प्यठ वोत ।

कॉशुर पॅरिव तु लीखिव ।
कॉशरि ज्बाँन्य बॅरिव लोल ।

ललु वाख

कुस मरि तु कसू मारन
मरि कुस तय मारन कस
युस हरु हरु त्रॉविथ गरु गरु करे
अदु सु मरि तय मारन तस ॥



जु नज़म

- मोती लाल 'नाज़'

१

नोव जन्म

अथु परनाँविथ
 कथु केह बोज़म
 जलर्यव थोवमुत वूनिथ जाल
 पनु दावन हुंज खुर्य कांगुर हिश
 प्रथ रुखि कदमस कदमस छेन
 केंचन ग्रेहद्यन हुन्द जन वैह खेथ
 मोठुन गोमुत
 केह रुखु जन जेनु ब्रोठुय गमुचु रॉस्य
 वुछवय, यिथुकन्य रुखु संसारा
 केह हजि, केह कजि केह बजि वाराह
 केंचन गुनि छनु ख्वखजी त्रावान
 केह गुनि बाशि करानुय जन
 केह छि दपान ह्योर खसुहव
 दफ छि नु हेरन पॉव्य
 केह छि दपान
 अँस्य वाशा कडुहव
 कॉलिब क्रुठ्य
 वुछवय यिथुकन्य
 अख ति रुखा छेनु सरि सोबूथ
 कथताम रुखि दफ शाहस खसुवस
 येमि किन्य गुनि छुस जिंदु रूझिथ

यिम रुखु वुछवय, बुछिनि यिवान छम
बु ति छुस रुखु सोदरस मंज ग्वतु दिथ
दृहदिश नोव नोव जन्म हेवान ॥

२

दस्तार

रंगुर्य वानस प्यठ वॉतिथ
येलि तॅम्य बैबि मंजु
म्वठु ग्वगुज वैरिथ
लाटव वौथमुत दस्तार
न्यबर कोड तु वोनुन रंगरस
यथ ओस रंग दिथ मायि फशा करुन
तु ओबर चमक दिन्य
युथ ज्ञन यि गंडनु यियि
रंगुर प्यव अस्मानु
तु
बे पछ हॉरॉन्य अँछव
कॅरुन अँमिस हैरि ब्वन नज्जराह
तु प्रुछनस
तोह्य कमि दीशि प्यठु आमुत्य
अज्ज कुस छु दस्तार गंडान
दस्तार छि चामुत्य ख्वत्यन
दस्तारन रूज नु कदरुय
दस्तारन गैयि रब
दस्तारुय गैय बे यज्ञथ ॥

असवुनि ह्वंजि

- बाल कृष्ण संयासी

तुलु कुलि प्यठु सुबहॉय चॅट कावन
तुल ख्यथ तौंति मंजय त्रॉवुन

असवुनि ह्वंजि छि यि वसवुनि क्वलि प्यठ
 न्नालु कोडुस दोल गिरदाबन
 खसवुनि नावि द्युतुन अथु खेंच बोठ
 कावु शृप्यव रेंट पानस सँड्य
 लाय पेंटुस बर मंदिन्यन सेकि मंज़
 नेरि यि अति व्वन्य गटु रॉच्चन
 असवुनि ह्वंजि छि यि पशपान नूराह
 ऑविज ज्ञाविज तुलु मूराह
 भुचुक गव नु यि कावस वावस
 नूर छु त्रावान गाह तरफातन
 तुल पारज्ज खेयिहस कुल कति रुद
 चंजि चंजि गछि, गछि व्वडु चेंड कूराह
 लतुम्बंजि करनस अड़रातन
 बु ति व्वंदु अम्म्य सुन्द तवु किन्य शूंकुम
 क्वलु बुज्य गछिहे नु फचलिहे लॅड
 खेंड फुट लेज मा दानस खाँरुन
 सूर लेजाह थॉवुन बरु तल
 असवुनि ह्वंजि छि यि माह मीठच करनस
 केंड्य तिम अचनस शुर्य पानस
 लोलु चुहा दिन, कथ दिन, क्याह दिन
 अडुख्यव गॉमुच तुलु मूराह
 असवुनि लंजि, अथ लंजि, चंजि लायेन
 घटु ज्ञोल अनि छिपि वावस यूर्य
 शुबचि प्रवु वुछिथुय ब्रेड्य कडनस
 भर थव नस दिथ गछि कारत हूर
 वावु व्व यितु चुय कावाह लॉगिथ
 तोति बरुन, क्वलि मंज त्रावुन
 मेछर छुस नु तु टेठुरावुन्य छे नु
 नूर्य नतु गछि नारुय नार
 ऑदी क्वलि मंजु खेंच बैयि त्रावुन
 गिंदुनाव्यस गुथ ठिनुय तल ॥

ਜੁ ਗ਼ਜ਼ਲ

- ਸੁਨੀਤਾ ਰੈਨਾ

(੧)

ਯੋਵਿ ਜੀਠਿ ਸ਼ਵਖਨ ਵਰਤੋਵਿ ਨੁ ਜਾਂਹ
ਬੋਧਿ ਗਾਥਿ ਲੁਧਵ ਠੱਠੇ ਥੋਵਿ ਨੁ ਜਾਂਹ ॥
ਤਾਂ ਰੀਖ ਸਪੁਦਾ ਲਾਚਾਰ ਮਗਰ
ਅਸਿ ਜੁਵਨੁਕਧ ਮਾਨੇ ਤ੍ਰਾਵਿ ਨੁ ਜਾਂਹ ॥
ਇਨਕਾਰੁਚ ਯੋਵ ਛੇਨੁ ਕਾਂਸੀ ਪਨੁਨਚ
ਏਹਸਾਸਨ ਧਿਮ ਵੁਜ਼ਨੋਵਿ ਨੁ ਜਾਂਹ ॥
ਬਾਰੋਚ ਵੁਤ ਸਸਧਨ ਧੂਤ ਵਛਰ
ਲਫਜਨ ਹੁਂਦਾ ਮਾਨੇ ਵਰਾਵਿ ਨੁ ਜਾਂਹ ॥
ਪੜਖੁਕ ਆਲਮ ਨੀਲਾਮ ਸਪੁਦ
ਅਸਿ ਪੀਰ ਤੁ ਰੋਝ ਮਨਸਾਵਿ ਨੁ ਜਾਂਹ ॥
ਕਦ ਪ੍ਰਾਂਨਿ ਤੁ ਹਫੁ ਅੱਖ ਦ੍ਰਾਧਿ ਨੁ ਜਾਂਹ
ਜਿਠਿ ਮਾਂਨਿ ਤੁ ਅਸਿ ਲਕਟੋਵਿ ਨੁ ਜਾਂਹ ॥

(੨)

ਨਜ਼ਰਿ ਡੋਲ ਤਧ ਚੋਤੁ ਦ੍ਰਾਵ ਕੁਸ ਤਧ ਕਸ ਖਬਰ
ਵਖ ਛੁ ਚਲੁਵੁਨ ਆਬ ਛਲੁਵੁਨ ਛਸ ਖਬਰ ॥
ਪ੍ਰਾਵਨੁਕਧ ਮਕਸਦ ਤੁ ਅਡੁਲੋਚ ਜਾਨ ਹਾਥ
ਦ੍ਰਾਵ ਆਦਮ ਤਧ ਵੱਹਿਥ ਬਦਲੁਧ ਕਦਰ ॥
ਜਾਂਨਿ ਛਾ ਕਾਂਹ ਕਦ ਤੁ ਪਿਲਨੁਚ ਰਾਧ ਹਾਥ
ਨੇਰਿਹੇ ਆਦਮ ਤੁ ਅਨਿਹੇ ਮਵਲੁ ਥਜ਼ਰ ॥
ਦਾਮਨਸ ਯੈਲਿ ਜੱਥੇ ਤੁ ਕਤਰਵ ਪ੍ਰੋਵ ਰਾਂਗ
ਨਤੁ ਛੁ ਕਤਰਨ ਹੁਨਚ ਵੋਜੂਦਧ ਆੱਰੁਚਰ ॥
ਤਸ ਛੁ ਚੋਸ਼ਮਨ ਆਬ ਨਜ਼ਰਨ ਮੰਜ ਜਹਾਨ
ਤਸ ਛੇ ਪਰਦਨ ਹੁੰਜ ਨਜਰ ਪਨੁਨਧਨ ਅਂਦਰ ॥



ग़ज़ल

- हामिदी काश्मीरा

कॉसि मा रवह रकानु तँम्य सुन्द ओस
 क्याह पज़र क्याह गुमानु तँम्य सुन्द ओस
 वाति हा मे कुस दादो पॅर्ययादस
 पानु ओसुय जमानु तँम्य सुन्द ओस
 ओस दूर्योमुत सु कर तामथ
 मुशुक युथ तानु तानु वँम्य सुन्द ओस
 चायि नठ नठ सतन कोहिस्तानन
 चालि हा कुस यि बानु वँम्य सुन्द ओस
 मुच़र हा ज़ैव थेकुन मे क्याह ओसुम
 द्युत यि कम कासु ओस वँम्य सुन्द ओस
 वातु हा कर बु गाशि संगरन प्यठ
 दस ब दस ग़ौयिबानु वँम्य सुन्द ओस

ग़ज़ल

- रुही जान

जन कलम दानन लीछमुच़ किताब मे छॉपुय
 अथ मंज़ छु प्रोन सु निसाब मे छॉपुय।
 वँम्य ताम वोन ज़नु डबि छे मुचरिथ प्रॉन्च दॉर
 बँल्य आँस म्याने विज़ि थॅविथ निकाब मे छॉपुय।
 तिथ्य कँड्य चै वथराँविथ वतन दगि सृत्य मे वोथ औश
 थरि सृत्य अथव मंजु पेयम ग्वलाब मे छॉपुय।
 दुबारु सजुम खत मे तथ मंज लीख्य बदल स्वाल
 दुबारु म्यूलुम प्रोन सुय जवाब मे छॉपुय।
 मे लोल बाजरय म्वखतु ह्योतुम प्वखतु कोरमस पन
 चु हय पन चटख म्वखतु गछि खराब मे छॉपुय।
 मे रॅम्ब्य आरस खोर त्रोवुम आब वुछुम कम
 मंजस वॉतिथ प्यठय यियि सँहलाब मे छॉपुय।

दिख मरगुजारन वैन्य मगर बु मा यिमु वापस
 चु छख तु कबरि पोश या ग्वलाब मे छॉपुय।
 द्राग च्लान पैंज्य पॉर्च्य मगर दाग छु नु च्लान
 मॅशरावु सॉरी दाग छलि आब मे छॉपुय।
 मॅशराव रुही लोलु बाग्स बैयि यियि सबजार
 जन वुछ मे क्याहताम राथ क्युत खाब मे छॉपुय।

ग़ज़ल

- अशोक 'गवहर'

लुकु हुंज कथु कथ बूजिथ रुजुस ज्ञुवनुच आश
 वछ पुचरॉविथ मा हेकि हॉविथ जिगरुक्य खाश ॥
 सॉतुक परतव पैयिहे, गुलशन बैयि पचलिहे
 पथ वन प्योमुत बुलबुल कडिहे पखनुय वाश ॥
 गॉफिल प्रारान वुजमल गछि कैह अथि यियिहे
 आँक्लुल प्रारान स्वंजल फ्वलि दियि सतु रँग्य गाश ॥
 ज़ॉलिम इनसान दिथ गव बुतरॉच जामन चाख
 अशराफव वुछ दीदव सपदान ज्ञीवन नाश ॥
 सॉतु रैलिथ खाकस तु फोलिथ गछि मायि रटुन
 नतु क्याह हरदस लोनुन कुछि मंज थावन्य हाश ॥
 जुव नीरिथ तेय लूकव वोनुहोस वुनि छु असान
 जानि दंदानुय युस गव ह्याथ कथ करनुच आश ॥
 बोज्या, म्वरदस वनुहायेति छी म्वरदय योत
 सुति म्वरदा यस रोव ज़िंदसुय दाश नदाश ॥
 ठानु खज्जानस तुल्य तुल्य छु नु यज्जदानस रॉज्य
 हलमस बरनुक छु नु इनसानस पानस बाश ॥
 दाना छु नु बे अमलुय वनि हे अमलावव
 जान छु 'गवहर गवडु हेन्य हरफस हरफस त्राश ॥



ਜੁ ਗ਼ਜ਼ਲ

- ਰਵਿੰਦਰ ਰਹੀ

(੧)

ਤੋਤਨ ਵੱਤਿਥ ਤਿ ਮਾ ਜੋਨੁਸ ਜਮੀਨਨ
ਸ਼ੁਕੁਰ ਅਦੁ ਦਿਚ਼ ਗਵੋਛੀ ਆਸਮਾਨਨ ।

ਵਖੁਤ ਕਤਿ ਕੋਰ ਵੱਤਿਥ ਤੋਤਿ ਅਨਕਾ
ਸ਼ਮਯ ਰੁਣਿਥ ਬੱਨਿਥ ਆਸੁਤ ਜ਼ਮਾਨਨ ॥

ਘਰਨ ਬਤੁ ਜੂਲ ਓਸੁਖ ਨੂਰ ਬਾਸਾਨ
ਵੁਛਿਵ ਗਾਸਾਸ ਅੰਦਰ ਗਟੁ ਜੂਲ ਮਕਾਨਨ ॥

ਧਿ ਮਾ ਮਂਦੋਰ ਬੱਲਧ ਅਜ਼ ਧੀਚ਼ ਸ਼ੋਲਾਨ
ਗੱਲਿਥ ਨਮ ਚ੍ਰਮ ਅਦਧ ਪ੍ਰਾਵ ਵਾਰਿ ਦਾਨਨ ॥

ਛਿਹਾਨ ਕਥ ਧੂਤ ਕਵਨ੍ਯ ਆਲਮ ਧਿ ਪੱਧਾਨ
ਵੁਛਨ ਗਛ ਸ਼ਾਨਿ ਨਜ਼ਰੀ ਦੀਦਮਾਨਨ ॥

ਛਿਹਸ ਨਾ ਕਵਨ੍ਯ ਕਰਾਨ ਅਦੁ ਵਧੂਰ ਤੁਲਨਾਹ
ਮਗਰ ਸਾਗੁਨੋਵਮੁਤ ਛੁਧ ਸ਼੍ਵੋਨ੍ਯ ਖੂਨਨ ॥

(੨)

ਬੁ ਛੁਸ ਲਫ਼ਜਨ ਦਿਵਾਨ ਅਜ਼ ਪਾਨੁ ਮਾਨੇ
ਧਿਮਨ ਮਤਲਬ ਬਦਲ ਧਥ ਰਾਜ਼ਦਾਨੇ ॥

ਧਸੁਧ ਨੱਰ ਵੱਛੇ ਜ਼ਮਾਨਸ ਰਖ ਤੱਮਿਸ ਕੁਨ
ਸ਼ਾਰਾਫਤ ਹਾਂਵ ਧੋਲਿ ਲੋਗ ਪਾਨੁ ਵਾਨੇ ॥

ਯੋਲੀ ਦੋਰ ਮੌਗ ਤੁ ਤ੍ਰੋਵੁਨ ਰੁਦੁ ਬਾਰਾਨ
ਵਸਾਨ ਹੋਰਿ ਧਟੁ ਕਥ ਵਖ ਕਮ ਰੁਦੁ ਸ਼ਾਨੇ ॥

ਖਬਰ ਕਾਂਚਾਹ ਕਰਾਨ ਗੱਛਿਤਨ ਸੁ ਮੈਹਨਥ
ਬਨਾਨ ਗਛਿ ਤੀ ਲੀਖਿਥ ਆਸਧਸ ਧਿ ਲਾਨੇ ॥

ਜ਼ਮਾਨਧ ਤਧੁਥ ਨ ਜ਼ਾਨੁਨ ਤਧ ਨ ਮਾਨੁਨ
ਸੁ ਤਸ ਅਦੁ ਮਾਨਿ ਕਧ ਯੁਸ ਧਸ ਨੁ ਜਾਨੇ ॥

ग़ज़ल

- अशोक सराफ घायल

सिरियन ल्वल खोल कारर असमानस, प्रथ कांह पानस पानस ओस
 म्यथरन शथरन ठन्य गव बानस, प्रथ कांह पानस पानस ओस।
 येलि तेलि अनिगटि दामन दारल दुन, तेलि तेलि प्रजुल्योव असमॉन्य थाल
 शेंखु शब्दा गव मंज़ बुतखानस, प्रथ कांह पानस पानस ओस।
 औबुच चादर दूँछिथ मुच्चुरन, गाशि फोताह ह्यथ बाज़र द्राव
 बुतराँच गाह प्यव त्व्यंगुल दानस, प्रथ कांह पानस पानस ओस।
 सुय येलि येछि तेलि अँछ त्रकरावि सु, सुय येलि येछि करि मंदिन्यन शाम
 सुय हेकि पश दिथ शीशि मकानस, प्रथ कांह पानस पानस ओस।
 छायि गित्यन मंज़ घॉयिल त्रैहर्योव, गीरिथ गीरान यीरान रोव
 ऑँखुर यिथ प्यव निश म्वयखानस, प्रथ कांह पानस पानस ओस।

ज़ु ग़ज़लु

- मोती लाल मसरुफ

१

प्यव ति नु हरगाह यि थनु हरुफ
 दाम, ति कमि वानु अनु हरुफ ॥

वॉसि यिथ ति वाश कथि नु कोड
 गव अवय यि मालि छ्यनु हरुफ ॥

मंगु दुआ शबस तु बनि यि खॉर
 ज्यव यि कांह दियम तु बनि हरुफ ॥

प्यव सियाह पद्यन प्युठय पकुन
 आव येलि ति यि हुरवनु हरुफ ॥

प्रथ नज़र लागर गेंमुच मसरुफ
 खोफ ह्युव फेरान वनु हरुफ ॥

२

शकलुय छेन्य खदु खाल पथर
 वैस्य प्यव बामुय डाल पथर ॥

लेखुन ह्यारत अनवानुय डोल
 लरि प्यव खफतु खयाल पथर ॥
 व्यतरिम ज़िंदु पानय पादाश
 दामन तुरु गव नाल पथर ॥
 विह्य यिम दृहली गॅयि गासस
 गटि मंज़ अथु प्यव लाल पथर ॥
 ज़िंदु थैव मसरूफु शय खाबुच
 तोति दैजिथ प्यव फाल पथर ॥

जु ग़ज़लु

- अवतार कृष्ण 'नाज़'

१

नय छुम आकाश नय बुतराथ
 नय छुम दृह कुनि नय छम राथ ॥
 नामावारन नावुय रोव
 अथु वथ रॉविथ वुछ ग्वनमाथ ॥
 खुर आव समुस वख गोव क्रूठ
 बदलुय नैन्य गॅयि आदम्य ज्ञाथ ॥
 लोलस लोलुच छे नु कांह ब्यय
 प्रारान छुस कर यियि रयत साथ ॥
 बै बुथ्य शहरस मंज़ बुथ रोव
 'नाज़स रॉवमुच वुछ कथ बाथ ॥

२

कथ नु वनुम मेय येति दिच् तन
 आयि छेनिथ मेय औमी पन ॥
 मुमकिन छा फ्वलि तारख नब
 येति सपद्यव वॉरान चमन ॥
 द्वाछि द्वाछि वैर्य तव औही तस
 येम्य सुंज असि वुनि आश शहन ॥
 कनि प्यठ वैन्य मा दैरिथ दिच्
 असि व्वथरोव येति पान वतन ॥

नामु तस लोलुक्य सूजिम नाज़
सूर बैनिस प्यठ डेर तिमन ॥

सिरियि

- त्रिलोकी नाथ 'कुन्दन'

सोदरु मंजु सिरियि खोत कमि अनुमानय, जनतु आव पानु बगवानय सोन ।
जुचु तस अँद्य अँद्य क्याह छि प्रज्ञलानय, जनतु आव पानु बगवानय सोन ।
सथ रंग सथ गुर्य रथु शुबानय,
गाश तय वुशिनेर असि दिवानय,
स्वनु रंगु वुछतस तन क्याह जानय,
नाजान डीशिथ पनुनुय पानय,
देय दोह पकु पख छस आसानय
अंगु अंगु रंगु रंगु छुय ज्ञोतानय
दपिसुन्द नोन रुफ तस छि वनानय
गाशुर वुछतन गटु छु चॅलुरानय
ओबरस तु सोदरस यि छु रंगुरानय
असलस तु फरहस नोन सु कडानय
ज़गतुक चोंग छुय सिरियि बगवानय
प्रथ कांह चीज़ छुय यति वोपदानय
ज़ून तय तारख पतु लारॉनय
माजि ब्यनि सानि छस शोकु वनुवानय
रंगु बोंगलनुय करान ऑनु खानय
वुशनावान असि प्रथकांह तानय
ओबरस छायि येलि कुनि रोजानय
रोगि रोगि पतु छुय बुथ हावानय
क्यॉम्य क्रील सॉरी छुय गालानय
पूजू कर अँम्यसुय हयो अनज़ॉनय
अँड्य छिस सुबहस अर्ग दिवानय
अँड्य छा ठहरान अॅमिस डेशानय
'कुन्दन' स्वरतन चुति लोलु सानय
लोति लोति खोत तेथ्य प्यठ असमान,
जनतु आव पानु बगवानय सोन ।
पॉनिस मंज छुय डेशान रवय,
जनतु आव पानु बगवानय सोन ।
शामनस छुय गछान अन्तर द्यान,
जनतु आव पानु बगवानय सोन ।
त्रन वखतन छिस करान अँस्य पूज,
जनतु आव पानु बगवानय सोन ।
गाह छु त्रावानय यति चोवापोर,
जनतु आव पानु बगवानय सोन ।
तॅम्यसँदी सुत्य छुय आसुन सोन,
जनतु आव पानु बगवानय सोन ।
क्याह सना दीना असि सुय गाश ?
जनत आव पानु बगवानय सोन ।
प्रज्ञलान येलि सुय बर मंदिन्यस,
जनतु आव पानु बगवानय सोन ।
गटुहिश सपदान छय चोवापोर,
जनतु आव पानु बगवानय सोन ।
सॉनिस सेहतस करान सुय रॉछ्य,
जनतु आव पानु बगवानय सोन ।
अँड्य छिस लागान लोलुक्य पोश,
जनतु आव पानु बगवानय सोन ।
त्युथ छुस टाकारु गाह तय तीज़,
जनतु आव पानु बगवानय सोन ॥

तुर पचि

- रोशन सराफ ‘रोशि रोशि’

छेंर्य अथु मै चंदु खॉल्य, सवॉल्य आमुत बरु तल
 छेनिमुत्य प्रानुवार नॉल्य, सवॉल्य आमुत बरु तल ।
 देहक्यन दाद्यन चूरि ललुवन, दलवन तल चाख समय
 र्वपु तनि गॅमुत्य परगॉल्य, सवॉल्य आमुत बरु तल ।
 बूज्यमुत छुख सखा, दवा दाद्यन दिवान
 दॉद्य ह्यथ फेरान बॉल्य बॉल्य, सवॉल्य आमुत बरु तल ।.
 सँदरु बुथि बु बिहिथ बटि, नटि छिम प्रान तर किथु अपोर
 वैल्यमुत्यव मलकव लॉजमुच दमॉल्य, सवॉल्य मुत बरु तल ।
 नाल वोलमुत खुर्यलद ज्ञालव, जंजालव काररमुत गीर
 मोत जन गारमुत वुबॉलग्य, सवॉल्य मुत बरु तल ।
 वोटुम गरदि गुबार शरतलि, सरतलि स्वनु ब्राँच खाम तमाह
 नादारि हुंद्य अयाँ तुतवॉल्य, सवॉल्य आमुत बरु तल ।
 रुनेमत्यन ज्ञचन दजि त्रोप, चौप ऑविलिस रतुदॉव्य
 ल्वति पॉर्च्य वुह्य वाह्य मै चॉल्य, सवॉल्य मुत बरु तल ।
 सौंतु सौंतय हहुद लोगमुत ज़ज्योमुत ‘रोशि रोशि’ पंपोश
 मंदुछोमुत निमु क्या ग्वरस डॉल्य, सवॉल्य आमुत बरु तल ।

अख गज़ुल तु नज़ुम

- रोशन लाल ‘रोशन’

१

त्रॉविव ज़खमन क्रोर तुलुन, व्वन्य बदल कॅरिव कथा
 फिर्य फिर्य प्रॉनिस फ्युर क्या द्युन, व्वन्य बदल कॅरिव कथा ॥
 कोसम, यैबुरजल, विरिकुम्य तय टेकु बटुन्य
 जल, कुमुर्य, कोस्तर्य ग्युन, व्वन्य बदल कॅरिव कथा ॥

छम्बव, छार्यव, खम्बर्यव पैकिथ सथ सोरेमुच
 सोंतुक मुशकुन, हरदस चितरुन, वन्य बदल वॅरिव कथा ॥
 दोदमुत क्या दजि दैदवनसुय छेस हॉल गॅमच
 बारव, गव वकवरन म्वखतु छकुन, वन्य बदल वॅरिव कथा ॥
 द्वद कुनिथ गॅयि गोरि तिमय, यिम तुलुहान बूझ
 याद रुनेमुच, तुरुन असुन, वन्य बदल वॅरिव कथा ॥
 तसवीरन मंज केंछा रुद तु यादन मंज अवेज्ञान
 ‘रोशन’ बॅल्य अफसूस मलुन, वन्य बदल वॅरिव कथा ॥

२

तेलि वन चु कुस

वन्य वॅन्य अज्जताम नाहक्रय थ्योकुस

हु कुस बु कुस तेलि वन चु कुस ॥

दुसु पैट रुनेमुच छस वैलिथ लुकन वनान अफरवट
 पान असलुचि वति छु डैलिथ चरि हीरोहस छस अच्चान नठ
 चुपंजि च्लान निवान हैठ कनु त्रकुरा येलि ब्रूंठ्य पोकुस
 वॅन्य वॅन्य अज्जताम नाहक्रय थ्योकुस हु कुस बु कुस तेलि वन चु कुस ।

बेकलन हुंजु माजि नय प्रसन, आँकलन हुंदी गरु किथु खसन
 पैजियाँरिस बॅल्य जेवुय थकन, अपज्योर करान पनुन्य खलन
 स्वनस सरतल, सरतलि स्वन गव अजहैल्य लूकन मंज बाग लारगुस
 वॅन्य वॅन्य अज्जताम नाहक्रय थ्योकुस हु कुस बु कुस तेलि वन चु कुस ॥

बी- डी चवान पिता जी, ज्जीनुक पतलून मौंग रोज्जी
 वैलन टाइन द्रायि बाबी, पीज्ञा बॅरगर ख्यथ यियि फ्री
 गरस सोंचन त्रायी व्यारन, बेटन पैत्य किन्य फिलटर फुकुस
 वॅन्य वॅन्य अज्जताम नाहक्रय थ्योकुस हु कुस बु कुस तेलि वन चु कुस ।

जेवु रोद अगादि येलि गव तैमिस दुतु मा पोर्योस चैटनस नस

दैहन मंजबाग खैजिल काररुन जँमीन वैसिथ गॅयि ना तस

शराफतस दुनन लैगिथ बुठन टेब ह्युरुय होखुस

वॅन्य वॅन्य अज्जताम नाहक्रय थ्योकुस हु कुस बु कुस तेलि वन चु कुस ।

होमिस वन्याम छोटुय पख, नस खेंच तालि आयस चख
 बुथ चोंखराँविथ, होप दोप वैरिथ बीठ यीचाह खेंचुस जख
 तमि पतु ट्यठ मूरराँवुन किथु वैन्य, टी-वी ब्रोह कनि कोरनस ब्रोकुस
 वैन्य वैन्य अज्ञाम नाहक्य थ्योकुस हु कुस बु कुस तेलि वन चु कुस ।

तस आँस शरीफ अवसाफ कूर, मगर ट्रैनिगि सूजुन वारयाह दूर
 अनज्ञान शहहरस मंज येलि लेंज, वॉजिख नावि स्वरगुच हूर
 स्व वैछ नावि हुपौर्य किन्य, यपौर्य गरिक्यव मॅहलस थ्यारकुस
 वैन्य वैन्य अज्ञाम नाहक्य थ्योकुस हु कुस बु कुस तेलि वन चु कुस ।

‘रोशन’ वुछान बोज्ञान यी, लफजावान अदु बिलकुल ती
 गोब क्या गषि बोज्ञन वॉलिस लुतुफ तुलान छु ना प्री
 दयी योत छु बखशनहार, नतु ज्ञन वचकरन म्वखताह छोकुस
 वैन्य वैन्य अज्ञाम नाहक्य थ्योकुस हु कुस बु कुस तेलि वन चु कुस ।

लुकु बाँथ

- प्रेम नाथ शाद

हाटु पाह दीतव
 तिम कोत गाँमुत्य
 क्या करनि गाँमुत्य
 बँड मॉज कति छुव
 जामुत क्याह छुस
 नाव क्या कोवोस
 नॉल्य क्याह छुनवोस
 व्वडि क्या द्युतवोस
 स्युन क्या रोनुवोस
 सु कँहजि वारे
 गिल मा मारे
 गिल मा मारे
 रव्यय दारे

येति छु नु कांह
 बाजर गाँमुत्य
 नूनस तीलस
 कुछि प्यठ प्यामुच
 नेचिव्य पला
 सदा राम
 लोछ तु पोछ
 कोरि कलपूश
 स्वच्चल तु हाख
 गिलि हुंजि वारे
 रव्यय दारे
 रव्यय दारे

लॅडी शाह

- संतोष नादान

यनु असि केंशीरि निश म्यूल म्वकुचार ।
तनु सॉन्य दुश्मन खेंजुल तय खार ॥

पेंड पुरन त्रॉव छख सॉन्य अमानथ ।
तथ ख्यानथ करुन्य छनु इबादथ ॥

दय यछायि छेरिय तेंर्य बालु अपोर ।
आवुरोव पान बैयि शानन खोर बोर ॥

जैम्य दिच्च रोज्जन जाय चैंदि बतय ।
खुलु अँस्य मांडान रुद्य वतय ॥

अँस्य लॅग्य तूरय कुन छेनु गैयि सेंद ।
व्यद्वानन दिच्चुख आॉसस पैंद ॥

कांह छुनु मानान पानस कमपाय ।
शीतु वुहरय कांछान पानस आय ॥

तिमन किछु रुज्ज मा गरन मंज कॉम ।
लाल आॉसु कडनय दिच्चहख नॉल्यदॉम ॥

गगर छिय मोल मॉज्य ब्रोर बन्योव शुर ।
ज़लालथ च्चालन रुद्य दारान मुर ॥

बुडन वोन बुजि आॉस राजुसी हॉल ।
राज्जव येति खेयि दकु तय दोल ॥

अनकथ वनान आॉस्य लोगुख सुसरे ।
याद पॉव्य पॉव्य ग़छान रसु किसरे ॥

वुछिम कुत्य डाक्टर कोचि मेनान ।
इंजीन्यर कॉत्या तारख ग़ञ्जरान ॥

लायख प्रोफेसर बिहिथ सरस ।
स्पठाह थॅज्ज गर्दन वुछिम टरलस ॥

गरुकुली कथन मंज छि मर्द मस ।
जनि छ्य कासान राँन्यन मस ॥

छिय दपान त्रुय म्योन्च स्यठाह दाना ।
 गरु व्यवहारस कोरुन फाना ॥
 ब्बकुवचि चरिपोप बबस करान ।
 कुन पोथुर म्योन छु फॉरीन रोजान ॥
 गाटुल क्या वनय कोताह द्राव ।
 योरु द्राव अनुहर तोरु शुर ह्याथ आव ॥
 बबस वन मेलि क्या छस नु खबरुय ।
 पानस किछु मा खैनिन कबुरुय ॥
 हावबाव गटि अँस्य आवुराँवमित्य ।
 अँदरी फिकरव गमव चैटिमित्य ॥
 खांदर असि कैर्य औलीशान ।
 कर्ज हेय हेय कौर असलस फान ॥
 मछु कलियि रोगनजोशि खसि क्या यड ।
 क्वकर गाडु मारान व्यन्य दडादड ॥
 जवान रुद्य गरि बुडु वॉत्य सालस ।
 क्या करन हेनु आयि पंग्नालस ॥
 बोवडि पोंशि बुजि बरिमैचु थालस ।
 दंदव रोस ऑस छुनु कुनि हालस ॥
 कर्मलीखायि किन्च्य वैर हिजरत ।
 अख अँकिस रुद मा कांह मातहत ॥
 कति तिम टेकिनि, साथ, कर्मलीखि ।
 दयन आसु पानु खनिमैचु रीखा ॥
 चुहुर्य वातल चायि राजु दारन ।
 अख अँक्यसुंद वैप्यख क्या कोनु नालन ॥
 वुहर्य शेयि रेत्य यिवान बॉच जु तंग ।
 पानु वैन्य यकदम छिय च्छान संग ॥
 यि छि सॉन्य मर्जी मै सॅनिव न्यायस ।
 छिनु प्रारान तुहुंदिस व्यपायस ॥
 आबुहवा वैश्शीरि हुंद ओस मोतुदिल ।
 नु ओस काँसि शिकवय नु खस्तु दिल ॥

शुर्य मा जिट्यन ऑस्य गँजरान ऑब ।
 कुंस्य डीशिथ जिट्यन ऑस्य गछान गॉब ॥
 नय ओस अपजुय नु कांह तरुगॉब ।
 बुडु वनान फीरिथ अज्ज शुरिनुय सॉब ॥
 बब मॉज तॉरीफन हुंद्य कान्ल्य दिवान ।
 दोह दोह कडुनुच वथ सादान ॥
 अतुर केह करुनय छिख लैट्य खारान ।
 वारवि यिथ ग्वडु न्वश हिसु छारान ॥
 न्वशि हशि हुंज कथ छनु कांह वयान ।
 वॉरिव गरस नु कांह गरु मानान ॥
 मानन ज्ञानन वाजनि न्वशि गुरि करान ।
 गॉबथ वैर्य वैर्य अरु अनान ॥
 केह न्वशि हशिनुय ख्वत्यन च्रानान ।
 अनकथ रुशिथ कथ करुन्य त्रावान ॥
 हशि हेहरस थाल दूरि पिलुवान ।
 पानस सति सिनि बतु ख्यवान ॥
 हर गरु मेलनय जु इंजीनर ।
 अमापोज गरु निश गॉमुत्य बेगर ॥
 दोद मनि ललुवान छि कमावान ।
 न प्रेय बबस माजि हुंज नय टबरस वातान ॥
 कुस मूद कुस रुद दियुन हिसाब गंजस ।
 अफसर प्रारान पैशनरनिस पंजस ॥
 गाश फवलुनय तति लॉनि बेहान ।
 तमाशगीर यि बुछिथ बुमन गिंदान ॥
 अनकथ चँड गजिटिड डेकि दिवान ।
 कवदुरथ ग्वनहन कोनु वुनि बख्षान ॥
 बुछिथ ऑन्य बूजिथ जँर्य छि हुकमरान ।
 कोनु जल मसलुक तिम हल कडान ॥
 हॉरान ‘नादान’ क्या छि बावान ।
 मॉज वैशीर वापस असि कोनु तारान ॥



રબિન્દર નાથ ટૈગોરનિ જુ નજુમ

તર્જમુ: મોતી લાલ નાઝ

૧

ચઠ યિ મોસુમ પોશ વન્ય મૂછર મુ કેંહ
 નિન ચેંટિથ બસ છુમ અસુક યૂતુય મે ગમ
 પ્વબ વેંસિથ હરગા યિ મેચિ બુજ્ય મા ગછ્યમ
 ય વસુ બનાવખ પન, નિ બાપથ પેણ માલ
 તથ અંદર નય જાય મેલ્યમ તોતિ ક્યાહ
 યોદ સિરિફ ચટુહખયિ બસ પનુન્યવ અથવ
 કમ થજ્જર પ્રાવ્યા યિ જન લબિ થોડ મુક્કામ
 છુય ફકત ચટુનુક ચે તકલીફુય કરુન
 તથ બખુશજ્યમ આસિ મા પેંહર્યર ક્રશર
 યુથ નુ મોસુમ અથુ લોસન અથ ચાટાન
 ચેઠ યિ મોસુમ પોશ વન્ય મૂછર મુ કેંહ
 યુથ નુ પતુ સપદ્યમ મે સ્વય ડુલ્ય બ્રોર હિશ
 વખ ડલ્યમ પૂજાયિ નિશ વાત્યમ નુ કેંહ
 બા તિ નય કાંહ લૂબુવન આસ્યમ મગર
 મુશકુ રોસ તે આસિ વેર્યજ્યસ દર ગુજર
 તોતિ કુનિ વતિ લાગતન આદન યિ છુસ
 ચઠ યિ મોસુમ પોશ વન્ય મૂછર મુ કેંહ ॥

૨

અખ ચ્યુહા પાનસ નખય વન્ય થાવતમ
 સ્યાનિ દેસ્ય અદુ વાતિ પ્રથ કાંહ કોમ અંદ
 ચોન દૂર્યર છુમ નુ કુનિ લાયખ થવાન
 ચોન દૂર્યર છુમ કરારસ સન દિવાન
 જન છિ બઠિ રોસ્ટિસ ફટાન સોદરસ અંદર

बस तिथय कन्य मेंजिलुय दूरान मे निश
 छुम नु कुनि बासान करारुक थाह पताह
 अज्ज छु आमुत सोंथ म्यॉनिस बागुसुय
 पूर ह्यथ आमुत पनुन चंगो रबाब
 देवु तवय पांपुर्य छि आमुत्य व्वलसनस
 गुलिस्तानस मंज गुलन सुत्यन गिन्दान
 बस तवय वोनमय यि वक कोताह छु जान
 चेय निशन बैहनस मगर चेय रोबरा
 पतो लाकन जिंदगी रँव्य ग्यवुन्य
 ख्याजि म्युल गोमुत छु अज्जफुरसँच फरागँच ॥

सोनम्वलुल सरमायि

वचुन

- समद मीर

न्यॅतरव चैतन यनु मालि बूजुम, मनु राजु सूजुम आनन्द ह्यथ
 जनमव नीरिप्रकाश वुजुम, मनु राजु सूजुम आनन्द ह्यथ ।
 आयू मंजु गछि प्रबाब आसुन, स्वयम इहलूकु गछि केह ह्यथ
 परिलूकु अँदरय स्वर्गस सूजुम, मनु राजु सूजुम आनन्द ह्यथ ।
 ग्वर शेष्य गव यैलि समवाद प्रावे, प्रालब्द वुध्यूगा हावे वथ
 निष्काम कर्म सुत्य शेर जन ग्रोजुम, मनु राजु सूजुम आनन्द ह्यथ ।
 काम, क्रूध, लूभ, मुह बैयि अंदु त्रोवुम, शरीर बनोवुम च्यथ जागरथ
 स्वपनु त्रुयास्वशफ त्यूजुम, मनु राजु सूजुम नन्द ह्यथ ।
 कपट, अहंकार, तरंग मॉरिम, यि पट च़ोरुम रुहन सत
 स्वपट जन सॅन्य चूरन दूजुम, मनु राजु सुजुम आनन्द ह्यथ ।
 आधिकार बोजुन मिथ्या त्रावुन, द्वह दिश थावुन सक्षी तथ
 भ्रमु कारु मो पख मुजुम मुजुम, मनु राजु सपौजुम ओनन्द ह्यथ ।
 सतज्जन नारुद्य द्यान गंडुनोवुस सूहम सु छुय अथा वथ
 प्वन्य, पाप व्यचार कुनि नो रुजुम, मनु राजु सूजुम आनन्द ह्यथ ।
 अपराध त्रॉविथ हत्या त्रॉविथ, कारन सनम्वख स्वय छुय वथ

शिन्य गोस कुनिरक्य सिरियन ब्रोजुम, मनु राजु सूजुम आनन्द ह्यथ ।
 पातालु आकाशि सँखिम हन हन, हदु संपूर्ण चोव अमर्यथ
 अदु समद मीरन पानस बूजुम मनु राजु सूजुम आनन्द ह्यथ ।

येम्य द्युत अँशकु सोदरस दम

- अहमद बटवार्य

येम्य द्युत अँशकु सोदरस दम	सपुद महरम सपुद महरम ।
दर्दस सुत्य थावतो लय	सरु कर कुल शी तु ह्य
छि दर फुरकान छि मा पिनहम	सपुद महरम सपुद महरम ।
वुछिम बॉतिल अँजिक्य दरवेश	ब मिसले बॅकरु लॉगिथ रेश
चरुस चेय चेय गॅमुत्य बरहम	सपुद महरम सपुद महरम ।
वुछिम वाराह स्यठा बॅनिथ नॅन्य	फकीर लॉगिथ फेरान नॅन्य
दिवान नाहक्य जहालुक्य दम	सपुद महरम सपुद महरम । ।
मलन बाबन वुछुम क्या चाव	कुलाह बर सर ख्वरन थॅज ख्राव
छोनुय गुफतार छि खरचावान	सपुद महरम सपुद महरम । ।
वुछुम सासु मंजु अखाह ब्बहदूर	रॅटिथ जंगल बिहिथ छुय दूर
करान यादे खादा हर दम	सपुद महरम सपुद महरम । ।
फिकिर त्रॉविथ फकीर ह्युव दम	अहमद बटवारि रोज महकम
मकर तु फकरो वनुन यकदम	सपुद महरम सपुद महरम ।

शंकर-अस्तुती

- कृष्ण जू राजदान

बंद वॅरनस बु बाशे, जगतुचि वालु वाशे ।
 म्वकुलय चानि आशे, शिवनाथु अविनाशे ॥
 बावु सुत्य निशि यिमयो, हरम्वखु वॅन्य दिमयो ।
 मुह गटि हुंदि गाशे, शिवनाथु अविनाशे ॥
 कॉलास कौहु छारथ, दारनायि द्यानु दारथ ।
 सथ च्यथ आकाशे, शिवनाथु अविनाशे ॥
 तार दिम मुहि वावस, मायायि दंरियावस ।

कड दृखु नावि पाशे, शिवनाथु अविनाशे ॥
 समसारु के सरय बो, हुरु नावु सूत्य तरय बो ।
 कास संकट च्यथ प्रकाशे, शिवनाथु अविनाशे ॥
 जपु शबनम दारे, पपि ब्योल तपु वारे ।
 कांह फोल गळि नु हाशे, शिवनाथु अविनाशे ॥



स्वखन डुस

अज्ज छुस न बु हंगु तु मंगु परेशान—१

- रत्नलाल शांत

(पॅतिमि र्यतु गव तुहुंद मनुटोट पंडिथ स्वखानंद जी महाराज अचानक गॉब। मे छोंड वारियाह मगर कुनि आव नु अथि। त्रेयि दोह्या आव फोन तु अदु नन्यव ज़ि सु छु कॅशीरि वोतमुत। खॉर बु क्याह ह्यकु तस वैनिथ या कॅरिथ। वन्य पैयिवु त्वहि ति च्यङ्क करन्य। बु वनु त्वहि सॉरुय दॅलील ज़ि क्याह क्याह सपुद मगर वारु वारु, तु रचि रचि। द्वन कुस्तन मंज, द्वन अंकन मंज। अवय तु बुछिव तोह्य ज़ि द्वन अंकन याने अवतूबर २०१६ तु जनवरी २०१७ क्यन अंकन मंज छु पंडिथ स्वखानंदुनुय चरचु मगर सु छु पानु गॉब। खॉर, दॅलील छे हॉजिर। पैरिव तु सूजिव पनुन्य राय।)

पालिटिक्सस मंज छेनु मे खास दिलचस्पी, शायद अवु किन्य ज़ि मे छे नु खशुर्य लद पाँजामन ज़ग छुनुन्य ख्वश करान। पॉलिटिक्स ओस दोहय खुर्यलद तु गंदु ओसमुत। अज्ज ति छु यि ती। प्यठु येलि कॅशीरि हुंद मामलु आसि, इनसान छु रावान। तति य्वस व्वलुहॅरिश दुश्मनन तुजमुच छे, तमि सूत्य छे राजनीती हुंजु तिमु सारेय परिभाषायि बदलेमचु, यिमु सभ्य दुनियाहस मंज व्यद्वानन मंज जाननु माननु यिवान छे। बहसियति अख गेम या खेल छे राजनीती गंदु बदसूरत बदलिहाज़ लाखॉर तु बेआर। तम्युक सबूथ ति द्वित कॅशीरी। किहीं छुनु फिकरि तरान पगाह क्युथ क्याह आसि। खॉर!

अज्ज छुस बु सिरिफ पानस साम ह्यवान, हसबि मोमूल छुस नु स्वखु जुवन्य कथ करान। अमा स्वय येति असिहे, शायद सौंचिहॉ नु ब यिथु कॅन्य। स्वखु जू छु पॅज्य किन्य मे सौंचस ति ज्ञन आॱ तु पॉर कॅरिथ आसान। सु छु मे बुछिथुय वनान बु सौंचान क्याह छुस। हालांकि बु छुस तस टड करान तु वनान ज़ि बु ओसुस बदल वयाह ताम सौंचान, मगर पतु छुम नु तसुंदिस आरग्यूयंटस ब्रोंह कनि किंही चलान। तस ब्रोंह कनि छुम

प्यवान यकरार करुन जि तसुंद अंदाज्य ओस सैंही। वुन्यक्यनस सु येत्यन न आसनु किन्य छुस पानस साम ह्यावान। बोज्वय तु राजनीती यीचाह व्यछनावनुक वजह ति छु तसुंद येत्यन न आसुन, हालांकि मेरे छु यि पकु बिहिथ जि वैशीरि हुंज मौजूद हालथ छे राजनीतिक ज्यादु तु आर्थिक कम। सिरिफ आर्थिक हय आसिहे तैलि कति आसिहे पैतिम्यन सतथन वैरियन करोर बोद तु अरबु बोद र्वपयि ख्यथ ति विजि विजि फकुलद डाकर त्रावान। खॉर, वुन्यक्यनस छुनु म्योन मकसद वैशीरि हुंज राजनीती व्यछनावुन्य, बल्कि स्वखुजू सुंजि गॉरहॉजिरी सुत्य पननि परेशॉनी हुंज कथ करुन्य।

सु छु वैशीरि। पंडिथ स्वखु जुव छु वैशीरि। (बु छुस यि अगस्तुच कथ करान। तैम्य दोप लैँडकन गछु प्रोत्साहन दिनु खॉतर) पछ खंड गोस तैत्य। सितंबर ति आव। वन्य छु तति युथ फस्योमुत जि न छुस रोजनस वार तु न चलनस। गवडु गवडु ओस फोन करान तु वन्य न छु योरुकुय फोन गछान न छु तोरुकुय यिवान। असि दप्योस यिम दोह गॅछिन पतु गछ, मगर तैमिस ओस मकसद साफ। यिमनुय दोहन छु नवजवानन होसलु दिनुक ज़रूरथ, पतु वयाह छु करुन तति? वगॉर वगॉर.... सु ओस ज़ानिथ जि हरताल गछि, ति छि खबरुय, मगर अंदरु, मतलब दोपुन कम्पस अंदर मा पैयि तम्युक असर। जंडु दिन नु खारनु ति ति छे खबरुय। मगर कमज़कम सान्यन यिमन शुर्यन मा रोज़ि बखॉलन फ्रटुतमु? यिम छि ल्वकुट्य तु अनज़ॉन्य। बस यी सूचिथ द्राव सु। तनु प्यठु छु तैत्य पैसिथ।

अथ क्याह वनव, ख्वदगरुज तु बदखाह राजनीती नतु क्याह? कंपन मंज़ रोजन वॉल्य सॉन्य नवजवान छि यि दैपिजि कॉद तति। तिम क्याह करन, ति छनु मे खबर, मगर यि बुडु मोहन्युव छु हंग तु मंगु तति बंद गोमुत, यि छे फिकिरि हुंज कथ। गॅयोव तु पतु हालात ज़्यादय खराब गछान वुछिथ फेरिहे वापस, ति छु नु स्वखुजुव करन वोल, तिति छुस बु ज़ानिथ।

अगर सु येउँ, सु हैकि ज़रूर यिथ। सॉन्य वारयाह लैँडकु आयि जोम। तिम छि तनु प्यठु परेशान, करव क्याह। येति वोतुख तनु प्यठु जदोजहद करान, हे असि वैन्यतव अँस्य करव क्याह? कमज़ोरस छि सॉरी पोशानी। ततिक्यन मुलॉजिमन छे खबर अज़ नतु पगाह यैलि थख ह्यू लगि, या हालाथ यिथ्य रोजन तिथ्य, तिमन लागिनु अथु कांह। चलनवाल्यन पतय लार करुन्य छे सैंहल आसान। अँस्य चॅल्य नमतस मंज़ तु असि सुत्य हमदरदी करनु बदलु वैरिख अँस्य सिरिफ तंग। खबर किथु वैन्य बचेयि सानि नोकरियि। खबर कस आव असि प्यठ आर। खबर कस बीठ सरसवती हैंटिस प्यठ तु अदु गॅयि असि ज़िंद रोजनुच कांह बाथ। मगर अज़ छुनु सनु नमथ। अज़ क्याह न प्यव यिमन सान्यन शुर्यन करुन? कोताह मानसिक तु शारीरिक बोर प्योख व्यतरावुन?

सान्यन यिमन पीएम पैकेज वाल्यन लॅडकन तु लॅडकियन ह्यन हिसाब, तोह्य कति आँसिवु, डिवटी त्रॉविथ क्याज्ञि चॅलिवु? मगर येलि मकानन पथराव कोरहख, तिम चॅल्य कंपव तु तथाकथित महफूज बिलडिंगव मंजु। तति गव ती यि तति अमून गछान ओस। सनु नमतस मंज वाचोव सु क्लाइमैक्सस प्यठ। अज्ञ छे स्वय हिस्ट्री बैयि दोहरावनु यिवान। युस नु हिस्ट्री निशि हेछि, तस छे स्व आंच होरान।

(जाँरी दोयिमिस (जनवरी-१७) अंकस मंज)



शुर्य अदब

खबरदार गुर

तर्जम: शम्भु नाथ भट्टु 'हलीम'

द्वहा छु बनान। अख पादर सुह ओस अँकिस गुहलिस जंगलस मंज रोज्जान। सु बुझ्योव तु रुद नु शिकार करनस लायख। द्वहु पतु द्वहु तेजेयि तस ब्बिष्टि तु ह्योतुन कमज्ञोर गछुन। सु लोग त्युथ सोंचिनि युथ तस पानस सुंब खेनुच सेँबील बनि। स्यठा सूचिथ सोरिथ आव तस अख खयाल। तमी द्वहु प्यठु ह्योत तेम्य शराफेच हुन्द वरताव हावुन। तेम्य ह्योत कॉसि ति पॅशिस कांह इज्ञा दिनु वराँय ओरु योर फेरुन। सु लोग एहतियातु सान जमॉच्च वार पश्यन निश लोब रोजुन। अगर तस कांह हयवान(पोश) कुनुय समखान ओस सु ओस तस सुत्य कथु करनि लगान। वारु वारु द्युत तेम्य पश्यन बास जि सु छु नु कैह खोफनाक। येलि जांह तस कांह पोश अलगाँबुय अथि लगिहे सु ओस तस जेफ्य त्रावान तु ओसुस खेवान। अकि द्वहु द्राव सु पादर सुह मनु पुचि शिकार छांडनि। स्यठा दरबद्दरी वॅरिथ लोब तेम्य अख गुर तु ह्यौचुन तस सुत्य कथ बाथ करन्य। पादर सुह वोथुस, 'यारु म्यानि मै निश छु त्युथ जोदूर्झ यलाज, युस कांह ति दोद बैलराँविथ हैकि। चै अगर कांह तकलीफ छुय, मै वन बु करय दूर।' गुर्य वोनुस, 'मै छि पडरन दग। बु गछु ख्वश अगरय मै चोन यलाज बराह यियि।' सुह गव ख्वश जि मै म्यूल शिकार। तेम्य ह्योत गुरिस जेफ्य लायनुक मोकु तलाश करुन। सु लोग गुरिस वनुनि, 'हावख ना चु मै पनुन्य पडर।' सु गव गुरिस पॅत्य किन्य तु ह्योतुन गुरिस पडरन मॉयिनु करनुक बहानु बनावुन। अचानक वॅर तेम्य तस जेफ्य लायिनुच कूशिश। मगर गुर ओस स्यठा खबरदार। तेम्य ओस चरुचमुत जि सुह छु फितरतु किन्य दोखु बाज। तेम्य दिच पॅतिमि जंगि सुत्य सुह सुंदिस बुथिस जोर सान लथ। सुह आव पोत वॉरी पथर लायिनु तु गुर चौल।

टोपि सौदागर तु पँज्य

तर्जमः शम्भु नाथ भट्टु 'हलीम'

दपान सु ओस अख सौदागर। सु ओस सरयि बाजर गँठिथ टोपि कुनान। अकि दृहु
कुनि तँम्य गारयाह टोपि तु दुपहर ह्युव वोत तस लॅज ब्बछि। सु ब्यूठ अँकिस बोनि तल
बतु खेनि। तँम्य खूल पनुन बतु डबु। कोडुनु बतु तु ह्योतुन ख्योन। बोनि प्यठ आँस्य स्यठा
पँज्य तु वांदर। तिमव मंजु वैथ्य कैह ब्वन। ब्खचिं मंजु नियख टोपि तु खैत्य ह्योर
कुलिस प्यठ। टोपि सौदागरन ह्यचु तिमन खोचुनावनु बापथ क्रेकु दिनि। तु पतु टोपि
वापस हेनु खाँतर जारपार करुन। मगर तिमन व्योचु नु कैह। टोपि सौदागरस आव अख
ख्याल। तँम्य लॅज पनुनिस कलस अख टूप्य। अथ दितिन अकि अंदु बैयिस अंदस
फिर्य। पतु दिचुन टूप्य हवाहस मंज ह्योर दॉरिथ। वांदर आँस्य तस कुन बुछान। तिमव
कोर आँन तु गाँन ती यि सु करान ओस। टोपि पैयि पथर। टोपि सौदागरन सौंबरावि टोपि
तु द्राव।



तबसुरु

आँनु खानु (मज्जमून सौंबरन)

ले० अङ्गीज्ज हाजनी, श्रीनगर

आँनु खानु छे ल्वकटयन ल्वकटयन पंदहन मज्जमूनन प्ठ मुशतमिल अख तनकीदि
किताब, येम्युक पेशि कलाम जमू कशमीर अकादमी हुन्द्य साबिकु सैकटिरि माहमद
यूसुफ टेंगन ल्यूखमुत छु। इतिफाकन छु अङ्गीज्ज हाजनी ति वुनिक्यन अमी अकादमी हुंद
सैकटिरी। हाँजनियस मुतलक छि तिम लेखान 'हरगह तनजीम साज्ज हाजनि सॉब अख
अदब नवाज्ज तु खोदशीनास अँदीब रोज़ि, गारयाहन रॉव्यमित्यन तु लछि गाँमत्यन
कॉशरयन लालन प्रज्जलन मालु।' किताबि हुंदिस घडनिकिस मज्जमूनस मंज छु हाजनी
कॉशरि तनकीदुच म्वख्खसर पॉठय साम हेवान तु लगबग सारिनुय अँहम काम्यन हुंद

जिकिर करान |दोयमिस मज्जमूनस मूजूद दोरुच शॉयरी मंज छु सु मैंहजूरनि प्यठु अज.कलकिस नवजवान शॉयिर निसार अज्जमस ताम कैचन चुनींदु शॉयरन हुंद जिकिर करान |युथुय हयुव मज्जमून छु कॉशरि अदबुक स्वनहेंरी दोर,अलबतु छु अथ मंज शॉयरव अलावु कैचन नसर निगारन हुंद ति जिकिर। यिम जु मज्जमून हैकुहन यिकुवटु वैरिथ जान पॉट्य परखावनु यिथ, खाँर यि छे लिखॉरय सुंज मरज़ी। किताबि मंज छु लल देदि तु शेखुल आलमु सुंदि कलामुक तकोबुलि जॉयज्जु ति अँकिस बाबस मंज करनु आमुत तु यिमन दोन अँज्जीम ग्वनमातन हुंद कॉशरि ज़बॉन्य दयुत तफसीलुसान अबसावनु आमुत। लल देदि मुतलक गुलाम नबी गवहरुन बयानु जि ‘लल देद छे नु औंसमचुय’छु नु सिरिफ हॉरानकुनुय योत बैल्यकि अकि बेमार ज़हनुच पैदावार युस नु हॉजनियस दरुज करुन पजिहे।

रूपकृषण भट

साज़ बोन्यन हुन्द (नावल)

- मखनलाल पंडिता, २०१५, म्वल र ५००/-

मखनलाल पंडिता छु कॉशरि ज़बॉन्य हुन्द वॉहिद अदीब येम्य जन कमसे कम खेतस मंज ज्यादुसे ज्यादु किताबु लेछि। सनु २००० ई मंज छपेयि यिहुज ग्वडनिच किताब (अफसानु स्वंबरन) करनु फयुर, तु तनु प्यठु वुन्युस ताम छे यिहुंजु कुल शे अफसानु स्वंबरनु, अख सफरनामु तु अख नावल मनज्जरि आमस मंज आमचु। यि छ नु सँहल कथा कैह बैलकि अख बोडबारु कारनामु। यिथुकन्य छे पंडिता सॉबन कमसे कम खेतस मंज कॉशरिस अदबस मंज पनुन्य प्रज्ञनथ बनाँवमुच।

साज़ बोन्यन हुन्द छे लगबग पांचन हतन सफन प्यठ मुशतमिल अख नावल यथ मंज उनवानु मुताँबिक वैशीरि हुज खास वैरिथ वैशीरि हुन्दयन गामन मंज रोज़नवाल्यन लूकन हुंज ज़िन्दगी वैछनावनु आमुच छे। पंडिता सॉब औंस्य पानु शुपयनस नखु रोजान लेहाजा छु यिमन गॉमी ज़िन्दगी हुंद बरपूर तजरुबु। चिनाचि छु यिमव गॉमी ज़िन्दगी हुंद प्रथ कंह पैहलू वोसूकु तु दसगह सान बयान कोरमुत। गामकयन लूकन हुन्द बनुन गुदरुन, असुन गिंदुन, बैँडय दोह, रसुम रेवाज वगौर गरज़ प्रथ कंह पैहलू छुख दरशोवमुत। यिहंजन बाकुय किताबन हुन्दय पॉट्य छु यथ नावलि मंज ति तिमव कमरॉज्य कोशुर वरतोवमुत। बकोलि मोहमद युसुफ टेंग यिमव यथ किताबि मुतलक पनुन्य तोसुरात लीखमित छि ‘मे छु शखय जि कॉशरि ज़बॉन्य हुन्दयव मूलादार बटव मंजु कया नेरि ब्रॉहकुन बैयि कांह युथ हयुव प्योद मरॉज्य युस फरु फरु कैरिथ चूत

શોદ કાંશુર હેકિ લીખિથ '। કિતાબિ હુન્દ નાવ તિ છુ તિહુદી મશવરુ થવનુ આમુત ।
લિખ્ખોરય છુ વનાન બૂન્ય છે કેંશિરિ હુન્જ પ્રજનથ તુ સકાફતુચ નિશોન્ય ।

ચુનાચિ છુ યોમિ નાવલિ હુન્દ પલાટ ગાঁમી પસિ મનજરસ મંજ વોનનુ આમુત યિ છે
સનુ પંચાહ તુ શેઠુ કિ દેહલુચ કેંશીર દરશાવાન । યિ જ્માનુ ઓસ મુફલસી,
લાચ્ચારી, બોય બરાદરી, ઈમાનદારી, સેજરુક પજરુક જ્માનુ । અથ દોરસ મંજ આંસ્ય બટુ
તુ મુસલમાન માયિ મોહબતુ સાન રોજાન તુ અખ અંકિસ અલજાન પલજાન । નાવલ છે
ખાસ ખાસ કિરદારન મંજ છિ અલિ મોહમદુન મોલ સ્વનુ જુવ યુસ
દુકાનદારી કરાન છુ આસાન, તસુન્દ બ્યાખ બોય બશિર અહમદ યુસ વકીલ છુ, અલિ
મોહમદુન્ય તુ મોતી લાલનિ માશોકુ શમીમુ, તુ રજની યિમુ આંખરસ તિહુંજુ શેરીકિ હયાથ
બનાન છે, તુ બેણિ વારયહ કિરદાર ।

કિરદાર નિગારી, ડયલાગ, મનજરનિગારી તુ તફસીર છુ બેંહલિ પાયિ યુસ અથ
નાવલિ જુવ બખશાન છુ । અલબતુ છે લિખ્ખોરય સુંજ કુનિ કુનિ જાયિ હુદુ રૂસ તફસીર
નિગારી નાવલિ ગિહુલ તુ ગાંગલ કરાન તુ દિલચસપી કમ કરાન । મગર લિખ્ખોરય સુન્દ
જબોન્ય પ્યઠ ઓબૂર, મહાવર, ગાঁમી જિન્દગી હુંજ સૂજ બૂજ સોરૂય છુ તારીફન લાયખ ।
પજી આસિ બચિય કાંહ કાંશુર લિખ્ખોરય યસ ગાঁમી જિદગી હુન્દ યૂત બોજ શોજ આસિ ।

યિ નાવલ પજિ સારિનુય પરન્ય અંડીબન તિ તુ કાંશરિ જબોન્ય લોલ બરન વાલેન
આમ કાંશરયરન તિ ।

રૂપકૃષણ ભટ

લલ વાખ

હા ચેતા કવુ છુય લોગમુત પરમસ,
કવુ ગોય અપજિસ પજ્યુક બ્રોંત ।
દુશિ-બોજ વશ કોરનખ પર-ધર્મસ,
યિનુ ગછનુ જ્યનુ-મરનસ ક્રોન્ત ॥

बु छुस कैह लेखुन यछान

- रिकू कौल

हाय ! अँकिस मुसानिफस छु मसवदु सौंबरावनु या तखलीक करनु बापथ कम कम मँदैर्य तु मॉर्य मँद्य रॉच डॉक्य करन्य प्यवान। मै छु कालुक बतु ह्यु याद येलि मै खांदर सपुद, कूताह मॉल ओसुम यिवान कैह नतु कैह लेखुन बापथ। मगर यि मॉल काकज्ज वरकन प्यठ बारसस अननु बापथ ओसुम नु अख च्युह ति बेटान। खॉर कैह काला गुजरनु पतु येलि मै गर ग्रेहस्ती हुंदिस लोह लंगरस कुनि डंजि ताम वातनोव मै फ्यूर रकबत बेयि लेखनस कुन तु नैसफ रॉच गोस हुशयार। कलम अथस क्यथ तुलिथ ह्योतुम सौंचुन तु सरुन जि बु क्या लेखु। खबर क्याजि गव मै ति सोरुय कैह मैशिथ यि बु लेखुन ओसुस यछान। यिमन वैर्यन ऑसिम विजि विजि पुलाट नज्जरि गॉमुत्स्य, यिमन बु ज्ञेव दिन्य ओसुस यछान। मगर अज्ज गैयम तिम सॉरी पुलाट यकमुश मैशिथ। मै सूच “यि छा मै कांह मशरफ बैमॉर्य लारेमुच्र किनु यि छु अँकिस मुसानिफस सुत्य सपादन।” मै दितॉव पनुनिस देमागास वारयाह ज्ञोर, मगर गोस नु कामयाब, ज्ञन ति मै ब्रारि छ्योट ओस ख्योमुत। मै बास्योव पनुन देमाग अख अनि गैट कूठर्य हिश येति नु मै कैह ति लबनु आव। मै वोथ जेरु ह्यु तु पानसुय इज्जा दिनु बापथ कोरुम प्रन जि अज्ज छुम कैह नतु कैह लेखुन। गाहे सु कांह प्रोन पुलाट आसि या कांह नोव। मगर अज्ज छुम यिमन काकज्ज वरकन प्यठ कैह नतु कैह बावुन जरुर।

प्रोन यि कैछा सूचमुत सौरमुत ओसुम सु गोम मैशिथ तु व्यन्य ह्योत मै नोव तहरीर करनस प्यठ ज्ञोर दियुन। व्यन्य त्रॉव मै कमरु क्यन प्रथ चीज्जन प्यठ अख गैहरु नज्जर द्यवु कैह त्युथ कांह न्वखतु मैल्यम येमि सुत्य बु पनुन्य त्रैश होमरावु। ओरुयोर नज्जरा दिथ वुछ मै कैह ताजु तसवीर, यिमन मंज बु तु म्यॉन्य खांदारुन्य बडु ख्वश यिवुन्य अंदाज्जस मंज ऑस्य बिहिथ। तिमन वाकातन तु ज्जबातन दित्याम फ्युर ह्यु, येमि किन्य म्योन मन बटकुन ह्योतुन। मै दिच्च यकदम पनुन्यन ज्जबातन काँटु तु आस बेयि ह्यासन मंज।

कमरु किस अँकिस अँकिस चीज्जस प्यठ ओसुस बु पनुन्य बारीक बीनी नज्जर त्रावान। मगर मै म्यूल नु कांह ति सु न्वखतु यथ बु ज्ञेव दिमु हा। शायद मा ऑस्य तिमप सॉरी चीज अमि कमरेच शूब बैडरावान, येमि किन्य नु मै तिमन मंज कांह ति कमी नज्जरि गैयि, यथ बु वजाहथ हेकुहा वैरिथ। खबर क्याजि गव नु म्योन ज्वन तिहुंद्यन असुल पहलूहन प्यठ ति, यि ऑस्या म्यॉन्य नादॉनी या कम अकली, किनु यि छु अँकिस

मुसानिफस सूत्य सपदान। सूती प्योम अँकिस बैंडिस लिखॉर्य सुंज स्व कथ याद यैमि किन्य म्यॉनिस देमागु किस अनि गॅट्य कूठरिस मंज अख ज़ुच्र प्रजलेयि ज़ि : “तखलीक छुनु जबरदेस्ती सूत्य लेखनु यिवान या जबरदस्ती सूत्य सोंचनु सरनु यिवान। दरअसल छि यि अख रहाँनी ताकथ योसु कुनि कुनि विज़ि छि यिवान तु अख शाहकार छु पाँदु गछान।“ सूती प्योम बैयि अँकिस लिखॉर्य सुंद दोप ति चैतस : “कुनि चीज़स प्यठ लेखनु या तथ ज़ेव दिन्य छनु आम लुकन हुंद बितुर आसान। यि छु खॉलिस अँकिस लिखॉर्य सुंदय योत बितुर तु देमाग युस तथ चीज़स ज़ेव हैकि दिथ।“

तॅमिस ग्वनमाथ सुंज यि कथ बोसेयम ज़न ति कमरुक्य प्रथ कांह चीज़ दोहरावान तु यिम लफ़ज़ ज़न आँस्य व्वन्य अथ कमरस मंज गूंजान। मे चाव हॉबथ ह्यु, अथु मंजु प्योम कलम, खूच्य खूच्य कॅरुम कमरुच लायिट छेयतु तु चास लैफि मंज़। कलु नलु हैचुम लेफ ज़ि काँसि हुंज नज़र ति गँछ नु मे प्यठ पैन्य।



अदबी खबर्

कश्मीर कलचरल ट्रस्टकि ऐहतिमामु आव समनबलस तँहत दिलि मंज़ ३१ जुलय, २०१६, सिविल सरविस आफ्सॉरस इन्स्टिचूट्स मंज़ अख अदबी प्रोग्राम मुनकद करनु। ग्वडु आव केचन नफरन यिम अदबस कयो आरटस सूत्य वाबसतु आँस्य तु कैह काल ब्रोह स्वरगुवास सपुदय खराजि अँकीदत पेश करनु। यिम छि, अँद्रीब तु शॉयिर श्री सूमनाथ वीर, कलाकार श्री पयारे लाल हंडू, मशहूर माँहरि लिसानियात प्राप्त ब्रज बी काचर्ल तु अँद्रीब तु तरजमुकार प्रो० टी एन रैना।

अमि पतु आयि अफसानु तु शारु मङ्फिलु सजावनु, यिमन हुन्ज सदारथ प्रो० ओमकार कौल सॉबन तु मूती लाल नाज़ सॉबन वैर। शरकथ करनवाल्यन हुन्द्य नाव छि श्री गवरी शंकर रैना, श्री ओमकारनाथ शबनम, श्री अशोक सराफ घायिल, श्री रोशनलाल रोशन, श्रीमती सूनीता रैना, श्री बी के कौल दीप, श्रीमती अंजली अदा तु श्रीमती सुनीता खेर। अमि पतु बोजनाँव्य प्रो० चमन लाल सपरु सॉबन पनुनिस कँशीरि हुंदिस सफरस मुतलक कैह खास कथु। खास खास मेहमनन मज़ आँस्य श्री वीर जी डुलू, श्री अरविन्द शाह, श्री रजन्दर प्रेमी, श्रीमती वीना वांचू, श्री प्यारे लाल राजदान, श्री धर तु श्रीमती कुंदन भठ। अथ मौकस प्यठ आव कॉशुर कॉयदु युस श्री अरविन्द शाहन तु श्री बी के कौल दीप सॉबन तयार कोरमुत छु, रिलीज़ करनु। ऑखरस प्यठ कोर कश्मीर कलचरल ट्रस्टुक्य मनेजिंग ट्रस्टी डा० रूपकृष्ण भटन सारिनुय शरकथ करनवाल्यन हन्द्य शुक्रिया पेश।



तुहुन्द वनुन

“.....वाख ४१ वोत तु मन गव स्यठा प्रसन्न। तुहुंज अनथक मैहनथ तु अद्बुक लोल छु अथ प्रथ रंग नोव जुव ज्यतु तु शूब प्रदान करान। अथ मंज़ छु असि प्रथ रंगुच सामग्री परनु खॉतरु मेलान यि जन अँकिस बागि बॅरतिस तु सॅजीदु अदबी मेग्गीनस आसुन गछि। नज्मु, नसुर, तखलीकी अनुवाद, सोन म्वलुल सरमायि, बुक रिविव, बेतरि। परन वॉलिस छु मन योछमुत तु कोंछमुत दिलचसपी हुन्द सोरुय मवाद परनु खॉतरु मेलान तु अदबी मुतालुच त्रेश हमान। तुहुंदि एडिटोरियलुक्य नॅव्य नॅव्य सुझाव तु तिमन प्यट व्यछनय वॅरिथ तिहुन्द हल तलाश करनुचि वतु बादि कडनि तु दाय तदबीरुचि वत, हावनि छे तुहुन्द माजि ज्ञेवि हुन्द चुक आसुन टाकारु पॉर्च्य दुंर्घ्य गछान। यि छे पॅज़ कथ ज़ि माजि ज्ञेव योताम छे तोताम छि अँस्य ति तु सोन कलचर ति। यि कथ यूत जलुद असि सारिनुय फिकरि तरि त्यूत जलुद छु सानि बापथ ठीख।

दरिदस वाखस मंज़ छु सोरुय मवाद हावुन तु बावुन लायख। शान्त सॉबुन्य वाख खॉतरु व्यहरुवादिच ऑही पॅरिथ छु ननान जि शांत सॉबस सान तिमन सारिनुय परन तु लेखन वाल्यन हुंज मैहनत तु लोल खोत रथि। वाख गव दॅह वुहर तु तु बगवानस करव अमिचि उमुर दरॉजी खॉतरु प्रार्थना। शांत सॉबस सूत्य छु तिमन सारिनुय कलमकारन तु परन वाल्यन मुबारख यिमव अथ नुन्द बॉनिस मेग्गीनस कुन दिथ लोलु तु चुकि सान आबियॉरी वॅर। दय थॅविन तिमन सारिनुय वारु वति।

वाख छु प्रथ रंग तिमन तमाम अदबी सिनफन हुंज तरजुमाँनी करान। अफसानन हुन्द बोग छु जुव दार, शॉयिरी नॅव तु प्रॉन्य छि ख्वश यिवुन्य। बहलि पायि साहित्यकारन हुन्द अदबी सफर ति छु रुत हुरेर। अगर सफर नामन तु लेखन हुन्द ति बोग आसिहेस स्यठाह ज़बर गछिहे। वङ्डन्य छे नु तीच गुंजॉइश अथ मंज़ यि छु युहुन्द तजरुबु तु बोज़ शोच़ येमि किन्य ८० सफन मंज़ यूताह कैह व्यपरावान छिवु।...”

मोती लाल नाज़, नई दिल्ली

“.....वाख ४१ पोरुम तिथय पॉर्च्य दिलचसपी सान यिथु पॉर्च्य अमि ब्रूहिम अंक पॅरिम। वुछान वुछान गव वाख दॅह वुहर। दॅह वरी गॅयि कालु पगाह वुह वॅरी तु यूताह समय छु कॉफी अमि मैग्जीनुक मियार सरु खरु करनु बापथ। अथ जिमनस मंज़ छु डां शांत सॉबुन व्यहरुवादिच ऑही नावस तल लेख स्यठा होसलु बखशन वोल। तिमव छे अथ अंदर वाखुच स्यठा पॅजीरॉई वॅरमुच य्वसु अथ शूबि तु अमि किस पेशकालस मुतलिक छि आशावॉदी ति यि असि सारिनुय आसुन पज़ि। मगर अथ लेखस अंदर छिन वारयाहन कॉशिर्यन लफ़ज़न बदलु ठेठ हिन्दी लफ़ुज़ वरतॉव्यमुत्य। नागरी लिपि अंदर लेखनुक मतलब गव नु ज़ि कॉशिरिस प्यठ यियि हिन्दी लफ़ज़न हुन्द बेजा बार त्रावनु। तमि सुत्य छु

કੱਸ਼ਿਰਿ ਜਬੋਨ्य ਤਿਥਧ ਪੱਠਚ ਦਵਾਰ ਵਾਤਨੁਕ ਇਮਕਾਨ ਧਿਥੁ ਪੱਠਚ ਕੱਸ਼ੀਰਿ ਅੰਦਰ ਅਕਸਰ ਲਿਖਾਰਿਵ ਦੱਸਧ ਨਸਤਾਲੀਕ ਲਿਪੀ ਅੰਦਰ ਕੱਸ਼ਿਰਿ ਜਬੋਨ्य ਪਿਠ ਫਾਰਸੀ ਤੁ ਉਦ੍ਦੂ ਮੁਸ਼ਲਤ ਕਰਨੁ ਸੁਤਧ ਛੁ। ਦੱਸਧਿਆਬ ਕੱਸ਼ਿਰਿਨ ਲਫਜ਼ਨ ਕਿਆ ਜ਼ੋਰਥ ਛੇ ਹਿੰਦੀ ਸ਼ਬਦਵ ਸੁਤਧ ਨਸ ਡਾਲਨ्य। ਮਸਲਨ ਧਿਮ ਲਫਜ਼:- ਪਰੀਕਾ, ਪ੍ਰਭਾਵ, ਵਿਕਿਤਤਵ, ਸਮਪੂਰਣ, ਮਨੁ਷, ਪ੍ਰਭਾਵੀ ਮਨੁਸ਼(ਮਨੁ਷) ਮੌਲਿਕਤਾ, ਸ੍ਰਜਨਾਤਮਕਤਾ, ਵਰਤਮਾਨ, ਸਥਾਨੀਧ, ਸਾਂਸਕ੃ਤਿ, ਪ੍ਰਗਤਿ, ਵਿਸ਼ਾ਷ਟ, ਵਿਜ਼ਾਨ, ਮਾਨ੍ਯਤਾ, ਯੋਗਦਾਨ, ਬੇਤਰਿ। ਨਾਗਰੀ ਲਿਪੀ ਅੰਦਰ ਧਿ ਕਰਨੁ ਸੁਤਧ ਛਿ ਅੱਸਧ ਤਿਹਵਿ ਦੱਸਧ ਨਸਤਾਲੀਕਸ ਅੰਦਰ ਤਿ ਕਰਨੁਚ ਜਵਾਜ ਪੇਸ਼ ਕਰਾਨ। ਬਾਖ ਕਥ ਧਵਸੁ ਮੇ ਤਮਿ ਵਿਜ਼ਿ ਤਿ ਜੋਹਨਸ ਅੰਦਰ ਆਧੇਧ ਧੈਲਿ ਮੇ ਸ਼ਾਂਤ ਸਾਂਬਨਿ ਦੱਸਧ ਲ੍ਯੂਖਮੁਤ ਵਾਖ ਮੈਗਜ਼ੀਨੁਕ ਗਵੁਨ੍ਯੁਕ ਏਡਿਟੋਰੀਲ ਪਰੰਵ ਤੁ ਅੜ ਦਾਹ ਵੁਹਰਿ ਤਿਹਵਿ ਦੱਸਧ ਅਮਿਚ ਸਨਾਖੋਂਨੀ ਪਰਨੁ ਵਿਜ਼ਿ ਤਿ ਆਧਮ ਸਵ ਧਿ ਜਿ ਵਾਖ ਨੇਰਨੁ ਭੋਂਹ ਧਿਮਵ ਮੈਗਜ਼ੀਨਵ ਪਨੁਨ ਹਿਸੁ ਕੱਸ਼ਿਰਿ ਖੱਤਰੁ ਆਧਤਨ ਥੋਵ ਤਿਮਨ ਹੁਨਵ ਜ਼ਿਕਿਰ ਕਰੁਨ ਓਸ ਲੱਜਿਮੀ। ਤਿਮਨ ਪਤ੍ਰਿਕਾਧਨ ਅੰਦਰ ਛਪੁਵਨ੍ਯਵ ਤਿਮਵ ਕੱਸ਼ਿਰਿ ਹਿਸੁਵਧ ਦਿਚ ਦਰਅਸੁਲ ਵਾਖ ਕਡਨੁਚ ਤਹਰੀਕ। ਵਾਖ ਨੇਰਨੁ ਭੋਂਹ ਕੱਚਾਹ ਕੱਮ ਕੱਵਰ ਤਿਮਵ ਤੁ ਵੁਨਿ ਤਿ ਛਿ ਬਾਬਰ ਕਰਾਨ ਕਿਸ਼ਿਰ ਜਬਾਨ ਤੁ ਅਦਬੁ ਖੱਤਰ। ਖਾਸਕਰ ਹੋਕਵ ਨੁ ਅੱਸਧ ਸ਼ਾਮ੍ਭੁ ਨਾਥ ਭਵੁ'ਹਲੀਮ ਸਾਂਬੁਨ ਸੁ ਦ੍ਰਿੁ ਮੱਸ਼ਰਾਵਿਥ ਯੁਸ ਕਰੀਬ-ਕਰੀਬ ਪੰਚਾਹਨ ਵੱਖਿਨ ਕੋਥੁਰ ਸਮਾਚਾਰ ਦੱਸਧ ਕੱਸ਼ੀਰਿ ਨਿਕਾਰ ਕੱਸ਼ੁਰ ਜਿੰਦੁ ਥਾਵਨਸ ਮੰਜ ਆਧਤਨ ਥੋਵ। ਕਮ ਸੇ ਕਮ ਗੋਛ ਤਮ੍ਯੁਕ ਸਰਸਰੀ ਪੱਠੀ ਸਹੀ ਜ਼ਿਕਿਰ ਆਸੁਨ। ਵੈਸੇ ਤਿ ਛੁ ਧਿ ਅਖ ਔਸੂਲ ਜਿ ਕੁਨਿ ਤਿ ਸ਼ੀਰਿਕਸ ਪਿਠ ਲੇਖਨੁ ਵਿਜ਼ਿ ਛੁ ਤਥ ਬਾਰਸ ਮੰਜ ਕਰਨੁ ਆਮਚਨ ਕੂਝਿਸ਼ਨ ਹੁਨਵ ਹਵਾਲੁ ਦ੍ਰਿੁ ਲੱਜਿਮੀ ਆਸਾਨ। ਬਹਰਹਾਲ ਸ਼ਾਂਤ ਸਾਂਬ ਛਿ ਬਹਲਿ ਪਾਧਿਕਧ ਲਿਖੱਧੀਵ ਤੁ ਤਿਮਵ ਦੱਸਧ ਤਿ ਕਰੁਨ ਮੁਨੋਂਸਿਬ ਜਾਨੁਨ ਮਾ ਆਸਿ ਸਹੀ।...

ਅਮੀਨ ਕੱਮਿਲੁਨ ਅਸਲੀ ਸ਼ਾਰ ਛੁ:

ਕੱਸ਼ਿਰਿ ਸੂਤੀ ਕੱਸ਼ਿਰਿ ਸਾਂਰੀ, ਨਤੁ ਵੱਰਾਨੁਕਧ ਹੱਚਾਨ ਕਾਵ

ਮਗਰ ਤੋਹਿ ਛਿਵੁ ਤਥ ਕੇਂਹ ਲਫੁਜ ਚੋਨਿਥ ਧੋਮਿ ਆਧਿ ਦੁਜ ਕਰਾਨ:-

ਕੱਸ਼ਿਰਿ ਸੁਤਧ ਛਿ ਅੱਸਧ ਕੱਸ਼ਿਰਿ ਸਾਂਰੀ, ਨਤੁ ਛਿ ਵੱਰਾਨੁਕਧ ਹੱਚਾਨ ਕਾਵ

ਧਿ ਸ਼ਾਰ ਤਿ ਹੋਕਿਵ ਵਰਤਾਵਿਥ:

ਕੱਸ਼ੁਰ ਬੋਲੁਨ ਹਰਗਾਹ ਤ੍ਰਾਵਵ ਪਾਨਧ ਰਾਵਵ। ਜਬਾਨ ਛੇ ਜ਼ਾਮਿਨ ਸਾਨਿ ਵੋਜੂਦਚ ਕਿਥੁ ਮੱਸ਼ਰਾਵਵ।। ਅੱਖਰਸ ਪਿਠ ਛੁਮ ਅੜ ਜਿ 'ਮਨੁਟ ਤੁ ਪਾਂਜੁਵ' ਤੁ ਤਾਲਵ ਟੰਗ ਸ਼ੀਰਿਕਸ ਤਲ ਧਿਮੁ ਜੁ ਸ਼ੁਰੂ ਦੱਲੀਲੁ ਅਥ ਅਂਕਸ ਅੰਦਰ ਛੇ, ਤਿਮੁ ਛੇ ਦਰਅਸੁਲ ਲੁਕੁ ਦੱਲੀਲੁ ਨ ਜਿ ਨੱਜਿਰ ਸਾਂਬਨ ਤੁ ਸਾਕੀ ਸਾਂਬਨ ਤਖਲੀਕ ਕਰਿਮਚੁ। ਤਿਮਵ ਛੇ ਧਿਛੁ ਵਾਰਧਾਹ ਲੁਕੁ ਦੱਲੀਲੁ ਸਾਂਬਾਰਵਿਥ ਤਰਤੀਬ ਦਿਚਮਚੁ।

ਬਹਰਹਾਲ ਸ਼ਾਨਿ ਤਰਫੁ ਵਾਖ ਦੱਹ ਵੁਹਰ ਗਛਨਸ ਪਿਠ ਆਲ ਇੰਡਿਆ ਕਥਮੀਰੀ ਸਮਾਜਸ ਤਮਿ ਪਤੁ ਗਵੁ ਸ਼ਾਂਤ ਸਾਂਬਸ ਤੁ ਪਤੁ ਭਾਵ ਓਮਕਾਰ ਕੌਲ ਸਾਂਬਸ ਮੁਬਾਰਖ।"

ਰਤਨ ਲਾਲ ਜਵਹਰ, ਜਮ੍ਮੂ।

“....बु छस वाख लगातार परान। अथ मंज़ छि जान लेख, अफसानु तु स्वखन डुस हिव्य कालम आसान। बु छस सोरुय कैह परान। मै छे खासकर शॉयरी पसंद। बु ति छस शॉयरी करान। बु छस लीलायि लेखान तु बॉथ ति। बु छस लीला यि ग्यवान ति। वाख छापनु खॉतरु छसोवु मुबारख करान। बु सोज्जोवु जलदुय कैह बॉथ तु लीलायि वाखस मंज़ छापनु खॉतरु। अगर पसंद यिनव तौलि छॉप्यज्ज्योख ज़रुर।”

सुनीता खेर त्रिसल, नोइडा।

“....बु छुस वाख परान। मै छु उर्दू कॅशीरि पोमुत। बु छुस फारसी लिपि मंज़ कॉशुर परान। ग्वडु ओसुम देवनागरी मंज़ परुन मुशिकल बासान मगर व्वन्य नु कैह। देवनागरी पंज परुन छुम सहल बासान। मै छे कॉशरिस अदबस सूत्य दिचस्पी। मै छे व्वमेद जि तिम कॉशिर्य यिम नु उर्दू ज्ञानान छि, हैकन देवनागरी मंज़ कॉशुर जान पॉर्ढ्य पॅरिथ। यि मैगजीन गछि। प्रथ गरस मंज़ वातुन। अमि सुत्य हेकव अँस्य कॉशिर ज़बान ज़िंदु थॉविथ। बु छुस कॉशरिस मंज़ कमज्याद शॉयरी ति करान। बु सोज्जोवु कैह शॉयरी छपनु खॉतरु।”

बंसी लाल रैना, फरीदाबाद।

“....यि छे खोशी हुंज कथ जि वाख छु छपनु ब्रॉहुय इंटरनेट्स पैठ आसान। इंटरनेट्स पैठ देस्याब करनु सूत्य बडि यि रिसालु परनवाल्यन हुंद तेदाद। खासकर छि अँजिच नॅव पुय रिसालु बेतरि इंटरनेट्स पैठुय परुन पसंद करान। तोह्य छिव यि फेसबुक्स पैठ ति त्रावाम। वाख छु गेट-अप किन्य ति लूबवुन रिसालु। तोहि पजि वाखुक चंदु बडावनु खॉतरु अख मुहिम चलावुन्य येमि सुत्य अम्युक चंदु बडि तु यि यियि गिफ्ट ति करनु। अथ मंज़ गछन कैह फाटोग्राफ ति छापनु यिन्य।

वाखस मंज़ छि जान लेख तु अफसानु छपान। शॉयरी हुंज चॉर ति छे जान आसान। गाशिर्य मीनार कालमस मंज़ छि प्रान्यन कॉशररन बह लि पा यि कलमकारन तु अँदीबन हुंज ज्ञान स्योद सादु ज़बॉन्य मंज़ मेलान। मै छु स्वखन डुस कालम ति सयठा पसंद। सोखु जू छु त्युथ किरदार युस सॉनिस समाजस मंज़ प्रथ कु नि जा यि छु लबनु यिवान। प्रो० शांत सॉबुन्य ज़बान तु लेखनुक आय छु स्यठा लूबवुन।”

चमन लाल धर, नोइडा

(पनुन्य कुमती राय सोज्जनु खॉतरु शुक्रिया। अँस्य करव कूशिश अथ पैठ अमल करनुच। ज़रुरत छु वाख परन वाल्यन हुंद तेदाद बडावनुच। अमि खॉतरु हैकन सॉन्य परनवॉल्य मदद वॅरिथ। नाज़ सॉबन छु टाइपिस्ट सुंजि गल्ती कुन इशारु कोरमुत। अम्युक छु मै अफसूस- एडिटर)



लेखन वॉल्य

डा० चमन लाल रैना, अजमेर, राजस्थान।

प्रो० मीम है ज़फर, शालीमार गार्डन, साहिबाबाद, गाज़ियाबाद।

श्री मोती लाल क्यमू, 5 अपना विहार, कुंजवनी, जम्मू 180010. (09419112371)

डॉ० रूप कृष्ण भट, A-19, कैलाश अपार्टमेंट्स, सेक्टर 4, द्वारका

दिल्ली-110078. (9868555535)

श्री मखन लाल पंडिता, जम्मू।

श्री पृथ्वी नाथ कौल सायिल, जम्मू।

श्री अवतार हुगामी, जम्मू।

श्री रिकू कौल, जम्मू।

श्री रहमान रहबर, श्रीनगर।

श्री विजय सागर, जम्मू।

श्री मोतीलाल कौल नाज, दिल्ली।

श्री बाल कृष्ण संयासी, जम्मू।

श्री त्रिलोकीनाथ धर कुंदन, बैंगलूरु (trilokinathdhar@gmail.com)

प्रो० हामदी काशमीरी, श्रीनगर।

श्रीमती रुही जान, श्रीनगर।

श्रीमती सुनीता रैना, शालीमार गार्डन, साहिबाबाद, गाज़ियाबाद।

श्रीफयाज़ दिलबर, गाज़ियाबाद। (9811922521)

श्री रविंदर रवी, आकाशवाणी, नई दिल्ली।

श्री मोती लाल मसरूफ जम्मू।

श्री अवतार कृष्ण नाज, जम्मू।

श्री प्रेमनाथ शाद, जम्मू।

श्री कुमार अशोक सराफ घायल, नई दिल्ली। (9810636014)

श्री अशोक गवहर, जगती टाउनशिप, नगरोटा, जम्मू।

श्रीमती संतोष नादान, जम्मू।

डा० रोशन लाल सराफ रोशि रोशि, जम्मू।

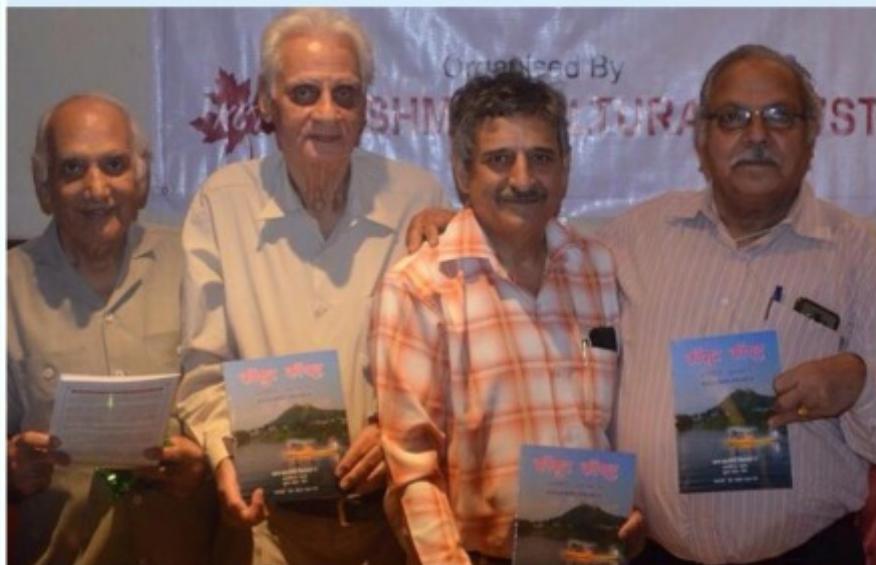
डॉ० रतन लाल 'शान्त' M-201, Royal Palm Flats, Akhnoor Road, Jammu, 180005. (09419684914) rlshant201@gmail.com

श्री शंभुनाथ भट्ठ 'हलीम', आई-1, कशमीरी अपार्टमेंट्स, पीतमपुरा, दिल्ली।

श्री रोशन लाल रोशन, दिलशाद गार्डन, गाज़ियाबाद।

SAMAN BAL: A KASHMIRI LITERARY MEET

ORGANISED BY KASHMIR CULTURAL TRUST IN DELHI (31 JULY, 2016)



With best compliments from



SUMO GROUP OF COMPANIES

SUMO INTERNATIONAL PVT. LTD.
425, Gemstar Commercial Complex,
Ramchandra Lane Extn., Kachpada,
Malad (W), Mumbai - 400 064.
Tel.: 0091 22 28449341 / 42
Fax: 0091 22 28819841
E-mail: sumo@sumointl.com
Web: www.sumointl.com

SUMO HI-TECH MARKETING PVT. LTD.
422-424, Gemstar Commercial Complex,
Ramchandra Lane Extn., Kachpada,
Malad (W), Mumbai - 400 064.
Tel.: 0091 22 42108888
Fax: 0091 22 42108899
E-mail: admin@sumohitech.com
Web: www.sumohitech.com

PCL-SUMO AIR TECHNOLOGY PVT. LTD.
425, Gemstar Commercial Complex,
Ramchandra Lane Extn., Kachpada,
Malad (W), Mumbai - 400 064.
Tel.: 0091 22 32108578 / 32107242
Fax: 0091 22 28819841
E-mail: info@pclsumo.com
Web: www.pclsumo.com

Printed & Published by All India Kashmiri Samaj
from D-90, Sarojni Nagar, New Delhi - 110 023 Ph.: 24677114 E-mail : aiksnrd@rediffmail.com

Printed by : Vision Creative Services Ph. : 9810625082 Email : pranavkoul@gmail.com

Editor : Omkar Koul

Price : ₹ 50/-